

सं० 50] नई विल्ली, शनिवार, विसम्बर 13, 1980 (अग्रहायण 22, 1902) No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 13, 1980 (AGRAHAYANA 22, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III-SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

> गृहमञ्जालय गृह एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं० ए०-19013/1/80-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० महेन्द्र रेड्डी, भारतीय पुलिस सेवा (ए० पी०-1953) को नवम्बर 12, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष १ लिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोधर प्रशासनिक प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० ओ० दो-1485/80-स्थापना--राष्ट्रपति जी डा० विजय वहादुर को अस्थायी रूप से आगामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर 3-11-80 पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1486/80-स्थापना—-राष्ट्रपति जी डाक्टर ग्रनिल कुमार को अस्थायी रूप से आगामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर डाक्टरी

(13219)

परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर 4-11-80 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी, **कृते** उपनिदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ई० 16013(2)/1/78-कार्मिक—-राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर श्री एस० के० चटर्जी श्राई० पी० एस० (एम० टी०-69) ने 10 अक्तूबर, 1980 के अपराह्म से के० औ० सु० बल यूनिट, एच० एफ० सी०, दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—रांची से स्थानां-तिरत होने पर श्री एस० एन० गंजू ने 3 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहाग्रक कमाईंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—श्री हरिकोटा से स्थानांतरित होने पर श्री ग्रार० जानकीरामन ने 16 अक्तूबर 1980 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० दक्षिणी क्षत्न मुख्या-लय, मद्रास, के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह०/- अपठनीय महानिदेशक

भग मंबासय

(श्रम म्पूरो)

शिमला-171004, दिनांक 13 दिसम्बर 1980

सं • 23/3/80 सी • पी • आईं • — प्रक्तूबर, 1980 में औधोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूक्य सूचकांक (आधारवर्ष 1960=100) सितम्बर, 1980 के स्तर से चार अंक बढ़ कर 406 (चार सौ छः) रहा है। अक्तूबर 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित ऋए जाने पर 493 (चार सौ तिरान्नवें) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज, संयुक्त निदेशक वित्त मंत्रालय

(म्रार्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं 1575/ए०---मैं, श्री एच० के० सर्मा, अनुभाग अधिकारो (वाणिज्यिक), महालेखाकार कार्यालय, हिमाचल प्रदेण तथा चंडीगड़, शिमला, को लेखा अधिकारी के रूप में भारत प्रतिमृति मुदणालय, नासिक रोड में 15-11-1980 के अपराह्म से पहनी ही बार एक साल के लिए प्रति-नियुक्ति पर नियुक्त करता हूं।

पी० एस० शिवराम महाप्रबंधक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1980

सं० सी० ए०-I/26-70—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड तथा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा का कार्यालय (कोयला) कलकत्ता में कार्यरत श्री प्रशान्त कुमार सिन्हा लेखा परीक्षा प्रक्षिकारी (वाणिज्यक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1980 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

आर० के० मेहरा सहायक निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेश ह लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 24 नवम्बर 1980

सं प्रशासन-I/का श्रा अस्वा-346—वार्ध्वय निवृत्ति की श्रायु प्राप्त का लेने के परिणासस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी और स्थानापन्न कल्याण अधिकारी श्री एन एन मजुमदार, भारत सरकार की सेवा से दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त होंगे।

विशव सहाय संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० प्रशा० 1/8-132/80-81/2074—महालेखाकार, प्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० नरायण को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान क० 840-40-1000—ई० बी०-40-1200 पर उत्ती कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रिश्वकारी के पद पर 6-10-80 के पूर्वाह्न से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है । यह पदोद्यति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रणा०-I-8-132/80-81/207—महालेखाकार, ग्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० सत्यनारायणमूर्ति-I को महालेखाकार, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद, द्वारा वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 14-10-1980 के पूर्वाह्न से जब तक ग्रागे श्रादेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/273—श्री आर० गोशीसथन लेखा श्रक्षिकारी, महात्तेखाकार, कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए —िदनांक 31-10-80 श्रपराह्न ।

> रा० हरिहरन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिष्वनन्तपुरम, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड 2/161—नीचे बताये स्थानापन्न लेखा श्रधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से ६० 840-40-1000-द० री०-40-1200 के लेखा श्रधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमना में नियुक्त करने के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं:—

1. श्री सी० के० वासप्पन

1-11-79

2. श्री एस० चेल्लप्पन

12-11-79

डी० शिवरामऋष्णन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० स्थापना/हर्नदारी/6/10-3-128—कार्यालय, महालेखा-कार, केरल के लेखा अधिकारी श्री एस० श्रीनिवासन श्रिधिविषता के कारण 31 नवम्बर, 1980 अपराह्न को सेवा-नियुत्त हो गये।

> ह०/- अपठनीय महालेखाकार

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 14 नवम्बर 1980

संव प्रमात-I/सामान्य/माव येव डीव/31-खण्ड III/ सीव I (1) 13—-महालेखाकार महाराष्ट्र-1, बम्बई, कुमारी पाव प्रारंव पालेकर, म्रानुभाग मधिकारी (म्राडीट भीर एक उन्द्र्स) को दिनोक 10 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्म से भपने व प्रतिय में मागे भादिम होने तक लेखा मधिकारी के पद पर स्थानापन्न कृष से नियुक्त करते हैं।

एस० श्रार० मुखर्जी वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रकासन

महालेखाकार उत्तर प्रदेश का कार्यालय इलाहाबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1980

मं० प्रशासन/II-144/म्रधिसूचना/302—महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेग, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग मीकारियों को उनके नामों के भ्रागे मंकित तिथि से भ्रागामी मादेग पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है:—

सर्वश्री

त्तपत्र।	
 शिशिर कुमार भट्टाचार्या 	2-5-1980
	(पूर्वाह्न)
2. दर्गन लाल ग्ररोड़ा	5-5-1980
	(पूर्वाह्न)
3. त्रिवेनी महाय श्रीवास्तव	31-5-1980
,	(ग्रपर⊺ह्न)
4. राम स्वरूप रस्तोगी	31-5-1980
	(ग्रपर≀ह्न)
5. उदय भान सिंह-Ì	31-5-1980
	(भ्रपराह्न)
 कल्यान कुमार चटर्जी 	6-10-1980
•	(पूर्वाह्स)
 गलिल कुमार चौधरी 	6-10-1980
,	(पूर्वाह्न)
	स० स० म्राह्लूवालिया,
	वरिष्ठ उप-महोलेखाकार

(प्रशासन)

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय

पश्चिम रेलवे

बम्बई-1, दिनांक 15 नवम्बर 1980

मं ० एन० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/IX/1/5649——निदेशक लेखा परीक्षा, निम्निलिखत ग्रस्थायी लेखा परीक्षा श्रीध-कारी को लेखा प्रधिकारी पद पर (वेतनमान रुपा, 84040-1000-द॰ रो॰-40-1200 दिनांक 1-21-980 से स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रीएम० एत० बनमल स्थायी पद पर नियुक्त होने की नारीख 1 फरवरी, 1980

सं० एस० ए०/एच० व्यू०/प्रशासन/पी० सी०/एम० जी० वी०/5665 - श्रो म० गो० साटिया, स्यानापन्न लेखापरीक्षा ग्रोश्रहारी दिनांक 6-8-1980 के पूर्वीह्न ने सरकारी सेवासे ऐच्छिक सेवानिवृत्त हो गए हैं।

> सु० प० भोबे, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 नवम्बर 1980

सं० 3554/ए०/प्रशासन/130/79-80—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर श्री जे० एल० गुहा ठाकुरटा, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी दिनांक 31-10-1980 (ग्रपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक संयुक्त निदेशक

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० 6873/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखाँ मेना के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर I के एक ग्राधिकारी श्रां ग्रार० वेंक प्रशासन को, रक्षा लेखा महानियंत्रक के रूप में, स्थानापन्न रूप में, दिनांक 17 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से, ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 18418/प्रशासन-I—-भारतीय प्रशासनिक सेवा में निर्धाको लिए चयन हो जाने पर, श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, ग्राई० डी० ए० एन०, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 12 सितम्बर, 1980 (ग्रपराह्न) से विभाग के सख्याबल से हटा दिया गया है।

> सी० बी० नागेन्द्र, रक्षालेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

कार्यालय रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान

मेरठ छ।वनी, दिनांक 18 नवम्बर 1980

पं० प्रगा०/ए०/भाग-प्रतृशासन-जगदीश——श्री जगदीश, अर्थ स्थायी चपरासी के विरुद्ध की गई श्रनुणासनिक कार्यवाही के अभिलेख को ध्यान में रखते हुए तथा यह देखते हुए कि उक्त कर्मवारी ने अपने विरुद्ध लगे आरोग पत्न तथा जांच प्रविकारी के समक्ष उपस्थित होने के नोटिस के प्रत्युत्तर में उसने कोई अभिवेदन प्रस्तुत नहीं किया है, मैं आर॰ बी॰ कपूर, रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ छावनी सन्तुष्ट हूं कि उसको नौकरी से हटाये जाने का दंड देने के लिए उचित श्रीर पर्याप्त कारण मौजूद हैं।

श्रतः श्री जगदीश, श्रर्थस्थायी चपरामी को दिनांक 6-11-80 को नौकरी से हटाया जाता है।

> ग्रार० बी० कपूर, नियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

ह्थरुरधा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रवतूबर 1980

सं० ए०-12025 (ii)/1/80-प्रशा०-II (क)—— राष्ट्रपति, अनुदेशक-सह-निदेशक श्री महादेव प्रसाद को 4 ग्रगस्त 1980 से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए भारतीय ह्याराश प्रीधोगिकी संस्थान, वाराणसी में कनिष्ठ प्राध्यापक (बस्त्र) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 नवम्बर 1980

सं० ए०-12025 (i)/5/80-प्रशा०-II (क)---राष्ट्रपति, श्री एच० संजीव सेट्टी को 7 जुलाई, 1980 की पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड I (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए०-32013/7/80-प्रशा०-II (ए) — राष्ट्रपति, तकनीकी सहायक (रंगाई), श्री डी० एम० शाह को 4 प्रान्त्रबर, 1980 से ग्रागामी आदेगों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, वम्बई में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> पी० शॅंकर संयुक्त विकास भ्रायुक्त (हथकरघा)

इस्पात घौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 10 नवम्बर 1980

सं० 8529-बी०/ए०-19012 (3-एस० बी०)/80 19-बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायनज्ञ) श्रीमती सुमिला बनर्जी को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन निम्मानुपार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, प्रायामी स्नादेग होने तक 6-10-80 के मुरोह ने गराजी गर निमुक्त किया जा रहा है।

सं० 8539 बी०-ए०-32013 (ए० श्रो०)/78-19 ए० - भारतीय न्ति। कि त्रिकेश के निम्नलिखित श्रधिकारों के उमापितिक श्रिविकारों के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुनार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेतनमान में, अस्थापी क्षानता में, श्रागामी आदेश होने तक प्रत्येक के मामने दर्शायी गई निधि से पदोन्ननि पर नियुक्त किया जा रहा है:--

ऋम मॅ०	नाम	नियुक्ति तिथि
1. श्री टी॰	के० मजुमदार	29-5-1980 (पूर्वाह्न)
2. श्री के०	एम० बनर्जी	29-9-1980 (पूर्वाह्न)

दिनांक 11 नवम्बर 1980

सं० 8614 बीं०/ए०-19012 (3-ए० बीं०)/80-19-बीं०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में विष्ठ तक्तीकी सहायक (रसायनज्ञ) श्री ग्रभास बसु को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में, श्रस्थायी क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 7-10-80 के पूर्वाह्न से पदो-ज्ञाति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० 8879 बी०/ए०-19011 (I-ग्रार० बी० एन०)
79-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक डा० श्रार० बी० जी० नायर ने नागालैण्ड सरकार के मूबिज्ञान एवं खनन विभाग से प्रतिनियुक्ति से परावर्तन पर नारोगि नवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 10-9-1980 (पूर्वाह्न) से ग्रहण कर लिया है।

> बी० एस० कृष्णास्वामी, महानिदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक 1980

सं० 4 (67)/80-एस०-1—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० एस० शिव प्रगाद को ब्राकाशवाणी विगाखापटनम में 19-9-1980 से श्रगले ब्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ब्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1980

स्व 10/3/80-एपव नोत—महानिदेशक, श्राकाणवाणी श्राप्त प्राचित्र गिष्ठ इंगोनियरो सहायक, श्राकाणवाणी का श्राह ग्राणों के पहापह अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्न करते हैं और उन्हें 24 सितस्वर के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेग होते तह उच्च शक्ति प्रेषित, श्राकाशवाणी किंग्जवे, दिल्ली में तैनात करते हैं।

सं० 10/10/80-एस० तोन--महानिदेशक, श्राकाणवाणी प्राह्म का तालातिक को टाउइंगोनियरो सहायक श्राकाणवाणी का प्राह्मशाणी के पहायक श्रीभयंता के संवर्ग में स्थानापस रूप से पदोक्षत करते हैं और उन्हें 8-10-80 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक श्राकाणवाणी भोषास में तैनात करते हैं।

सं० 10/13/80-एस० तीन—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री के०एम० सोमनाथ, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाशवाणी को श्राकाशवाणी के सहायक श्रभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं श्रीर उन्हें 27 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से अगले श्रादेश होने तक दूरदर्शन प्रक्षेपण केन्द्र, पुणे में तैनात करते हैं।

दिनांक 24नवम्बर 1980

मं० 10/19/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री टो० श्रार० राभा, वरिष्ठ इंजीनियरी महायक, आकाशवाणी को श्राकाशवाणी के सहायक श्रीभयंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोक्षत करते हैं श्रीर उन्हें 4-10-80 पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक श्राकाशवाणी, गोहाटी में तैनात करते हैं।

मं० 4(22)80-एस०/I—महानिदंशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वाराश्री शंकर प्रशाद की श्राकाणवाणी पटना में 25-8-80 स श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1980

सं० ए 12025/28/78 (स० द० अ०)/प्रशासन-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री कैलाश चन्द्र निगम को 3 श्रक्तूबर, 1980 के पूर्वाह्म में ग्रागामी श्रादेशों तक सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट के पद पर अस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं ० ए 12026/6/80-प्रणासन-1—राष्ट्रपति ने डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली की उपचर्या प्रधीक्षक (जिन्हों निर्मि नुर्गारिन्देन्डेन्ट) मित जे० हैंदरप्रलों को 21 सितम्बर, 1980 पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक उसी ग्रस्पताल में निर्मिग लुपरिटेन्डेन्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

संवर् 19020/7/78 (प्रार्व्हावसीव) प्रशासन-1--- क्षेत्रीय निदेश का कार्यालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भोगाल में राज्य गलस्वयक (स्टेट कामाडिनेटर) (नेल विज्ञान) के पर पर प्रानी नियुक्ति हो जाने के फनस्वस्य श्री एसवपीव मिश्र में 30 सिनम्बर, 1980 के अपराह्म से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नक्काक, नई दिल्ली में वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए 19020/12/78 (स० ज० अ०)/प्रशासन----अपना त्यागपत्न दे देने के फलस्वरूप श्री सत्येन्द्र कुमार ने 8 श्रक्तूबर, 1980 के अभराह्म से सकदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली से स्पीच थेरापिस्ट के पद कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 6 तबम्बर 1980

सं० ए 35021/2/80 (ब्रार० एव० टी० सी०) प्रणासन 1—स्वास्थ्य सेवा मङ्गिदेशक ने वाणिज्य मंत्रालय के काडर में केन्द्रीय सिववालय सेवा के सहायक श्री सतीश चन्द्र शर्मा को 16 श्रक्तूबर, 1930 पूर्वीह्न से आगामी आदेशों तक ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजकगढ़, नई दिल्ली में प्रशासिक प्रक्षिक शिक्षक पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रणासन

ग्रामीण पुनर्तिमणि मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 17 नवस्वर 1980

सं० ए-19025/62/80-प्रज-II[—-मंत्र लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के ध्रनुपार श्री मुक्कामाला रत्नाकर को विषणन एवं निरोक्षण निदेशालय के प्रधीन बम्बई में नारोख 2-10-80 (पूर्वाह्म) से ध्रमले आदिश होने तक स्थानापन रूप में सहायक विषणन घ्रधिकारी (वर्ग-III) निथ्वन किया गया है।

> बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रन्संधानणाला

पुणे-411024, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० 602/32/80-प्रणासन—-विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'खी') से की गई सिफारिण पर निदेशक, केन्द्रीय जल ग्रौर

बिद्धा प्रशु (प्रत्न गांता, पृथे एतप्द्धाराक्षो एस० जो० चाफलकर की उद्धान प्रमुवंजान प्रक्षितारों (इंजोनियरी) के पद पर केन्द्रीय ज्ञत और जिद्धान अनुसंधानगाला में स्थानापन्न रूप से स्थानों पद गर वेनापान रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 16 अन्तुवर 1930 अ पूर्वाह्म से निवुक्ति करते हैं।

भोगुर० त्रा० नाफनकर को तहायक स्नतुनंबात स्रधिकारी (इंतर्गारारो) कार कि तिए केन्द्राय जनस्रीर विद्युतस्त्रनुसंबान-नाना में दिशाण 16-10-1980 से का नान का परिकाक्षावधि होगों।

> एम० स्त्रार० गिउवानी, प्रशासन अधिकारी कृते निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋप स्रोर भण्डार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 17 नवम्बर 1980

मं० 23/4/79-ईस्ट--निदेगक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जी विभाग, श्रो बी० बूधिलगम को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इप निदेशालय के क्रय सहायक श्री परेलकर अस्वनोकुनार सबुसूत्रत को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय प्रक्षितारा पद पर रुपण 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनकम में दिनांक 8-9-1980 से 5-11-1980 (प्रपराह्म) तक तदर्थ रूप से इपी निरंगानय में नियुक्त करते हैं।

बी० पी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक प्रधिकारी

महानिदेशक नागर विसानन का कायलिय नहीदिल्लो, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० ए-32014/1/79-ई० ए.५०—महानिदेशक, नागर विभानन ने श्रो डो० एन० मुबंली, भंडार सहायक को दिनांक 1 नवम्बर, 1980 पूर्विद्ध में 6 माह को श्रवधि के लिए नियंद्धक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डियो, नेताजोनगर, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर भंडार अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए-32016/6/30-ई० एम०--महानिदेशक नागर विमानन नेश्री जे० बो० साहा, अबीक्षक को दिनांक 22 सितम्बर, 1980 पूर्वात् से 45 दिन को अबिध के लिए क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्राम एयरपोर्ट, मद्राम के कप्यलिय में तदर्ष आधार पर प्रगासन अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं० ए०-32013/2/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, ग्रहमदाबाद के श्री एच० एस० बाजवा, सहायक तकनीकी ग्रधिकारी के दिनांक 29-9-1980 (पूर्वाह) से 30-9-80 तक की ग्रवधि के लिए तदर्थ ग्राध र पर तव नं की ग्रिधकारी के ग्रेड में निय्वत विया है ग्रीर उन्हें दैम निव संचार स्टेशन, जयपुर में तैनात किया है।

ग्रार० एन० दास, सहायक निदेशक नागर प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1980

सं०ए० 19011/114/80-ई० ए०---मुख्यालय में कार्यरतः श्री एल० पी० ग्ररोड़ा, वरिष्ठ विमान निरीक्षक का दिनांक 26 सितम्बर, 1980 को निधन हो गया है।

दिनांक 22 ग्रवतूबर 1980

सं० ए० 32013/14/80-ई०-I—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० डब्ल्यू० एच० जाफरी को 4 अक्तूबर, 1980 से और अन्य आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन-मान में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष सामान्य केन्द्रिय सेवा समूह "ख" राजपित पद पर नियमित आधार पर नियुद्ध दि र है।

चितरंजन कुमार बत्स विशेष कार्य ग्रधिकारी (जांच)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1980

सं० 1/62/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशका एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न अधीक्षक, श्री टी० ए० हैडमास्टर को तदर्थ आधार पर 3 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थाना-पन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/126/80-स्था०—िविदेश संचार सेवा के मृहा-निदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के श्री ग्रार० वृष्णमृति, पर्य-वेक्षक को 13-10-80 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक मद्र स शाखा में स्थानापन्न रूप से उपप्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> ्एच० एल० मलहोता उप निदेशक, (प्रशा०) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाह्तिलय इन्दौर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० 20/80—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह 'ख' के पद पर पदोन्नित पर निम्नलिखित निरीक्षको केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (च० श्रें०) ने उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथियों को अधीक्षन, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ऋम सं०	श्रधिकारं∷का नाम		तैताते∶ स्थान	कार्यभार ग्रहण करने कः तिथि	
1	2		3	4	
सर्वेश्री					
	के० संः० विषार्ठः ग्रार० बेः० सक्तेना	•	श्रधीक्षङ रेंड-II सागर अर्ध क्षक रेंज-I	16-10-80 (अपराह्न) 31-11-80	
		•	जबलपुर	(पूर्वाह्न)	
3.	टी० एन० पराते	•	ग्रधेक्षक (लेखा पर∂क्षा) मुख्या० इन्दौर ।	27-10- 8 0 (पूर्वाह्न)	
4.	एस० ग्रार० देवधर	٠	ग्रधीक्षकः⁼ (तकनीकः) मुख्या० इन्दौर	27-10-80 (पूर्वाह्न)	
			एस	० के० धर,	

समाहर्ता शालय

निरं:क्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय सीमा एवं केन्द्रं य उत्पादन शुरुः नई दिल्लं:, दिनांक 18 नवम्बर 1980

सं० 31/80—श्री के० वी० बुन्ही हुण्णत, मूल्य निर्धारक (मद्रास सीमा शुल्य सदन) ने, केन्द्रीय उत्पादन शुल्य एवं सीमा शुल्य बोर्ड के दिनांक 25-10-80 के श्रादेश सं० ए-12034/6/80-प्रजा०-II(ए) (II) द्वारा स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं लेखा पराक्षा निदेशालय, सीमा शुल्य एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्य नई दिल्ला के मुख्यालय में दिनां पाठ १०-80 (पूर्विह्न) से निरक्षण ग्रिधकारी ग्रुप 'ख' के पद ना कार्यभार सम्भाल लिया है।

के० जे० रामन, निदेशक, निरःक्षण

केन्द्रीय जन आयाग

नई दिल्ली; दिनांका 15 नवम्बर 1980

सं० ए-32014/1/80-प्रशा० पांच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग एतद्द्वारा निम्नलिखित ग्रधिकारियों को स्थानापन्न रूप में श्रितिरिकत सहायक निदेशक/महायक इंज नियर (इंज नियर) के ग्रेड में पूर्णत्या श्रस्थायः तथा तदर्थ शाधार पर रू 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 के वेतनमान में 6 यह ने कः भवधि के लिए श्रयवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भा पहले हो, उनके नामों के सामने दंगई तारी खों से नियुक्त रूपने हैं:—

क्रम अधिकार/का नाम तथा	ग्रतिरिस्त महायक		
सं० पदनाम	निदेशक्/सहायक इंज		
	नियर के रूप में		
	कार्यभार ग्रह्ण करने		
	क≀ तारे‴ा		
सर्वर्श्न:			
1. योगेन्द्र सिंह, श्रभिकल्प			
महायक	30 -9-8 0 (पूर्वाह्न)		
2. एस० डो० खन्नी, पर्यवेक्षक	21-10-80 (पूर्वाह्न)		
 बाल कृष्ण, पर्यवेक्षक . 	16-10-80 (पूर्वाह्न)		
4. राजेश्वर् प्रसाद, पर्यवेक्षक	21-10-80 (पूर्वाह्न)		
 पसुपति दास, पर्यवेक्षक . 	27-10-80 (पूर्वाह्म)		
6. श्रार० सं∂० मल्होत्ना, पर्यं-			
वेक्षक .	25-9-80 (पूर्वाह्न)		
 ग्रार० के० पाल, पर्यवेक्षक 	10-10-80 (पूर्वाह्न)		
 एस० एल० केवलरमार्नाः, 			
पर्यवेक्षक	31-10-80 (पूर्वाह्न)		
 कीर्ति पील देसाई, प्रभिक्ष्य 			
सहायक	4-11-80 (पूर्वाह्न)		

कें एन भग्डुला, अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

31-10-80 (पूर्वाह्न)

केनीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1980

10. एस० डो० गुप्ता, पर्यवेक्षक

सं० 16-102/80-ई०-ई०-सव थ गुरदेव सिंह श्रीर डो० एन० उपाध्याय को कमशः दिनांक 1-8-1972 तथा 1-3-1980 से केन्द्रीय भूमिजल बीर्ड में ड्रिलर (बेध र) के स्थाया पद पर वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 में नियुका जिया जाता है ।

सं० 16-114/80 ई०-ई०---श्री जे० श्रार० एल० गुप्ता को दिनांक 18-9-1980 से केन्द्रीय भूनिजल बोर्ड में सहायक ग्रिभयन्ता के स्थायी पद पर वेतनमान २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० गो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

> एच० एम० कौल मुख्य श्रभियन्ता (सी० सी०)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स महालक्ष्मी लवु उद्योग प्राह्विट लिमिटेड के विषय में। जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं क्षां खियकी / 1084 / 10/340 - कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैतर्स महालक्ष्मी लघु उद्योग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पती अधितियम, 1956 और मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पती प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/5951—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पनी प्र ईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और मैसर्स किसान मैन्था डिस्टीनरीज प्राईवेट लिभिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी / 1607 / 10428 — कम्पनी श्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैं मर्स किसान मन्था डिस्टीलरीज प्राईवेट लिस्टिड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रौर उवत कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स मेटा क्राफ्टम इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जयपुर, दिनां र 21 नवम्बर 1980

सं आंखियकी/1610/10439—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैं पर्म मेटा ऋपटस इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

जी० सी० गुप्ता कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर बरेली बैंग्क लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० 12107/571-एल० सी०—कम्पनी ग्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि बरेली बैंक लिमिटेड के नाम १ ज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> स्रो० पी० चडढा रजिस्ट्रार स्राफ कम्पनीज य० पी०, कानपूर

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैसूर श्रगरो कैमिकल्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

सं० 2942/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रधसान पर मैसूर ग्रगरो कै मिकल्स नम्पनी प्राकृषिट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत नारण दिखत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार मैसूर, बंगलूर कार्यालय म्नायकर म्नायुक्त दिल्ली-5 नईदिल्ली,दिनांक 23 मक्तूबर 1980

ग्रायकर

सं० सी० म्राई० टी०-5/जुरि०/80-81/26094—म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (1) म्रांर (2) द्वारा प्रदत्त सिक्तियों का प्रयोग उरते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई म्रिधिमूचना में म्रांशिक पन्टिर्तन करते हुए म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेण देते हैं कि भ्रायकर म्रिधिकारी, डिस्ड्रिक्ट 11(4) नई दिल्ली का म्रायकर म्रिधिकारी डिस्ट्रिक्ट 11(5) नई दिल्ली के गाय उनके द्वारा निर्धारित/ निर्धारण योग्य व्यवितयों/मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती म्रिधिकार क्षेत्र में होगा किन्तु इनमें धारा 127 के म्रान्तर्गत सौपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले मामल नहीं होगे।

कार्यनिष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दित्ली-5, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए निर्देशीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 5ए, नई दिल्ली को प्राधिष्टत करते हैं।

यह श्रधिसूचना 16/10/1980 से प्रभावी होगी ।

सं० जुरि-दिल्ली/5/80-81/2629---श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43यां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वाराप्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्राय सभी अदित्यों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्राय्यतः विवर्ग निर्देश सें कि दिनांक 5-8-80 की श्रिधमूचनः सं० सी० श्राई० टी०-5 जुरि/80-81/12699 को दिनांक 16-10-1980 से निरस्त समझा जाए।

श्चार० डी० सक्सेना श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० ठाने/मई 80/490—यतः मुझे ए० सी० चंद्रा भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनन ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सञ्जन प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 63/1, 53/2 टिका नं० 5, प्लाट नं० 2 है तथा जो ठाने सिटी जि० ठाने में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबंधक ठाने में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त सिक्षितियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-घ की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :→

(1) श्री चंद्रकान्त शांताराम खारकर, 5, सरोज श्रपार्टमेंट, दूसरी मंजिल, घंटाली, ठाने।

(म्रन्तरक)

(2) डा॰ ए॰ एस॰ चिटनीस ग्रौर श्री एस॰ ग्रार॰ चिटनिस, खारकर ग्रली, ठाने।

(भ्रन्तरिती)

- (3) (1) श्री पी० बी० चिटनिस, ग्राउंड फ्लोर
 - (2) श्री विजय कारखानीस ग्राउंड फ्लोर
 - (3) डा॰ (मिसेज) ए॰ एस॰ चिटनिस भौर श्री एस॰ भ्रार॰ चिटनिस फर्स्ट भौर सेकेंड प्लोर (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनयम के प्रक्र्याय 20-क में परिकाधित है, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

बिल्डिंग जो सी० टी० एस० नं० 63/1, 63/2 टिका नं० 5 प्लाट नं० 2 ठाने सिटी, जि० ठाने में स्थित है। जिसका क्षेत्र 183.95 स्के० मी० है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख क० 315 जो 15-5-80 को दुय्यम निबंधक ठाने, जि० ठाने के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 11-11-1980

प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बम्बई/मई 80/491—यतः मुझे ए० सी० चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्ति जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रु० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं नं 154 (पार्ट) स० नं 414 (पार्ट), हिस्सा नं 1 है तथा जो माजिवडे गांव, जि० ठाने में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-5-1980

को प्रवंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निमानिक्त उद्देश्य ने उका अन्तरण निक्वित में वास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उपने बचने में पुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--

- (1) मैसर्स कृष्णा सिलिकेट भौर ग्लास वर्क्स लि०, राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स कृष्णा ग्लास प्राइवेट लि०, 23 युसुफ बिल्डिंग, वीर नारीमन रोड, बम्बई-400023। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरों के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रीर उसके ऊपर की बिल्डिंग, शेड श्रीर फक्टरी जो माजिबड़े गांव में, ता० ग्रीर जिला ठाने, स० नं० 154 (पार्ट) ग्रीर 414 (पार्ट) हिस्सा नं० एक, में स्थित है। जिसका क्षेत्र 2800 वर्ग गज याने 2341-16 वर्ग मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि सं० 1383 जो 6-5-80 को दुय्पम निबंधक बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> ए० सी० **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 20-11-1980

ै प्रकप साई ॰ टी ॰ एन ॰ एस •----

ृआयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ए 5/एस० आर० करवीर/जुलाई, 80/492—यतः मुझे ए० सी० चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके निम्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाबार मूख्य 25,000/- रू० से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० सि० एस० नं० 416 ए, बी-वार्ड है तथा जो करवीर ता० जिला कोल्हापुर में स्थित है (अौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक करवीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्ति ति को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके यूश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से डुई किसी श्राय की बावत, उक्त श्रिध-नियम के श्रशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किनी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की द्वारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अदिनियम की द्वारा 269-घ की उपद्यारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) (1) श्री विष्यंभर हरिहर पंजिस या पंजित महाराज
 - (2) श्री रामचन्द्र हरिहर पंडित या राम महाराज 93/3 एरंडवणा, पुने-4 (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री ग्रशोक कुमार बभूतमल ग्रोसवाल 526-सी, कोल्हापुर।
 - (2) श्री विजय कुमार जवानमल श्रोसवाल, 206-सी, भेंडे गल्ली, कोल्ह्**गपुर।** (श्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री विश्वंभर हरिहर पंडित 3/2 हिस्सा
 - (2) श्री रामचंद्र हरिहर पंडित 1/4 हिस्सा। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोगमें सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्व्योक्त सम्पत्ति के झर्जन के खिए कार्यकाहिया करता हैं।

जनत नम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाझीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-तियस के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो सि० स० नं० 416 ए, बी वार्ड ता० करबीर जिला कोल्हापुर में स्थित है। जिसका क्षेत्र 336.2 वर्ग मीटर है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र॰ 2262 जो जुलाई, 1980 की दुय्यम निबंधक करवीर के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना।

तारीख: 21-11-1980

प्ररूप आई • टी० एन० एस •-----

भायकर क्षिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ध (1) के प्रजीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर शायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंड-II, वम्बई

बम्बर्स, दिनांक 23 अन्तूबर 1980

निर्देश सं० ए० फ्रार०-11/2959-10/मार्च 80— श्रतः मुझे, ए० एच० तेजाले

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि न्यायर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- क्यये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन० ए० नं० 46 सी० टी० एस० नं० 178 सं० 190 एन० ए० नं० 52 सी० टी० एस० नं० 197, 198 श्रीर 199 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुश्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकार। के कार्यालय बान्द्रा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख 24-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि नयापूर्वोदन नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यकान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिश्वत से प्रधिक है और प्रत्यक (प्रत्यक्तें) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त प्रधिनियम, के श्रशीन कर देने के धन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 1)) या उवत अधिनियम या धन-कर सीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः धन, उनत आधानयन की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विश्व नूतन भड़।

(श्रन्तरक)

- (2) रिअबी इस्टेंट्स एन्ड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)
- (3) टेनेन्टस्

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, स्थावहरूसक सरी के पास निखित में किये जा सक्तें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्राधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. ाही अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिशा गया है।

श्रनुसूची

प्रमुसूची जैसा कि विलेख नं० 1307/79 **बम्बई जाइंट** उपरजिस्ट्रार बान्द्रा बम्बई श्रधिकारों द्वारा दिनांक 24-3-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजैन रेंज-II, बम्बई

नारोख: 23-10-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० ए० ग्रार०-II/2960-11/मार्च 80—— अतः मुझे, ए० एच० तेजाले,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० एस० नं० 283 हि० नं० 10 सा० टा० एस० नं० बो०/1020 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकार, के कार्यालय, बोन्द्रा में रजिस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख 24-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्रामती ग्लोश होव डिवेन्हा ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रामती मोना प्रकृतर राझवा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) देनेन्टस्

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति **के धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इतर्मे प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त भिधितियम के भव्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्रतुसूचा जैना कि विलेख नं० 725/1979 **बम्बई** जांइन्ट उपरजिस्ट्रार बांद्रा बम्बई ग्रधिकारी द्वारा दिनांक 24-3-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० **तेजा**ले, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, **बम्बई**

नारीब: 23-10-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर ब्राजिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० अ।र०-II/ए० पं:0-352/80-81---अतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 2.69-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिनको सं० एस० नं० 1000 (ग्रंश) प्लाट नं० 832, 833 न्यू० सा० एम० नं० 877, 877/1 से 17 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 27-3-80 की पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृहय से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृहय, उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे धृश्यमान प्रतिकल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रस्तरक (प्रश्तरकों) भीर प्रस्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिव , उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त-'बरु कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय का बाबर जन्न अधि-नियम के पधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उनमः बचने में सुविधा क छित्; और/या
- (ख) ऐसो किसी ग्राय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना**र्य ग**न्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए;

अतः बन, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--

(1) श्रीमती सोनबाई एस० परमार

(**अ**न्त**र**क)

(2) श्रोमतो इन्दुमतो मनसुखलाल दोशी

(भ्रन्तरितो)

- 1. नवोनचन्द्र प्रेमजो मोहिल
 - 2. चंद्रकांत गोपाल

- 3. बाब्लाल वेलोई
- 4. कल्वाणजी शामजी
- 5. हिराचंद आध्वजि
- शांतोलाल नारानजो
- 7. धनजं भेलाभाई
- 8. लालाधर लालजा
- 9. मोहनलाल राघवजो सानेटा
- 10. हिरालास जसचाज शाहा
- 11. दिनेशचन्द्र प्रगणलाल
- 12. देवशंकर के॰ जोशा
- 13. उधवजा क्रासनदास
- 14. जमनादास मर्जन कटारिया
- 15. मंजुलाबाई शंकरलाल
- 16 राघवजा हाराचंद
- 17. दलपतराम काणीराम पांड्या

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में

सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधीप !--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीबा से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मुचन। की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रस्रोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रस्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रहसाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रनुसूचः जैसा कि विलेख सं० एस० 2159/78 अस्बर्ध उपरजिस्ट्रार अधिकारा द्वारा दिनांक 27-3-1980 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-III; बम्बर्ध ।

तारीख: 11-11-1980

प्रस्प भार्दः टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० आर०-I/4379.5/मार्च, 1980—श्रत: मुझे सुधाकर वर्मा।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जिन्न के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन. निम्निसिक्त व्यक्तियों अधितः—

- (1) 1. श्री भगवान दास सेवाराम रहेजा
 - 2. श्रीमतः कमला बिहार लाल रहेजा
 - 3. श्रा विजयकुमार भगवानदास रहेजा
 - 4. कुमारं। शोभा चत्रभूजः बधवा
 - श्रामती माविली पुरुषोत्तम बजाज मैसर्स विजय रहेजा ऐन्ड क्रं० के पार्टनर

(अन्तरक)

- (2) यल किरण को० श्रा० हाऊ० सो० लिमिटेड (श्रन्सरिती)
- (3) 1. श्री राजन रहेजा
 - 2. श्रीमती रमादेवा सबराः
 - श्री दीपक रहेका
 - ा श्री के० सी० भवनानी
 - 5. श्रो पो० एन० उमरागर
 - श्रीमती बंद० पद० उमरागर
 - 7. श्री बाली एम० गिडवानी
 - डा० पंति एल० तिवारः
 - 9. श्रं विण्वनाथ हिरेमथ
 - 10. श्रा एन० एल० सामथ/सा० एल० सामथ
 - 11. श्री पी० के० बस्
 - 12. श्रामता प्रवान ए० लिलामेयाला
 - 13. श्रा जां० एल० सामथ
 - 14. श्री बी० एल० सामध
 - 15. श्रामता टा० पा० बरचा
 - 16. कु० एफ० पं.० बरुम्रा
 - 17. उर् ० वा० सं० वरुशा
 - 18. श्री एस० के० बलेचा श्रीर श्री सी० के० बलेचा
 - 19. श्रीमती सुंदरी बी० लुल्ला
 - 20. कु० पूनम बी० भाटिया
 - 21. श्री सूरेन्द्रपाल एच० सचदेव
 - 22. श्री ग्रनिल हरीराम सहानी
 - 23. श्री फकीरचंद तेजपाल
 - 24. श्री जी० एम० गिडवानी
 - 25. श्री कनीलाल मूलचंद
 - 26. श्रीमती देवी बी० लुंगानी
 - 27. श्री राजकुमार मेहरा
 - 28. श्री श्रशोक के० भवनानी स्रौर श्रीमती रंजना के० भवनानी
 - 29. श्री हिरानंद चंदुमल श्रौर श्रीमती पूष्पा हिरानंद
 - 30. श्री फेशन्द ग्रशर
 - 31. श्री चुनीलाल श्रार० तलरेजा
 - 32. श्री देवरामचंद जसुजा
 - 33. श्री किशीन डि जेसवानी
 - 34. मैंसर्स पेरीज बिग्ररिंग लि॰
 - 35. श्री जी० एम० राजाध्यक्ष
 - 36. श्री टी० डी० सोनेजी श्रौर श्री डी० जी० सीनेजी

- 37. श्री सुंदर एल० अडवानी
- 38 श्रोमती पार्वती जैं राजानी
- 39. श्री के० डी० जेसवानी
- 40. श्री वसुमल जी० रहेजा
- 41. श्रीमती उमिला सैल श्रीर श्री सी० एम० गोयल
- 42. श्रीमती हिक एस० अडवानी
- 43 श्री राजेन्द्र नाथ कूमार
- 44 श्री लचमनदास कलवानी
- 45. श्री द्वारकादास पोपली श्रौर श्रीमती कैमल कान्ता पोपली
- 46 श्री वसंत डि गाडगील
- 47. श्रीमती सीता पंजाबी
- 48 श्रीमती सीता बी० भोजवानी
- 49. श्रोमती कमला एच० लुड ग्रौर श्रो प्रेम जै चैनानी और ग्रन्य
- 50. श्रीमती रतम कें नागरानी
- 51. श्रीमती कुंज सी० िक पलानी श्रीर श्रीमती मोहिनी सी० हरजानी
- 52 श्री गोवरधनदास गाविदराम
- 53 श्री मशी कुमार डिपोपील
- 54 मिसेज एम० कोरेरा
- 55 श्री बहाद्रर्रिह तेजासिंग लामा
- 56 श्रीमती लिलाबाई जी० माचंदानी
- 57. श्रीमती एस० जी० इरानी
- 58 श्रीमती लिलाबाई जी० माचंदानी
- 59. श्रीमती शांता श्रार० नागरानी श्रौर श्रीमती शोभा श्रार० नागरानी
- 60. श्री एन० बी० रुपानी डि॰ बी० रुपानी श्रीर श्रार० बी० रुपानी
- 61. श्री गंगुमल माधवदास
- 62, श्री एम० एम० गुप्ता
- 63. श्री मंगतराय बी० सोनी
- 64. श्रीमती देलफीन में डोका
- 65. श्री लक्ष्मण टी० सबचंदानी
- 66. श्रीमती बेदिया गमिल
- 67. श्री पेसुमल ग्रार० दासवानी
- 68. श्री श्रर्जुनदास पी० पंजाबी
- 69 श्री श्यामसुंदर जी० पंजाबी
- 70. कु० बिन्द्रा गंबर्स
- 71. श्री मिथ्य सदारंगानी
- 72. श्री चतुर्भुज जी० लुल्ला ग्रौर श्री स्थमलाल एम० सचदेव
- 73. श्रीमती बी० जरानी मदनलाल पोली
- 74. श्री बहादुर धार० दस्तुर
- 75. श्री क्यामसंदर ए० सहानी
- 76. श्री हरीकृष्णा ए० सहानी
- 77. श्री सी० बी० बधवा
- 78. मिस शोभा सी० बधवा

- 79. श्रोमती मिनाबाय वी० बजाज
- 80 श्री राजन ग्रीर विजय रहेजा
- 81. मैसर्स तोलानी बोस

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्पस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्ची

श्रनुजुनी जैसा कि विलेख सं० बम्बई/2107/72 बम्बई उपरजिस्ट्रार प्रधिकारी द्वारा दिनांक 10-3-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-11-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०⊸⊸

भायकर प्रधिनियम, 1961: (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० ग्रार०-I/4382-8/मार्च 80--- ग्रतः मुझे,

मुधाकर वर्मा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 5 श्रीर 8 एस० नं० 2/656, 656 (श्रंण) मलबार श्रीर कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो ताडदेव में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के

कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 24-3-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उकत प्रन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ ∮की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थोत्:—-

- (1) श्री होरमसजी नवरोजग कान्द्राक्टर, रतनशां नवरोजी कान्द्राक्टर, रतनबाई नवरोजी कान्द्राक्टर (श्रन्तरक)
- (2) बोलटन को०-म्रा० हाऊसिंग सोसायटी लि० (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्गत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रवें होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विश्लेख नं० बम्बई/75/80 बम्बई उपरजिस्ट्रार ग्रिधकारी द्वारा दिनांक 24-3-1980 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिका री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख: 11-11-1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस०— आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्रण)

म्पर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० ग्रार०-I/4380-6/मार्च 80—-ग्रतः मझे, संधाकर वर्मा

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1537 गिरगांव डिवीजन है तथा जो गीरगांव डिव्हीजन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त ग्रिविनियम को घारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त ग्रिविनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नविज्ञित म्यक्तियों. प्रयोदः -- (1) डा० इक्राहिम एम० रावजी, श्री महमद भाई ग्रलीभाई कानजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार एस० श्रगरवाल

(म्रन्तरिती)

(3) किरायेदार

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

धनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई/1319/77 वंबई उपरजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 10-3-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विकास भवन आई पी स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1I/एस० श्रार०-I/ 3-80/6308—अ्त्रतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1/31 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख

को पूर्वाक्त सम्मित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृहा था किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारण (ग) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रूप चन्द गुप्ता बेटा परमानन्द अग्रवाल 1/31, रूप नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मान्ती देवी पत्नी मनफूल सिंह, डी०-12, कमला नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री मनफूल सिंह, हनूमान मन्दिर, शान्ति नगर, दिल्ली

> (वस व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हूं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाशीप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त विधितियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

धनुसूची

उत्तरी हिस्सा जो कि प्रोपर्टी नं० 1/31 जिसका क्षेत्रफल 104.7 वर्ग गज है, रूप नगर में स्थित है व निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुन्ना है:

उसर : रास्ता 15 फीट

दक्षिण : बाकी भूमि प्लाट नं० 1/31

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : प्लाट नं० 1/32

श्रीमती बलजीत मटियानी सक्कम प्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 11-11-1980

प्रकप भाई# टी# एवं+ एस०---

असमकर भविभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयसर माधुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रैंज-II, एच ब्लाक विकास भवन आई-पी स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

16) के अधीन तारिका 26-3-1980
को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पण्यह प्रतिमत से मिश्रक है भीर
अन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उनत श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, दलतः मर्गधनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा की 269-घ की खपधारा (1) के अवस्ति निम्नुलिखिक म्यम्बित्यमें, अमृतः—

- (1) 1. पवन कुमार
 - 2. सतीम कुमार
 - 3. सुधीर कुमार
 - 4. विरेन्द्र कुमार
 - 5. भ्रनिल कुमार
 - 6. सुनील फुमार
 - 7. ग्ररूण कुमार

- 8. कौमल्या देवी
- श्रशोक कुमार
- 10 विजय कुमार
- 11. सुरिन्द्र कुमार
- 12. दीपक कुमार
- 13. नरेन्द्र कुमार
- 14. राज कुमार
- 15. राकेश कुमार
- 16. सुरेश कुमार
- 17. दिनेश कुमार

निवासी रोशन महल मोहस्ला सपटुवालान पानीपत जिला करनाल (हरियाणा)। (श्रन्सरक)

(2) मैसर्स एसोसिएटेड एजेन्सी दुकान नं० 8, दीपक महल बिस्डिंग, भगीरय पैलेस, चांदनी चौक, दिल्ली द्वारा श्री जोगिष्र कुमार जैन बेटा मुन्शी लाल जैन, निवासी नं० 6, पार्क एरियां, करौस बाग, नई दिल्ली। (श्रग्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रिधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ब्रह्माय में विया गया है।

प्रमुस्बी

एक दुकान नं० 8 जो कि प्रोपर्टी नं० 1555 से 1558; दीयक महल बिल्डिंग, भगीरय कलोनी में स्थित है और निम्नलिखित प्रकार से घिरी हुई है:---

उत्तर : साँझी दीवार दुकान नं० 8 व प्रेम बिल्डिंग दक्षिण : साँझी वीवार दुकान नं० 8 व दुकान नं०

पूर्व : खाली जगह व दुकान का गेट पश्चिम : सौझी दीवार दुकान नं० 8 व दुकान नं० 1

> श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी-सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप भाई० टी • एन • एस •----

भावकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जून रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन आई पी स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/
3-80/6277—अतः मुझे बलजीत भटियानी
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से प्रधिक है.

प्रौर जिसकी सं० ए० 2/33 है, तथा जो रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त प्रक्षिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः धर, उन्त धर्षिनियम की धारा 269-म के बसुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) श्रीमती कौशल्या बन्ती, पत्नी श्री हरिदित्त सिंह निवासी ए०-2/33, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जनक राज खन्ना, बेटा बी० सी० खन्ना, 16/114, गीता कलौनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को य**ह सूच**नाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का; बो उक्त प्रविनियम के अध्याय 20न में परिभाषित हैं, नहीं अर्थे होगा को एस पश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए०-2/33, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली/नईदिल्ली

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप भाइं. टी. एनं एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विकास भवन आई-पी स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस० ग्रार०II/ 3-80/3248—ग्रतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 23 बीगास 9 विसवाद, खेतीबाड़ी भूमि है तथा जो गांव कमालपुर, भजरा बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वाणित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-मू के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात्:--

- (1) श्री नानक चन्द बेटा चन्द्रमल ग्रीर हरीभूषण बेटा नानक चन्द, गांव बुरारी, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जसवन्त सिंह, भगवन्त सिंह ग्रीर विजय सिंह बेटे लेख राज, मकान नं० 100, गांव ढाका, किन्जवे कैम्प, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो हकत ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खेती बाड़ी भूमि 23 बीघा श्रौर 9 बिसवाय खसरा नं 0.16/1, 1.6/2, 1.6/3, 1.6/4 जो कि गांव कमालपुर भजरा बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 11-11-1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंच-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1980

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० काटिज न० 6 है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-श के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्याँ अर्थात्:— (1) श्री एन० के० मचान, सुपुत्र डी० एन० मदान, 48/3, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, सी० ए० श्रीसत सरूप महन्त

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीन्द्र पाल सिंह श्रानन्द, सत्यपाल सिंह श्रानन्द, जितन्द्र पाल सिंह श्रानन्द श्रीर श्रजीत सिंह ग्रानन्द एफ-8, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

को बहु सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्तरा;
- (क) इस सूचना के राषपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्रोग जो उस अध्याय में विया वया हैं।

धनुसू**ची**

काटेज नं० 6 जो कि वेस्ट पटेल नगर में 350 वर्ग गज में स्थित है।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-11-1980

प्रकृप माई• टी॰ एन• एस•———— आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, धिनांक 15 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-II/
3-80/3474—-प्रतः मुझे, बलजीत मिटयानी
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृह्य 25,000/रुपये से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० घ्लाट नं० जे०-3/27 है तथा जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियौं को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, का धनकर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविघा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम भी धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्तिलिखित ध्यक्तियों, अर्थात !--4---366GI/80

- (1) श्रीमती सान्ती देवी मलहोक्षा पत्नी गुलजारी साल, जे-2/5, गोबिन्द क्षलोनी, राजपुरा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एच० एल० सेठी, बेटा राम लाल सेठी जे-3/27, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मैनेजर बोर्ड सैन्ट्रल डिपार्टमेंट, पंजाब नेशनल बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मज़न के सम्बन्ध म कोई भी घासोप:-

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्र किसी ग्रन्थ अपनित द्वारा, ग्रमोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

ग्रन्**स**ची

एक मंजिल मकान, जो कि प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० जे-3, राजौरी गार्डन, गांव ततार पुर में स्थित हैं निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :--

उत्तर : मकान प्लाट नं० जे०-3/26 पर

दक्षिण : रास्ता पूर्व : सर्विस गली पश्चिम : सर्विस गली/रोड

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख: 15-11-1980

प्रकप थाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, एव ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1980 निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-]/ 380/6377—न्य्रतः मुझे, बलजीत मटियानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 16 है तथा जो ग्रलीपुर रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-3-1980

को पूर्वाक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के अधीनः निम्निसिस्ति व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी, ए-16, ग्रीन पार्क, उषा नरायण पत्नी राज नरायण ए-17, ग्रीन पार्क, राजेश्वर प्रसाद बेटा सूरज प्रसाद, ए-5, हौज खास, विनय प्रकाण बेटा राज नरायण, ए-16, ग्रीन पार्क, महेण चन्द्र ए-5, हौज खास ग्रौर दूसरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राज कुमार जैन, बेटा इन्द्र सेन जैन श्रौर श्रीमती सरोज बाला जैन पत्नी इन्द्र सैन जैन, 3625 नेताजी सुभाष मार्ग, दरिधागंज, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक भूमि का दुकड़ा जो कि 16 म्नलीपुर रोड पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 11427 वर्ग गज है। निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है:—

पूर्व : ग्रालीपुर रोड द्वारा

पश्चिम : 6 ग्रन्डर हिल भूमि ग्रार्ट 2 अन्डर हिल

(ग्रैंड होटल)

उत्तर : श्रन्डर हिल रोड द्वारा दक्षिण ं : 14 श्रलीपूर रोड

> श्रीमती बलजीत मदियानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-]I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायुकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नधम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-I/ 3-80/6363-- श्रतः मुझे बलजीत मदियानी **कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसर्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-

ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6 है तथा जो दीपक महल बिल्डिंग, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण संहुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः अब, अक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, धक्स प्रधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) 1. पवन कुमार
 - 2. सतीश कुमार
 - 3. सुधीर कुमार
 - 4. विरेन्द्र कुमार
 - 5. ग्रनिल कुमार
 - सुनील कुमार

- 7. श्ररुण कुमार
- 8. श्रीमती कौशल्या देवी,
- 9. ग्रशोक कुमार
- 10 विनय कुमार
- 11. सुरिन्द्र कुमार
- 12. दीपक कुमार
- 13. सुरेण कुमार
- 14. राकेश कुमार
- 15. दिनेश कुमार

निवासी रोगन महल मोहल्ला, सपतुवालान, पानी-पत, जिला करनाल, हरियाणा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश चन्द्र सम्भरवाल, बेटा सोहन लाल सम्भरवाल, निवासी डी-1/13-ए, कृष्णा नगर दिल्ली-51।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो धक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टगाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

एक दुकान नं० 6, जो कि प्रोपर्टी नं० 1555 से 1558 से है व दीयक महल बिल्डिंग, भगीरथ कलोनी, चांदनी चौक में स्थित है। निम्नलिखित प्रकार से घिरी हुई है:--

: साझी दीवार दुकान नं० 3 व दुकान नं० 7

: साझी दीवार दुकान नं० 6 ग्रांर दुकान दक्षिण

नं० 5

:खाली जगह व दुकान का गेट।

पश्चिम : साझी दीबार दुकान नं० 6 व दूकान

नं० 31

श्रीमती बलजीत मदियानी सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन रें**ज- ,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 17-11-1980

प्रकथ धाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, दिरुली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्ष्यू०/11/एस० ग्रार०-1/ 38/6340--- ग्रतः मुझे बलजीत मटियानी **मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की मारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका **उवित बाजार मू**ल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 5/36 है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका छन्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत मधिक है घोर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया 🖁 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविद्या के लिए, और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अश्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ**क्त प्रधिनियम**, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रवादः--

(1) श्रीं स्रोम प्रकाश बेटा ग्रत्तर चन्द, ई-30, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली घोर सूरज प्रकाश बेटा धत्तर चन्द, 6837, म्रहाता कदारा, बारा हिन्दू राव, दिरली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री ललित कुमार हांडा, बेटा चूनी लाल हांडा, 3-ए/78, डब्द्धयू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीमर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पटीऋरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अवधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल एरिया प्रोपर्टी नं० 5/36, नजफगढ़, नई दिल्ली।

> श्रीमती बलजीत मटियानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 17-11-2980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 सितम्बर, 1980

निदेण सं० 24/मार्च/80—स्त्रतः मुझे ग्रो० ग्रानन्द्राम धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्त जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है और जिसकी सं० 159/ए-(ग्रार० एस० नं० 596) कन्याकुमारी गांव है, जो श्रगस्टीस्वरम तालुक कन्या-कुनःरी जिना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नागरकोयिल (डाक० नं० 1002/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धारतरित की गई है धीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) थीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भीध-नियम के ग्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भृतुक सरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत !--- (1) श्री (1) जी० ए० श्रीनिवासन श्रौर (2) कुमारी मौनर शियामा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेलामुदम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तरसंबंधी ध्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1002/80 एस० ग्रार० श्रो० नागरकोयिल निर्माण भूमि सर्वे नं० 159-ए-1 (ग्रार० एस० नं० 596), 2 एकड़, 40 सटवस, कन्याकुमारी गांव, ग्रगस्टीस्वरम तालुक, कन्याकुमारी जिला।

> ग्रो० ग्रानन्द्राम सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 1-9-1980

मोहर ।

प्ररूप माई० टी० एन०एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० 101/मार्च/80--यतः मुझे, ग्रो० ग्रानन्द्राम आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 19, 20 ग्रौर 21 फिलटर बेड रोड है, जो वेलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन्न ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० भार०-11, वेलूर (डाकुमेंट नं० 1042/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित म वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (म) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रघिनियम, की घारा 269-म के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- (1) श्री सी० शांतिलाल, मैनर पी० शंकर (ग्रन्तरक)
- (2) वैगांडियन श्रौर पिताजी पी० नागलिंग नाडार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1042/80 जे० एस० भ्रार०-II वेलूर । भूमि भ्रोर निर्माण डोर नं० 19, 20, 21 फिलटर वेड रोड, वेलूर।

> स्रो० झानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, मद्रास ।

नारीखा: 3-9-1980

प्रकप भाई+ डी+ एन+ एस+---

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, श्रहामक आयक्तर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० 39/मार्च/80--यतः मुझे टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नरसिंहन

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्भित्त, जिसका छित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 35 मालये मार स्ट्रीट है, जो मद्रास-। में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सीकापरत, मद्रास (डाकु० नं० 135/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकाल घष्टिक है और धन्तरक (धन्तरकों) गौर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नसिक्षित उद्देश्य से अक्त धन्तरण निकाल में वाक्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत सकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या घन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अब, धक्त समिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त समिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती टी० ग्रार० राजलक्ष्मी

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री प्रेमचंद जैन, (2) श्रीमती प्रैम बै,
 (3) श्रीमती मुणोला मेता, (4) श्रीमती रतन कवर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंश्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शन्दों भौर पदों का, जो उक्त धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

्र डाक्नुमेंट नं० 135/80 एस० म्रार० ग्रो० सौकारपट, नद्रास।

भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 35, मलयपेरूमाल स्ट्रीट, मद्रास-1।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-10-1980

प्ररूप माई⊕ टी•एन• एस•—— आयकर विवित्यम; 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-गृ, मद्रास
मद्रास, दिनांक 27 श्रक्तुश्वर 1980

निदेश सं० 86/मार्च/80--यतः मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नर्रासहन श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का43) (जिसे इसमें

आयकर पाधानयम, 1981 (1981 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000√- व० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० नया डोर नं० 75, नेरमैया रोड है, जो बेपेरी, मद्रास-7 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकू० नं० 1252/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रग्तिरिती (प्रश्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) मद्रासा-इ-बकीमालरा सलिमत ग्ररिबक कालेज, सेक्रेटरी एस० एम० ग्रब्बुल जमाल

(भ्रन्तरक)

(2) (1) ए० नसीन बानु, (2) ए० णमीम बानु, (3) के० इकबाल श्रहमद, (4) ए० इम्तियाज श्रहसद, (5) जनाब के० हाजी इमादुद्दीन साहिब (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1252/80-जे० एस० म्रार० मद्रास, नार्थ भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 75 जेरमैया रोड, वेपेरी, मद्रास-7।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 27-10-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अक्तूबर, 1980

निदेश सं 10/मार्च/80---यतः मुझे, टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नरसिंहन आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए मे ग्रधिक है म्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 1959, डोर नं० 2, 3, 4 ग्रौर 5 मैन रोड, पेरियकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियकुलम (डाकु० नं० 278/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ग्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौतः— 5—366GI/80 श्री रेव० डी० ग्रारोिकयम प्रकुरेटर जेसुट मदुरै प्राविश डिडिंगल

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) के० एस० नटराजन
 - (2) एन० राजामनी
 - (3) के० जयरामन
 - (4) एम० वैयापुरी पिल्लै
 - (5) पी० एस० रामकृष्णन
 - (6) म्रार० शंकर
 - (7) एम० कृष्णकुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो खक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 278/80 एस० म्रार० भ्रो० पेरियकुलम भूमि 11.04 एकड़—टी० एस० नं० 1959 भूमि भ्रौर निर्माण—डोर नं० 2, 3, 4 भ्रौर 5° मैंन रोड, पेरियकुलम

टी० ई० एस० घार० लक्ष्मी नरसिंह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 28-10-1980

मोहर

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

म्प्रर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास दिनांक 30 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० 19/मार्च/80--यतः मुझे टी० ई० एस० स्रार० लक्ष्मी नर्रासम्हन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5 ए पी० टी० राजन रोड है जो बी० कुलम, मंदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्री० तल्लाकुलम मंदुरें (डाकु० नं० 1332/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लिक्त व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री सी० एस० सी० श्रलगप्पा चेट्टियार नं० 41, पेरूमल कोईल सन्नाथी स्ट्रीट मदुरै (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस० चंद्रमोहन पुत्र श्री एन० सुब्बुराज नादर, नं० 20, प्रथम लाईन वीच रोड, नागपटनम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लाशील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं 1332/80 एस० म्रार० म्रो० तल्लाकुलम महूरै। भूमि म्रौर निर्माण डोर नं० 5-ए, पी० टी० राजन रोड, बी० बी० कुलम, मदुरै।

> टी० ई० एस० ग्रार. लक्ष्मी नरसिम्हन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-1; मद्रास

तारीख: 30-10-1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस•

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय् लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1/मार्चं/80—यतः, मुझे टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नर्रीसम्हन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सी० नं० 121 (नया) डोर न० 5/227 वेल्लागोन्ड पालयम है, जो कसबा धरमपुरि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धरमपुरी (डाकु० नं० 689/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखत में धास्तिज रूप से किथत कहाँ किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः—

- (1) (1) श्री एस० सुन्नामनियम
 - (2) श्री एस० कादिरवेल
 - (3) मैनर एस० कुमुदा
 - (4) मैनर एस० बाराती
 - (5) मैनर एस० शिवकुमार
 - (6) मैनर एस० कार्तिकेयन

(7) मैनर एस० बेट्रीवेल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० मुख्यप्त पुत्त श्री एस० नेचिअप्पा चेट्टियार, नं०—142, बाजार स्ट्रीट धर्मपुरी-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्मप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

डाकुमेंट नं० 689/80 एस० श्चार० श्चो० धरमपुरी भूमि श्चौर इमारत एस० सी० नं० 121, डोर नं० 5/227, बेल्लागोन्डपालयम, कसबा, धरमपुरी।

टी॰ ई॰ एस॰ आर॰ लक्ष्मी नर्रासम्हन सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास-600006।

तारीख: 3-11-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर काभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायां लिय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश सं० 56/मार्च/80--यतः मुझे टी० ई० एस० भ्रार० लक्ष्मी नरसिम्हन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10 है तथा जो श्रीपूरम तिरुनेलवेली-1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) और रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-III, तिरुनेलवेली (डाक्टू० नं० 542/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) (1) ए० के० लक्ष्मीनारायणन नं० 15/91, भावेशवर विजय को आप० सोसायटी, लि०, वडाला, बम्बई-31।
 - (2) श्रीमती कांतीमती श्रीनिवासन

(3) श्री एस० वेंकटरामन

(4) एस० पद्ममानाभन

(5) श्रीमती सुधा वेनुगोपाल नं० 112, कामराज ऐवेन्यू, मद्रास ।

(2) श्री वी० शंकर नारायनन, पुत्र श्री एल० वेनकु अय्यर नं० 39, वेटंकाटेसन स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुधी

डाकुमेंट नं ० 542/80 जे ० एम० घ्रार० ओ०-III तिस्तेलवेली । भृमि तथा ईमारत जो कि श्रोपुरम तिस्तेलवेली में वरवाजा नं ० 10 पर है ।

> टी ० ई ० एम ० श्रार ० लक्ष्मी नरसिम्हन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्राम

तारीख: 3-11-1980

प्ररूप धाई• टी• एन• एस• ----

भायकर धिमनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

289-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 22/मार्ज/80~श्रतः, मुझे, टें ० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे समें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 299-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसका सं० स० नं० 6177/6 & 6271 कोतनत्त्र है, जो बेल मले में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रेक्त अधिकारी के कायिलय, जे० एस० आर० नागरकोइल डाक० न० 1104/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 1908 का 16) के अधान ताराख मार्च, 1980

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-कल के लिए मन्तितर की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गितशत मधिक है छोर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उप पाया गका जिक्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के मधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः मन, उन्त यधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अविनियम, की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) (1) ज्ञान्टर हेनरा डमटरोम मसोयादास
 - (2) श्रोमतो ग्रगनस मोमस
 - (3) श्री जे० टो० पो० मसियादास
 - (4) श्रोमता पलोरेंस बालसिंग
 - (5) श्रोमती डोरिस लमेक

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो श्रन्नम्मा तामस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप !--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अठगय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1104/80 जे० एस० घ्रार० नागरकोइल एस्टेट भूमि सर्वे नं० 6177/6-5 एकड़ 26 सेंट्स एस्टेट भूमि सर्वे नं० 6271-3 एकड़ 90 सेंट्स कोतनस्लूर (बेलीमलैं)।

टी॰ ई॰ एस॰ भ्रार॰ लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 3-11-1980

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 23/मार्च/80---यतः मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 62, 72 ए और 62-73 कोतनल्लूर (वेलीमलें) है, जो मद्रास में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्नों में प्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० नागरकोइल (डाक० नं० 1105/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पावा गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुत्रिका के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थानः--

- (1) (1) डाक्टर हेरी डमटरीस मसीयादास
 - (2) श्रीमती एगन्स मोसस
 - (3) श्री जें टी पी मिसयादास
 - (4) श्रीमती फ्लोरेंस बालासिंग
 - (5) श्रीमती डोरिस लेमक

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मरियम्मा स्रजाहम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकागे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1105/80 जे० एस० म्रार० नागरकोइल एस्टेट भूमि स० नं० 6272-ए--10 एकड़ 72 सेंट्स एस्टेट भूमि स० नं० 6273--3 एकड़ 90 सेंट्स कोतनल्लू (बेलीमले)।

> टि॰ ई॰ एस॰ आर॰ लक्ष्मी नरसिंहन्स् सक्षम प्राधिकार्र सक्षम प्राधिकार्र सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास।

तारीख: 3-11-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्वास, दिनांक 4 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 46/मार्च/80— यतः मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नर्रीसहन

भायक र भिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भिन्नियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के भिन्नी सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 57 बी (नया नं० 45) पुल्ला रेडी एवेन्यू, ऐनामनगर, मद्रास-30 है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पेरिमपट, मद्रास (डाकु० नं० 332/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिषिनियम, या घनकर मिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विमा के लिए;

ग्रतः भव, उस्त ग्रंबिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रंबिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती चेच्बाल पतामपुरा बागिवी श्रम्माल (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती एस० म्रलगम्मै
 - (2) श्री एस० पेरिम करुपन
 - (3) श्री एस० कुमरप्पन

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ~-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रष्ठयाय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 332/80 एस० ग्रार० श्रो० पेरिमपेट, मद्रास।

भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० (पुराना) 57-बी (नया नं० 45) पुल्ला रेडी एवेन्यू, ऐनामनगर, मद्रास-30।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नर्रासहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 4-11-1980

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० ए स०→----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निदेश सं० 23/ग्रप्रैल/80——यतः मुझे टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नरसिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3 है, जो देवराज मुदुली स्ट्रीट पार्क टाउन, मद्रास-3 है, जो मद्रास 3 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-I मद्रास नार्थ (डाकु० नं० 1559/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख ग्राप्रैल, 1980 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उनित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उपत श्रिष्ठितियम, 1961 के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० नरामंदास

(भ्रन्तरक)

(2) (1) एस० ग्रार० ग्रब्बुधकर

- (2) श्रीमती बी० नफीण बीबी
- (3) एस० ए० आयीशा बीबी
- (4) एस० श्राम० जैनाब नाधी
- (5) एस० स्नाम० मोहम्मद मरियम

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

मनुसुची

डाकुमेंट नं० 1559/80 जे० एस० श्रार०-I मद्रास नार्थ

भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 3, देवराज मुदुली स्ट्रीट, पार्कटाउन, मद्रास-3।

टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नर्रासहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 76/मार्च/80---यतः मुझे टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16-ए, जटामुनी कोईल स्ट्रीट, है जो मदुरें में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०- मदुरें (डाक० नं० 1239/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में 'कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :—— 6—366GI/80

- (1) (1) पी. मुहगेसम
 - (2) पी० सुद्रामनियम
 - (3) पी० मारिसन
 - (4) मैंनर एम० इलंगो
 - (5) एम. गनेसन
 - (6) एम. शंमुगम

(मन्तरक)

(2) श्री ए० मोहम्मद शैंरीफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1239/80 जे० एस० आर० II मदुरै। भित भ्रीर निर्माग-डोर नं० 16-ए, जडामुनि कोइस स्ट्रीट, सदुरै-I।

टी० ६० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास-1।

न(रीख: 15-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ब्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

मद्रास. दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 77/मार्च/80—यतः मुझे टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है और जिपकी सं० 16-ए है जो जडामुनी कोयिल स्ट्रीट, मदुरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, जे० ए.प० ग्रार०- मदुरे (डाक० नं० 1232/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का खिवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिणत से अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीव ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रति-फल निम्ननिश्चित उद्देश्य मे उक्ष्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से किथा नहीं किथा गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अग्य आस्तियों का शिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब. एक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

- (1) (1) पी० मुरुगेसन
 - (2) पी० सुवामनियम
 - (3) पी० मारिंमन
 - (4) मैनर एम० इलगो
 - (5) एम० गनेसन
 - (6) एम० शंमुरम

(ग्रन्तरक)

(2) ए० मोहम्मद शेरिद्ध

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशेतरण :--इमर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंद्र नं० 1232/80 जे० एस० श्रार०-II मदुरै भूमि ग्रोर निर्माण डोर नं० 16ए, जडामुनि कोइल स्ट्रीट, मदुरै।

> टी० ई० एम० म्रार० लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 15-11-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निवेश सं० 8948—यतः मुझे राधा बालकृष्त आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

प्रोर जिसकी सं० पनरुही है, जो मद्रास में स्थित हैं (भ्रौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कठमबुस्तियूर (डाबुमेंट सं० 375/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 कय 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980 को को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (श्रन्तरकों) श्रोर अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रव, उक्त श्रिवितयम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की घारा 269-ष की उपघारा (1) के श्रीधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, श्रीत:— (1) श्री विकटर ग्रोलन फरनांडेस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ठीनठयारवेल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपढ़ में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिश्विनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

भूमि श्रौर निर्माण, पनस्ट्टी । (डाकुमेंट सं० 375/80)।

> राधा बालकृष्ण मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 15-11-1980

मोहरः

प्रकप बाई • री • एन • एन • ---

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घडीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० 8956—यतः मुझे राधा बालकृष्त आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात् 'उकत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क् से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 4559, 4560, 4561 है, जो मझारघुठी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, मझारघुठी (डाकुमेंट सं० 374/80) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर पन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य धास्तिमों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नश: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिखनियम की धारा 269-च की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंचीत :---

- (1) हाजी मोहम्मद ग्रब्दल कादर
- (अन्तरक)
- (2) शेख ठावृद श्रीर श्रदर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति बारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० सं० 4559, 4560, 4561, मन्नारषुठी। (डाकुमेंट सं० 374/80)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 15-11-1980

प्रारूप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰——— प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 8969—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मर्वे सं 60/2 बी है, जो (शिष्ट्वोत्नियूर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तिरुवोदियूर (डाक्सेंट सं 661/80) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में शस्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त मिविनयम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भव, उनत मिश्रिनियम की धारा 269-य के सनुस्ररण में, में, उनत मिश्रिनियम की धारा 269-न की उनधारा (1) के अधीन निकासिकत व्यक्तियों, अर्थात् ।— (1) नव भारत इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज

(ग्रन्तरक)

(2) निद्राज इंजीनियरिंग कम्पनी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजयत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, बही घर्ष होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सर्वे नं० 60/2-बी०-2, थिरवोत्नियूर हैं रोड, भद्रास। (डाक्मट सं० 661/80)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

ता**रीख**: 14-11-1980

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 15204—यतः मुझे राधा बालकृष्त जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 36 है, जो कार स्ट्रीट, मद्रास-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (इक्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (इक्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (इक्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः जभा, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) की बी॰ राजामनी स्यम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णास्वामी नाठार

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा 'लक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्जी

भूमि भ्रौर निर्माण सं० 36, कार स्ट्रीट, मद्रास-5। (डाकुमेंट सं० 1122/80)।

> राधा बालक्रघ्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- I, मब्रास

तारीख: 14-11-1980

प्रारूप आई• टी• एन० एस•-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की बारा

289-अ (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर, 1980

निदेण सं० 15207--यतः, मुझे राधा बालकृष्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु• से भिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 191 है, जो रायपेट्टा है, रोष्ठ मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मैंलापुर (डाकुमेंट सं० 505/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पति के खिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्नरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाप मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और झन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--~ (1) श्री रहमत उन्नीसा

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी समबन्दम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधास तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पच्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त सब्दों भीर पहाँ का, जी छक्त भिधिनियम के ग्रध्याय 20% में परिभाषित है, बही भयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 191, रायपेट्टा है रोड, मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 505/80)।

> राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-11, मद्रास

नारीख: 13-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वामचिसवस

(ग्रन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० पशुपति

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश मं० 15209—-यतः मुझे, राधा बालकृष्टन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी मं० 7 है, जो नारटान स्ट्रीट, मद्रास-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकुमेंट सं० 427/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980 को भूवोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उभित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः स्रवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-व के अनुसरणः में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियाँ मर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 7, नारटान स्ट्रीट, मद्रास-28। (डाकुमेंट सं० 427/80)।

राधा बालकृष्ण, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-11-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 15210---यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक ह⁴

श्रीर जिसकी सं० है, जो पिरितवी एवेन्यू, मद्रास-18 में स्थित है (स्रोर इसने उपाद्य अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट सं० 426/80) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वो कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मीद्र/मा
- (ब) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269- व को उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिसित व्यक्तियों अर्थातः ---7---366 GI/80

(1) श्री पी० ग्रार० श्रीनिवास

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री पी० ग्रार० शनमहन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लागीत 🕟 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु", वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

भूमि श्रीर निर्माण-पिरितवी एवेन्य मद्रास-18। (डाकुमट सं० 426/80)।

> राधा बालकृष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 15211—यतः मुझे, राधा बालकृष्न, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक है।

25,0007 रेड से नायक है।
श्रीर जिसकी सं० 17 है, जो पहली स्ट्रीट, अबिरामपुरम
मद्रास-18 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय
मैंलापुर (डाकुमेंट सं० 425/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत भिषक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री टी० रामसन्नमनियन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० परववरितनी भ्रौर भ्रदर्स (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

मन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण—सं० 17, पहली स्ट्रीट ग्रबिरामपुरस, मद्रास-18।

(डाकुमेंट सं० 425/80)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-11**-**1980

प्ररूप आई • टी • एन • एम •----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1980

निदेश मं० 15216---यतः, मुझे, राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उदत भक्षिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 54 है, जो श्रहनडिल नगर, मद्रास 96 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय, सैदापेट (डाकुमेंट सं० 757/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सेकम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए।

अतः अन, उनत प्रक्रिनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यनितर्यों, अर्थाण्:— (1) श्रो के० ग्रार० मेनन ग्रीर रुक्मणी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० बी० रंगाराव

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मना द होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा मर्केंगे।

स्वव्हीकरण: च्यासमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

श्रनुसुची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 54, ग्रहनडिल नगर, मद्रास-96। (डाकुमेंट सं० 757/80।)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख**: 30-10-1980

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 15217--यतः मुझे राधा बालकृष्न

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 8205/12 है, जो मद्रास में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 391/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार इल्या, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त रिनियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) कुमारी स्वर्त कुमारी

(ध्रन्तरक)

(2) श्री पी० कल्याणसुन्दरम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत च्यक्तियों में से किशी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया हैं।

अन्स्ची:

भूमि श्रौर निर्माण-टी० एस० 8205/12, मद्रास। (डाकुमेंट सं० 391/80)।

> र: बालकुष्न सा प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास।

नारी**ख**: 14-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 10728—–यतः मुझे राधा वालकृष्न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ह^{ै,}

ग्रौर जिसकी सं० 3 डी ग्रौर 3 डी-1 है, जो कन्दस्वामी चेट्टियार स्ट्रीट, तिरुप्पूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय तिरुपूर (अक्रमेंट सं० 40/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्टेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिएब में कमी करने या उससे बचने में ध्रविधा के लिए ; पौर/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या क्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1)के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातु:---

(1) श्री एन० रामस्त्रामी ग्रीर अदर्ग

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वालमुद्रामनियन

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण--- 3 डी, 3 डी-1, कन्दस्यामी चेट्टियार स्ट्रीट, तिरुप्पूर। (डाकुमेंट सं० 40/80)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 14-11-1980

मोहरः

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 30 श्रक्तूबर 1980

निदेण सं० 10730—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं, स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 6/27 हैं, जो सौरिपालयम कोयम्बट्टूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टूर (डाकुमेंट सं० 1477/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980

करं पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिखित व्यक्तियों सुधृति;—

(1) श्री बी० सी० वेंकटाचलम।

(अन्तरक)

(2) श्री सेलवराज ग्रीर राजेन्द्रन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अत्सर्ची

भूमि श्रौर निर्माण 6/27, सौरिपालयम कोयम्बट्टूर। (डाक्मेंट सं० 1477/80)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास

तारीख: 30-10-1980

प्रकप भाई • टी ० एन • एस • -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-गा. मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 भ्रक्तूबर 1980

निदेश सं० 10733—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं है, जो बिलिचि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पी० पालयम (डाकुमेंट सं० 586/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से ग्रिधक है ग्रौर अन्तरित (अन्तरित) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्य से उक्त श्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --- (1) श्री श्रार० रामचन्द्रन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० रामकुट्टी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आबोप।--

- (क) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति दारा, प्रकोहस्ताकरी के पास किसिन्न में किए जा सकेंगे।

राज्योक्षरचा - इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के भव्याय 20 क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण बिलिचि। (डाकुमेंट सं० 586/80)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-10-1980

प्रकार श्राई० टो० एन०एस० ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, मद्रास

मद्राम दिनांक 31 दिसम्बर, 1980

निर्देश मं० 10735—यतः मुझे राधा बालकृष्टन आग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 11/25 है, जो मेनगुप्ता रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबह श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1851/80) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री एन० चिन्नास्वामी नायडु

(अन्तरक)

(2) श्री के० धनलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्प्रात्त के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

वनुस्वी

भूमि भ्रौर निर्माण 11/25, सेनगुप्ता स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1851/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-10-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

आयकर **विभिन्यम, 1961 (1961** का 43) की **बारा** 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ्रभ्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्तूबर, 1980

निदेश सं० 10741—श्रतः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-इ० से अधिक है

भीर जिसको सं० है, जो माखिनायखनपट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोल्लाध्ची (डाकु-मेंट सं० 649/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्घ, 1980 को

पृवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तिरक (अन्तरकों) भीर प्रम्तिरिती (प्रम्तिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अण्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्सरक के बाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सब, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों. अधीत :—— 8—366GI/80

- (1) श्री सुन्नमिय श्रम्यर और डी॰ सकरन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सुन्दरराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस सुवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति शारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि माखिनायखनपट्टी, पोल्लाच्ची। (डाकुमेंट सं० 649/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-10-1980

प्रकृप आई• टी• एन• एस•-----

काश्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के धाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ाा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1980

मिदेश सं० 10747--यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृत्य 25,000/-रुपये **ग्रौर** जिसकी सं० टी० एस० सं० 6/1377 है, जो रेस कोर्स, पुलियकुलम, कोयम्बट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र डाक्सेंट सं० 1537/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई। है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का धिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **ब्**रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अप्तरण से हुई किसी आय की बन्धत समत आधि-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रथान :---

- (1) श्रो रानी लक्ष्मी मिल्स।
- (भ्रन्तरक)

(अन्तरिती)

(2) जी० के० स्टील इन्डस्ट्रीज।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के आर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को लारीख रू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य क्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि रेस कोर्स, पुलियकुलम, कोयम्बटूर। (डाकुमेंट सं॰ 1537/80)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-11-1980

मोहरः

प्ररूप बाई० टी० एन०एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की बारा

289-म (1) के सबीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1980

निदेश सं० 10764—यतः, मुझे, राधा बालकुष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृरिची है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1900/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिवत बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रकारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से मिंछक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कितिवियों उद्देश्य से उक्त प्रकारण जिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्षिया के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-व के धनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) भी नीलामबाल ग्रीर घदर्स

(प्रस्तरम)

(2) श्रीमती ग्रो॰ जगन्नाथन ग्रौर श्रदर्स (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भवंत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप:---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दित की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, वो भी धविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तादीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहम्ताक्षरी के नाम जिल्कित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इमर्से प्रयुक्त सन्दों भीर पक्षों का, जो खकत भिव्यत्म के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस भवनाय में दिशः गया है।

शनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 1/231 बी, कुरिचि, कोयम्बट्र। (डाकुमेंट सं० 1900/80।)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 31-10-1980

प्ररूप बाहै टी एनु एस.-

आंयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निवेण सं० 8949—यतः, मुझे, राघा बालकृष्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक हैं और जिसकी सं० 12 हैं, जो लक्ष्मीनारायनपुरम, कुमबकोनम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम (डाकुमेंट सं० 323/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) डा॰ भार॰ नरसिम्हाचारी।

(मन्तरक)

(2) श्री पी॰ आर॰ बरदराजुलु राजा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण, 12, लक्ष्मीनारायनपुरम, न्यू स्ट्रीट, कश्चकोनम (डाकुमेंट सं० 323/80)

राधा बालक्रुष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-धा, मद्रास

तारीख: 11-11-1980

मोहरः

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मिन्नी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० 15203—यतः, मुझे, राधा बालकृष्म, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 51, III मेन रोड है, जो मद्रास-28 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 592/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० नागराजन ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती ई० मीनाक्षीसुन्दरम ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 51, III, मेन रोड, मद्रास-28 (डाकुमेंट सं० 592/80)।

राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष**(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश मं० 10757—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से घ्रिक है

श्रौर जिसकी सं० 78 ए, सेनगुप्ता स्ट्रीट है, जो कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 1647/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के श्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खकत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— (1) श्रो स्नार० गोनिन्द राब

(भन्तरक)

(2) डा० के० ए० राजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रना व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्वड्टीकरण: ---इसमें त्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्व होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 78 ए, मेनगुप्ता स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1647/80) ।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-11-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीत कुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर, 1980

निदेण सं० 10760—यतः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर सिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिविषयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रग्रहारसामकुलम है, जो पेरियनायखन-पालयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरियनायखनपालयम (डाकुमेंट सं० 495/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्मित्त के उक्त बाजार मूल्य से कम के तृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उक्ति बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्ति से अधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविक्त उद्देश्य से उक्त भन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से किया वया है।

- (क) भन्तरण सं तुई किसी भाग की बाबत, उपत मिलियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वाधिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धौश/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या सन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त सिधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नींसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री ए० रामचन्द्रन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० तिरुमलैस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे ।

स्पडिंदिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत भिन्नियम के प्रध्याय 20-क में परिशावित हैं। वही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रग्रहारसामकुलम । (डाकुमेंट सं० 495/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 20-11-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० 10760—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रमहारसामकुलम है, जो पेरियनायक्रनपालयम में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पेरियनायक्रनपालयम (डाकुमेंट नं० 600/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरित (अन्तरकों) और ग्रन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री के० तुरयन भ्रौर महेश्वरी

(भ्रन्तरक)

(2) ए० रामचन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रीधनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रग्रहारसामकुलम । (डाकुमेंट मं० 600/80) ।

> राधा बालकृष्म सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 20-11-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० 10768---यसः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो वेल्लकी विल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानघेयम (डाकुमेंट सं० 494/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर पन्तरक (प्रस्तरको) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है।---

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धर्धिनियम के धर्धीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: थीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया ज्ञाना चाहिए जा, फिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, चक्त अधिनियम की बारा 289-म के बनुसरण में, में, उस्त धिवनिवम की वारा 269-व की उपवारा (1)

अद्योन निम्नक्षिकित व्यक्तियों, अर्कात् ।---

(1) श्री चिदम्बरम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० चेनियप्पा घोंडर

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या शरसभ्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की मक्बि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी करो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकरी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🌡 ।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण ग्रौर मशीनरी (हाफ शेयर) वेल्ल्ल-कोविल।

(डाकुमेंट सं० 494/80)

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-11-1980

मोहर:

9-366GI/80

प्ररूप आई० टी॰ एस॰ एस॰----

(1) श्री ग्रानन्दकुष्न राव

(ग्रन्तरक)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) श्री पी० वी० नारायनस्वामी

(भ्रन्तिरती)

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेण सं० 8960—यतः मुझे, राधा बालकृष्न कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 47, है, जो चौथी स्ट्रीट, श्रिन्डावन पांडिचेरी-11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 380/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक इस्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात−– को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 47, चौथी स्ट्रीट, वृन्डाबन, पांडिचेरी।

(डाकुमेंट सं० 380/80)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्र्यांन रेंज-II, सद्रास ।

तारीख: 20-11-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० 10788---यतः मुझे, राधा बालकृष्न आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो कनखमपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, उठुमलुपेठ (डाकु-मेंट सं० 45/80-7 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिधिनियम, या घन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियमें अर्थातः-- (1) श्री एम० चित्रास्वामी नायडु

(भ्रम्तरक)

(2) श्री कोनगरार स्पिन्नरस

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण कनखमपालयम, उठुमलुपेट। (डाकुमेंट सं० 485/80)।

> राधा वालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास

तारीख: 20-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1765—-श्रत: मुझे, विजय माथुर

म्रामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो अनूप नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 26-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः सन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निकांखत व्यक्तियों, प्रयांत्:---

- (1) श्री मैंसर रंगनाथन पिता स्वर्गीय विश्वेश्वर ग्रइया (श्री एम० बी० रंगनाथ), 34 हाउसिंग सोसायटी, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नवरतनमल पिता स्वर्गीय श्री राधाकृष्णन मुंदड़ा, 27-28, मोनोरमागंज, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 113-114 जो कि अनूप नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। प्लाट का क्षेत्रफल 6039 वर्गफुट है एवं सदर प्लाट पर 2 मंजिला बंगला 1920 वर्गफुट बना हुम्रा है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भोपाल

तारीखा: 12-11-1980

प्ररूप साई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश मं० ग्राई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल-80-81/ 1766——ग्रतः मृझे विजय माथुर

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से ग्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सीता बाग कालीनी इन्दौर में स्थित है (श्रॉर इसमें उपाबद अनुमूबें है श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्ञस्ट्रायनी अधिकारः के वार्यालय, इन्दौर में रिज्ञस्ट्रायण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन तारीख 11-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धनित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से धक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः; भ्रवं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत:—-

- (1) (1) श्रा भागदेव राव पिता श्री मार्तण्ड राव भागवत ।
 - (2) श्रांमता कुमुदनी पत्नी भीगदेव राव भागवत 25 सीता बाग कालीनी, इन्दौर । (श्रन्तरक)
- (2) मै० संगम श्रयार्टमेंट्स, 135 देवा श्रहिल्या मार्ग, इन्दौर द्वारा पार्टनर्स :---
 - (1) श्यामभुन्दर पिता भिशन
 - (2) सतीय चन्द्र
 - (3) रवान्द्र कुमार पिता प्रथाम मृत्यर
 - (4) নন্दলাল,
 - (5) गनेण कुमार पिता रशम चन्द

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की स्वत्रिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों घ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान एवं प्लाट नं० 24 जो कि सोता बाग कालोनी इन्दौर में स्थित है।

> विजय मायुर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-11-1980

प्रकथ धाई। टी। एन। एस।---

भागकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- इपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो साकेत नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूर्विधा के निए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण म, में, उन्त घिष्टियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो विमल चन्द पिता श्री गनेशी लाल, 28 तिलक पथ, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती राजलक्ष्मी द्वारा श्री बद्री चन्द जैन, 147 कंचन बाग, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी पासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

म्रनुसूची

प्लाट नं० 274 पर बना हुन्ना मकान जो कि साकेत नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर मक्षम प्राधिकारी सड़ायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

नारीख: 12-11-1980

प्ररूप माई• टी• एन० एस०-

आयकर बिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल इस्टर्स

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1768—श्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ष्पये से ग्रीक्षक है

ष्रीर जिमकी सं० मकान है, तथा जो विवेनो कालोना, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुवा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिकात भाधक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) स्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिलियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के निए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः— (1) श्रा धामा राम पिता श्रो मूराजी, 21 तेली मारवल, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रो परमानन्द पिता श्री राधा किणन दास, 87, विवेनो कालोनो, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस भूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न के प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत श्रिधिनयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गथा है।

जनुसूची

एक मंजिली मकान नं० 87 जो कि विवेनी कालोनी इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, भोपाल

तारीख: 12-11-1980

प्ररूप आई• टी॰ एन• एस•----

ग्रायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1769—ग्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान है, तथा जो 12 लाजपत कुंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 31-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत श्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) उनत भ्रिधि-नियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत '--- (1) श्राः खुणीराम पिता हारानन्द कन्द्रक्टर, निवासी कटनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो साबनदास पिता देव राम, भारत मेडिकल स्टोर्स, जबलपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 12 पर लाजपत क्रुन्ज, नेपियर टाउन **वार्ड**, जबलपुर में स्थित है।

> विजय माथुर मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज, भोषाल

तारीख: 12-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सः०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1770--श्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है और जिसका संव मकान का भाग है, तथा जो णाहजहानाबाद भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख 31-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिकत प्रधिक है और भन्तरिक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक कि खित में बास्तिक क्रिया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाका चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अविनियम की घारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) के स्धीन निम्निखित क्यक्तियों, अथौतः—

10--366GI/80

- (1) श्रा कल्बाणधारा उर्फ कल्यानमल पिता श्री रामचन्द लालवाना, 37, सिन्धी कालीनी, भीपाता।
- (2) श्री दयाराम पिता श्रम हारानन्दर्जा, 154 न्यू सिन्धी कालोनी, भोपाल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना गारी अपके पूर्वीक्त समाति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयक के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया हैं।

ननुसूची

दो मंजिला सकान नं० 76 का पश्चिमं। भाग जो कि शाहजहानाबाद रेजिमेन्ट रोड, भोपाल में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो निरीक्षी महायक श्रीयकर श्रायुक्त श्रुजैंस रेंज, भोपाल

नारीखा: 12-11-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-म (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

> > भौपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देण सं० ग्राई० ए० सं२०/ग्रर्जन/भोपाल/ 80-81/ 1771---श्रतः मुझे विजय साथुर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

स्रीर जिसकः सं० मकान का भाग है, तथा जो णाहजहाना-बाद भोषाल में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण भव के विणित है), रिकरद्रीवर्ता श्रधिकारी के कायलिय, भोषाल में रिकरद्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-3-1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिकत ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निस्तृत में बास्तविक कप से अधित नहीं क्रिया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या बससे बचने में सुविधा के जिए ग्रीक्/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भारितकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत खिनियम, या सन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय यया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भव, उनत भिवित्यम की धारा 269-ग के भनुसरण म, में, उनत सिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निष्मिचित स्यक्तियों, भवीत:——

- (1) श्रीं कल्याण दास उर्फ कल्याण मल पिता श्रा रामचन्द लालवाना, 37, सिन्धा कालोना, भोपाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्रां होरानन्द जा पिता कोदामल जा 154 न्यू सिन्धों कालोनों, भोपाल।

(श्रन्तरित्रे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब क किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 76 का पूर्वी भाग जो कि णाहजहानाबाद रेजिमेन्ट रोड, भोपाल में स्थित है।

> विजय माथुर मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 12-11-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) ने प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी:०/ACQ/भोपाल/80-81/ 1772-अतः मुझे विजय माधुर

ग्रायकर **ग्रं**धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से श्रधिक है श्रौर जिसके: सं० भूमि है, तथा जो कुदुदंड में स्थित है (ग्रौर

इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, बिलासपुर में रिकस्ट्रा-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पखह प्रनिशत से ग्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आराय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,प्रपीत्:--

(1) श्रा दिनकर राव कोबने एडवोकेट, ग्रात्मज श्रा बापूराव कोबते, तिलक नगर, बिलासपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्राह्म (1) रतनलाल गुप्ता पिता मनबोधसाव गुप्ता कुदुदंड, बिलासपुर। (2) नाबा० गायत्रः देवः जरिये पिता रतननाल

गुप्ता, कुदुदंड, विलासपुर।

- (3) श्रामता गंगाबाई पति श्री छेदीलाल खन्डेवाल, गोंडवारा, बिलासपुर ।
 - (4) श्रांमतः मुन्नीवाई पति श्राः बाबूलाल सोनी, गेंडगारा, विलासपुर।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: 🖚 इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिः नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्य होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरानं० 357, एरिया भूमि 0.809 एकड़ है जो कुबुदंड में नेहरू कालोन: राप:छे बिलाअपुर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरोक्षरण श्रर्जन रेंड, भोताल

तारोख: 12-11-1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस•---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 262-व(1) के प्रधीय सुनन्त

कार्यालय, सहायक धावकर धानुक्त (विरोज्जन)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल भोषाल, दिनांक 12 नवम्बर, 1980 निर्देश सं० श्राई० ए० सोल्/ग्रर्जन/भोषाल/80-81/ 1773—ग्रत: मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उनल प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धिः, जिसका उन्तित बाच्छर मूख्य 25,000/-वप् से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है, जो बेल्हा, बिलासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुन्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्राकर्ता श्रधिकार, के कार्यालय बिलासपुर में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख 19-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूक्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूक्य उत्तके पृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्टामान प्रतिकल का प्रमाह प्रतिवातः से बाजिल है और सम्पत्तकः (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्तरितियों) के बीचः ऐसे सम्बद्ध के जिए तय पाया गया प्रतिकात निम्नलिखिक उद्देश्य से उच्च अन्तर्भ जिखात में बास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त पश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या घन्य धारितथीं की जिन्हें भारतीय भाग-कर बिंग्लिम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या बन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जाना चाहिए बा, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम कीचारा 269—न के चनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धाकाः 200—क की उनकारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) श्री मियाजा राव सालके पिता रामचन्द राव सालुके साकिन मसौणगंज, जिला विलासपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशोला देवो पति श्री सदनलाल केणर बानो साकिन सुरज्ञपुर, जिला सरगुजा। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राज्यस में ब्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविक मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपन्न में प्रकानन की तारीख से 45 विवः के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हिसबाट किसी: भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी: के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्दीश्वरणः ---इसमें प्रयुक्तः गब्दों श्रीर पदी का, को उनस ग्रिक्षियम के शब्दायः 20-क में परिचापित हैं, कही गर्थं होगा जो उस श्रद्ध्यायः में दिया मध्याः है ।

श्रनुसूची

भूमि खसरा नं० 763/5 एरिया प्लाट 1.32 एकड़ जो कि बेल्हा, विलासपुर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, भोगाल

सारोख: 12-11-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश मं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/80-81/ 1793——ग्रतः म्झे, विजय माथुर

धायकर घिष्ठियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अश्वितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से घष्ठिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो प्रेम नगर कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1980 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्ष्ण का पन्द्रह प्रतिशत से प्राच्चेक है और अन्तर्क (ब्रम्तर्कों) और प्रम्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रम्तर्ण के लिये तब पाया गया प्रतिक्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरने या उनते जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बग्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया खामा वाहिएवा, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सर्ण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-भ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात := - (1) श्री सरवार सरजात सिंह पिता सुन्दर सिंह निवासी मन्डलेश्वर, खरगान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो सरदार हरमिन्दर सिंह पिता करम सिंह 31 प्रताप नगर, इन्दीर।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रार्क्षप :----

- (क) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यकित द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसंधी

प्लाट नं० 10 जो कि प्रेम नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः: 17-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————— आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सुवना

मारत सरकार

कायीलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सः०/ग्रर्जन/भोगाल/80-81/ 1794—श्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

ग्रीर जिमकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम सैतवामा धार में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबढ़ श्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्स्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धार में रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-3-1980

को पूर्वीयत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख कि से वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रांभिता छोटा बाई पति लतोफ खा मुसलमान निवासो ग्राम मैजवाया, तहसील धार।

(अन्तरक)

(2) मैं० जा० एम० मित्तल स्टेनलेस स्टाल्स प्राईवेट लिमिटेड, सैनेजिंग डाइरेक्टर, रमेश चन्द पिता राम पाल मित्तल 1/2 शिवाजी नगर, इन्दोर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'खबत स्रिध-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि सर्वे नं० 263/4 जो कि ग्राम सैजवाया तहसोल धार में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयक्र स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1794—यतः मुझे, विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- घपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम सैजवाया धार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धार में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय भी बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: घव, उनत अधिनियम की बारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उनत धिधिनियम की घारा 269-न की छपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:--- (1) श्रोमता छोटो बाई पत्नी स्रतीक खाँ ग्राम सैजवाया तहसील धार।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० जी॰ एम० मित्तल स्टेनलेस स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड, मैनेजिंग डाइरेक्टर रमेश चन्द पिता रामपाल मित्तल, निवासी 1/2 शिवाजी नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मब्दीकरण:—दसमें प्रयुक्त सब्दों भीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 263/3 जो कि ग्राम सैजवापा तहसील धार में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो निरीक्षो सहायक म्रायक्षर स्रायुक्त स्रर्जन रैंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भाग्रकर खायुक्तः (निरक्षिण) प्रर्जन क्षेत्र, भोपान

भोपाल, विनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1787—-ग्रत: मझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सिविश लाइन्स, भोपाल में स्थित है (भौर इससे उवाबत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भशीन, तारीख 26-3-1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उयत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अधीतः :-- (1) श्री सै॰ मुर्तजा पिता श्री सै॰ मुस्तुफ साकिन जांगीपूरा, ब्धवारा, भोषाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गमीम रशीद चिश्ची परेनी श्री गमी हुसैन चिश्ती, मकान नं० 91/51, 1250 टीटी नगर भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूखी

व्लाट जो कि इन्द्र भवन मिक्लि लाइन चार बंगला भोगाल में स्थित है। रकवा 4558.09 वर्ग फुट है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लाट व मकान है, तथा जो श्ररेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

11-366 G I/80

(1) श्री निर्मल कुगार जैन पिता श्री भंवर लाल जी जैन, हनुमान गंज, भोपाल।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री णिवनारायण खेडे पिता श्री वेणीमाधव खेडे ई-4/318 महाबीर नगर, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पब्दोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्लाट एवं उस पर निर्मित एक मंजिला भवन जो कि प्राईवेट मेक्टर ई-4, स्ररेग कालोनी, भोषाल में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 17-11-1980

प्ररूप माई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 80-81/ 1789——ग्रतः मुझे, विजय माथुर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट का भाग है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-3 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को यायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री एन० के० सक्सेना पिता स्वर्गीय श्री पी० सी० सक्सेना श्रींग श्रन्य, निवासी 33 ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण दास, 2. करहैया लाल दोनों पिता वरंदपाल, तिलक कालोनी, बुधवारा, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेपः--**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 34 का 2/3 भाग, जो कि **इंदगाह** हिल्स भोपाल में स्थित है।

विजय मायुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन∙ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1790—-श्रत: मझे विजय माथुर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रमय पुरा, ग्वालियर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाह्मद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजि ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-1980 को

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य, आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः — (1) श्री केणरी सिंह पिता ठाकुर तेज सिंह चना कोठार कम्यूलश्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनिता पिता बाबू लाल गर्ग शिवपुरी, (2) जी० पी० गर्ग पिता बाबू लाल गर्ग नया बाजार, लश्कर, (3) श्रीमती नर्मदा बाई पित मातादीन गर्ग शिवपुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

ग्रनु सूची

भूमि जो कि ग्राम रमयपुरा ग्वालियर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

मोह्नर:

प्रकप माई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भौपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1791--- ग्रतः मुझे विजय माथुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25000/- र० से अधिक है क्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, था जो ग्राम जौरा खुर्द मुरेना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिट्रीकर्ता ऋधिकारी के क⊟य∖लय, म्रेना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6-3-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के डिचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्मरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से टुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के खबीन कर दने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उसमे उचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या विश्वी वन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिठी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात :---

(1) श्री ग्यासीया पिता पन्ता कुम्हार निवासी जोरां खुर्द

(अन्तरक)

(2) श्री गुरु नानक सिंह सभा गुरुद्वारा ए० बी० रोड, मुरेना

(भ्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की भविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 368 जो कि ग्राम जोरा खुर्द में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1792—श्रतः मुझे, विजय माथुर

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो खॅडवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खंडवा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-3-1980

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: घव; उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रांधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:---

- (1) (1) श्री नन्दराम
 - (2) श्री ईश्वर दाम
 - (3) श्री श्रोचीमल
 - (4) जेठानन्द पिता झामनदास
 - (5) स्रर्जुनदास
 - (6) कन्हेया लाल वल्द नेवन्द राम सब सिन्धी, निवासी सिन्धी कालोनी, खंडवा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार ग्रध्यक्ष विद्युत कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति, मर्यादित, **संड**वा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं $\frac{440}{1}$ जो कि खंडवा में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक द्यायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्रकृप पाईं टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० श्रार्ड० ए.० सी०/श्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1776---श्रतः मुझे, विजय माथुर भायकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रश्वात् 'उक्त भोक्तियन' कहा गया है), को धारा

इतमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रोप्तियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकाली की, यह विश्वाम करते का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिलका उचित बाजार मूक्य 25,000/ रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मकान व भूमि है, तथा जो गांव बड़बनम, मन्दर्सार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में ग्रीर पूर्ण त्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मन्दसीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन तारीख 27-3-80 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रितिका का विषय प्रतिरित को गई है और मुझे यह विश्वाय सं दिन का बारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उमके दृश्यमान श्रितिका वारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उमके दृश्यमान श्रितिका सं प्रतिका के पत्त्रह श्रियमान श्रितिका श्रितिका प्रतिकात के पत्रह श्रियमान श्रितिका के पत्रह श्रितिका से श्रिक है भीर भन्तरक (श्रितरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीव एसे भन्तरण के लिए तय ग्राया ग्राया श्रिकल, जिम्नितियों व उद्देश्य व उक्त प्रतरण विश्वाय में वास्त-विक ख्य से काबत नहीं विश्वा गया है:---

- (क) सन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम के सभीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी हरने या उसन बजा में मुक्सि के निए; मीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें मारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था । किया जानः वाहिए या, कियाने में मुनिश्रा के लिए;

अतः यस, उक्त प्रसित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रकितियम की धारा 269-ग की उपधाणा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भागीरथ पिता बगदीराम जाति धाकड़ गांव बड़वन पोस्ट बड़वन, मन्दसौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला बाई पिता भागीरथ पति रामसुख जाति धाकड़ गांव बड़बन, पोस्ट बड़बन, मन्दसौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<mark>री चरकेपूर्वीक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी क्यक्तियों पर सूचना
 की तानील से 30 दिन की अविध जो भी श्रविष
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखं से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकींगे !

स्यब्दीकरण:--- इसमें प्रयुक्त गर्कों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवियम के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा जो उस भश्याय में विया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

गांव बड़बन मन्दसौर की भूमि खाता नं० 250, व मकान।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्रस्प आई० टी• एन• एस•

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निदश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/८०-८१/ १७७४—म्रतः मुझे, विजय माथुर जयकर प्राधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो राजगढ़ रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-3-1980

क्रधान, ताराख 14-3-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिशत से अधिक है,
भीर धन्तरक (अन्तरकों) धौर अग्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त अग्तरण लिखित में वास्तविक
रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त छक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बन्धरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में कुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रशिविषम की धारा 269-ग के अनुसरण ों, मैं, अक्त प्रधिविषम की धारा 269-घ की उक्षारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्। --

- (1) श्री सन्तोष पिता रणाहोएकी.
 - (2) श्रीमती गीता बाई विधवा रणछोड़ जी महेण्वरी धान मंडी, रतलाम।

(श्रन्तरक)

- (2) (1) मांगीलाल पिना मोनीलाल जी काम धान मंडी रतलाम।
 - (2) देवराम पिता तोलीरामजी ब्राह्मण, ब्राह्मणों का बास, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्यक्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त श्रिधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ग्रनुसूची

गांव राजगढ़ तहसील रतलाम की भूमि सर्वे नं० 4911 खसरा नं० 98।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप बाह . टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० आर्ष० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1775—म्प्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रूपाला बड़वाह में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़वाह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-3-1980 को

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मुलिचित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) (1) श्री प्रताप जी पिता रामरतन जी
 - (2) श्री भ्रम्बाराम पिता भ्रोंकार जी
 - (3) श्रीमती राधा बाई विधवा तुलसी राम जाट गांव रूपाला, तहसील बड़वाह, जिला पश्चिम निमाइ, खरगोन। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भागीरथ पिता किसन जी जाट गांव रूपाला तहसील बड़बाह, जिला पश्चिम निमाड़, खरगोन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

गांव रूपाला, तहसील बड़वाह की कृषि भूमि सर्वे नं० 60, खल्रा नं० 27।

> विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 17-11-1980

परूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर पंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81 1777—ग्रतः मुझे विजय माथुर जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव श्रखड़गांव बुरहानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, खस के दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल मिम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वामिस्व में कमी करने या **उ**ससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, अक्त मिक्षिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सीताराम वल्द लहानू निभारे खैराती बाजारः बुरहानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बुधीलाल पिता गनपत दास सरोदे, बुधवारा, बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर गवों का, जो उक्त श्रीधनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

गांव उखड़गांव तहसील बुरहानपुर की कृषि भूमि खसरा नं \circ 21/1

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

मोहर:

12-366GI/80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/मोपाल/80-81/ 1778—प्रतः मझे विजय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही दि स्थानर सर्वत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. में प्रीयक ही

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो बाम्बे ग्रागरा रोड, देवाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देवाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 31-3-1980 को

का पर्याप्त अपित के उचित वाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमकें दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुभरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रां(मती इन्दिरा बाई पति रामराव मेबले, 97 बम्बई श्रागरा रोड, देवास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर पिता निषंक निषंक, 97 बम्बई-श्रागरा रोड, देवास।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री भ्रलोक चितले, (2) श्री शिवकुमार चौबे, 97 बम्बई-शागरा रोड, देवास।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 47, जो कि बम्बई-श्रारररा रोड, देवास में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 17-11-1980

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1779--- श्रतः मुझे विजय माथ्र भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मझन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रूपये से अपौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव रूपाला, बड़वाह में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बड़वाह में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-3-1980 की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल **बुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौ**र थन्तरक (प्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्कित व्यक्तियों, अधिराः:--

- (1) (1) श्री प्रताप जी पिता राम रतन जी
 - (2) अम्बाराम पिता स्रोंकार जी,
 - (3) राधा बाई, विधवा तुलसीरामजी जाट गांव रूपाला, तहसील बड़वाह, जिला पश्चिम निमाइ खरगोन।

(श्रन्तरक)

- (2) (1) श्री स्रोम प्रकाण
 - (2) जम प्रकाश पिता कालूजी जाट गांव रूपाला तहसील बड़बाह, जिला पश्चिम निमाइ, खरगीन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पग्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

गांव रूपाला, तहसील बड़वाह की कृषि भूमि खसरा नं० 27, सर्वे नं० 145।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊸--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1780—ग्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मकान का भाग है, तथा जो बग्गी खाना, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1-3-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:---

- (1) श्रीमन्त हिज हाईनेस महाराजाधिराज मालयेन्द्र श्री लोकेन्द्रसिंह जी पिता स्वर्गीय श्री मन्त महाराज साहेब श्री सज्जन सिंह जी साहेब रतलाम (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुम देवी पिता श्री शांतीलाल जी जैन धान मण्डी, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्री करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रूची

रणजीत विलास पैलेस का बग्गी खाने का भाग जो कि रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ^अंज, भोषाल ।

तारीख: 17-11-1980

13311

प्रकृप बाई•टी•एन•एस•---

आयकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन तुचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1781—-ग्रतः मुझं विजय माथुर

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मकान का भाग है, तथा जो बग्गी खाना रतलाम में स्थित है (ध्रौर इसस उपाबद्ध अनुसूची में में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-3-1980

को पूर्वोकत सम्पत्ति के खिवत बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे थम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित नश्य से उक्त ग्रम्तरण मिकित में बास्तविक क्ष्य में कवित नश्चे किया गया है म्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेगे के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या एससे वचने में सुविधा के शिए; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त घिवियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, अक्त घिवियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के बधीत. निम्तलिखित व्यक्तियों

- (1) श्री मत हिज हाईनेस महाराजाधिराज मालमेन्द्र श्री लोकेन्द्र सिंह जी पिता लेट श्रीमत महाराजा माहेब श्री सज्जनसिंह जी साहेब, रतलाम । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनी कांता पति ग्रशोक कुमार जी जैन खारा कुन्नां, उज्जैन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी मरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगें।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सक्त धिनियम के सहयाय 20-क में परिचाबित है, बही अर्थ होगा जो उस बह्याय में विया गया है।

अनुसूची

रणजीत विलास पैलेस का बग्गीश्वाने का भाग जो कि रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 17-11-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

The respective to the second

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1782—म्प्रतः मुझे विजय माथ्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो बग्गीखाना रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीख 1-3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री मत हिज हाईनेस महाराजाधिराज मालमेन्द्र श्री लोकेन्द्रसिंह जी पिता स्वर्गीय श्री महाराजा साहेब श्री सज्जन सिंह जी साहेब रतलाम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोती चन्द जी श्री नेमी चन्द जी श्री पोलिया दरवाजा, रतलाम।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिशाणित हैं, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रणजीत विलास पैलेस का बग्गीखाने का भाग जो कि रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नुजन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

भायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर प्रामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1783—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो बग्गीखाना रतलाम में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख़ 1~3~1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सुभीन, निम्मुसि<u>चित्</u>त व्यक्तियों, अमृत् १--

- (1) श्रामत हिज हाईनेस महाराजाधिराज मालमे**न्द्र** श्रो लोक्नेद्रसिंह जी पिता स्वर्गीय श्री महाराजा साहेब श्री सज्जनसिंह जी सप्हेब, रतलाम। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता देवी पिता श्री मुझालाल जी न्यू रोड, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिशारण: --इसमें प्रयुक्त गन्धों भीर पर्बो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रणजीत विलास पैलेस का बग्गीखाने का भाग जो कि रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्रकप धाई• टी• एन• एस•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1784—ग्रतः मुझे विजय मायुर ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

श्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के श्रिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से श्रिष्टिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो बग्गीखाना रतलाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए प्रश्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिश्वल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिश्वल का पण्डह प्रतिश्वन से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिश्वल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्नरण निखित में वास्तिक रूप ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए, भौर/या;
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधनियम 1922 र् (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या क्ष्य-कर भ्रिधनियम, या क्ष्य-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

असः मम, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्विस व्यक्तियों, प्रथित्:---

- (1) श्रोमत हिज हाईनेस महाराजधिराज मालमेन्द्र श्रो लोकेन्द्रसिंह जी पिता स्वर्गीय श्री महाराजा साहेब श्री सज्जन सिंह जी साहेब, रतलाम। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भारतनाथ जी पिता श्री खोम चन्द जी घाटला यार्ड, रतलाम।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्त में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

'स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु**सूप**ी

रणजोत विलास पेलेस की बग्गीखाने का भाग जो कि रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख: 17-11-1980**

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1785---म्रतः मझे विजय माथर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मरु नीमच रोड, रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयू की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः -- 13—366GI/80

(1) श्री फतेह चन्द पिता श्री झनकलाल मूनत, चांदीनी चौक, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं महाबीर प्लास्टिक इंडस्ट्रीज मऊनीमच रोड रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

जन्सू चर्

भूमि सर्वे नं० 1103/2 जो कि मऊ नीमच रोड रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81 1786-- श्रतः मुझे विजय माथुर प्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- स्पए से श्रीर जिसको सं० दुकान है, तथा जो कलानी मार्किट, देवास में स्थित हैं। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी किरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, अपक्तियों, भर्षात्ा--- (1) मै० इन्दें र लैंड एठा फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड,11 यकीगंज, मेन रोड, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कैमुद्दीन ॄपिता श्रब्दुल हसन 15, बम्बई बाजार, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति ारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शम्याय में दिया गया है।

अमुसूची

तीन द्वितान नं० 40, 41 एवं 42 जो कि कलानी मार्किट देवाम में स्थित है।

> विजय भाषुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1980

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर 1980

निदेश सं० जे० डी० म्रार०/26/79-80—म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

श्रौर जिसकी सं० फैंक्टरी बिल्डिंग है तथा जो प्लाट नं० 115, गान्धी धाम कालोनी, जगाधरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 एका 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत उन्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसा किसी श्राय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात :---

- (1) (1) श्री फतेह चन्द पुत्र श्री हुकम चन्द
 - (2) श्री विनोद कुमार पुत्र द्यी दर्शन लाल
 - (3) श्री मुकेश कुमार पुत्न श्री जय प्रकाश निवासी जागाधरी।

(श्रन्तरक)

- (1) श्री राज कुमार पुत्र श्री रावल चन्द
- (2) श्रीमती सुदेश कुमारी धर्मपत्नी श्री राज कुमार

निवासी 670, राजान गली, जगाधरी। (भ्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हनब्दोकरग:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग जोकि प्लाट नं० 115 गान्धी धाब कालोनी, जगाधरी पर स्थित है तथा जिसका और भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री-क्रमांक 5683 दिनांक 14-3-1980 में दिया गया है।

> शो० मि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, गेहलक

तारीख: 5-9-1980

प्रकष आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/62/79-80—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कुंजपुरा, तहसील करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:— (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री मियां सिंह, निवासी कुंजपुरा।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० भ्रम्रवाल राईस मिल्ज, निसंग, तहसील करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति भूमि जो कि ग्राम कुंजपुरा तहसील करनाल तथा जिसका ग्रौर ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 7593 दिनांक 28-3-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-10-1980

प्ररूप ध्राई० टी० एन० एस०----

व्यायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 अक्तूबर, 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/58/79-80—-ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० XII-599 है तथा जो जुंडला गेट, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
.तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
दूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
क्टबह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
।या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रिविनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण , में, उक्त श्रीधेनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत :— (1) श्री हरी किशन दास उर्फ हरी किश्न पुत्र श्री राम नारायण, निवासी मकान नं० 1928, श्ररबन एस्टेट, करनाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सोम देवी पत्नी श्री सोमराज भाटिया निवासी हनुमान गली, करनाल हाल मकान नं० XII-599, जंडला गेट, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धर्धि-नियम, के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० XII-599, जुंडला गेट, करनाल तथा जिसका ग्रौर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 7177 दिनांक 5-3-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-20-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/60/79-80—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० सी०-997, है तथा जो पुरानी मंडी, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा का लिए; और/या
- (स) ्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थातुः——

(1) श्रीमती रुकमनी देवी बेवा श्री केदार नाथ ग्रग्नवाल, निवासी रूप कालोनी, करनाल।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री विलोक नाथ खुराना पुत्र श्री नारायण दास खुराना निवासी 18, जरनैली कालोनी करनाल।
 - (2) श्रीमती कमला रानी पत्नी श्री धर्मपाल कपूर, निवासी ए-311, गान्धी चौक, करनाल।

को यह स्थना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी र पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० सी०-997, जो कि पुरानी मंडि करनाल में स्थित है तथा जिसका ग्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्रिं कमांक 7453 दिनांक 25-3-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपार सक्षम प्राधिकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहत५

तारीख: 28-10-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० एस० पी० टी०/25/79-80---यतः मुझे गो० सि० गोपाल,

ायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के प्रधिक है

त्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो प्रेम नगर, सोनीपत ें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत ें रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नधीन, तारीख मार्च, 1980

ो पूर्वोक्त उंपत्ति के उत्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह ंतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-ग्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी पाप या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीन पान कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत : अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण ं, में, खक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के दीन, निम्निलखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

(1) श्री दयानन्द पुत्र श्री खुशी राम, 3-बी, प्रेम नगर, सोनीपत।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री राम नारायण, 175-स्रार०, माङल टाऊन, सोनीपत!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

वक्त सम्पति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- - इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो **उ**क्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में **दि**या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान जोकि प्रेम नगर सोनीपत में स्थित हैं तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 5433 दिनांक 25-3-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 14 नवम्बर, 1980।

त्रकप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० बी०/151/80-81—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

स्रोध जिसकी सं० कोठी नं० 345 है तथा जो भाडल टाऊन, प्रम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 कार्यालय, प्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) घौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उस्त प्रक्षितियम के धंधीन कर देने के घन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे वसने में सुविद्या के जिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः प्रव, उनत प्रक्षिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरक में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के क्षधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) लेफ० कर्नेल भूपिन्द्र सिंह सोबती, कमरा नं० 27, रायल होटल, मेरठ कैंट।

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती सुशीला देवी टंडन पत्नी श्री ग्रहने कुमार टंडन
 - (2) रमेश कुमार टंडन
 - (3) श्री रवीन्द्र कुमार टंडन
 - (4) श्री राकेश कुमार टंडन
 - (5) श्री श्रबनाश कुमार टंडन

निवासी कोठी नं० 345, माडल टाऊन, ग्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जग्री करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति से धर्जन से सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त भन्नि नियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 375 (नया नं० 366), माडल टाऊन, श्रम्बाला णहर तथा जिसका श्रौर ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3042 दिनांक 20-6-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः : मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नथम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० बी०/38/79-80—-श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर श्रिष्टानियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें

मायकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त मिधानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से मिधक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 8, है तथा जो माडल टाऊन भ्रम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुभूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च, 1980

(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रयीत्:—— 14—366G1/80

- (1) ले॰ कर्नल बंसी लाल बरमानी पुत्र श्री ताला राम निवासी बी-149, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुलमान लाल सेठी पुत्र श्री नन्द लाल सेठी निवासी 4, श्रमृत नगर, माडल टाऊन, श्रम्बाला महर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के
 पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 8, माडल टाऊन, श्रम्बाला शहर तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 5710 दिनांक 26-3-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 14-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० बी० जी० ग्रार०/3/80-81—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट नं 336, सैंक्टर 24 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1980

को प्रॉक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 127) है के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री प्रेम चन्द गोयल पुत्र श्री हुकम चन्द गोयल, निवासी 1-एफ-33 बी० पी०, न्यू टाऊन शिप, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ भारतीय इन्टरप्राईजिज, प्लाट नं॰ 337, सैक्टर नं॰ 24, फरीदाबाद।।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धन्सूची

सम्पत्ति प्लाट नं 336 जोकि सैक्टर 24, फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1168 दिनांक 2-5-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-11-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/5/80-81—श्रत: मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षक सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं इन्डिस्ट्रियल प्लाट नं 75 है तथा जो सैक्टर 25, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्मितशन से ग्रिधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी यात्र की बाबत, अक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या स्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ्गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण म, में, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- (1) मै० ज्याति प्राईवेट लिमिटेड, 3 नयाया मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० हरियाणा रोलर फ्लोर मिल्स (प्रा०) लि० जींद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जात्सकोंगे।

स्पब्सिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का जो उनत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति एक इण्डस्ट्रियल प्लाट नं० 75 जोकि सैक्टर 25, फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 1423 दिनांक 12-5-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 14-11-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

न्नायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिनका उचिन बाजार मूख्य 25,000/ छपये से प्रधिक है

सौर जिसकी सं दुकान नं सी - 967 है तथा जो पुरानी मंडी, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिष्ठका कि कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण धिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य खसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धाष्ठक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बोव ऐसे प्रन्तर के तिए जन पाना गना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उका अन्तरमा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के डायिस्ट में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- ्ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उन्त पश्चिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रयौत्:— (1) श्री जीवन दास पुत्र श्री चेला राम कथूरिया निवासी मोहल्ला दयालपुरा, करनाल।

(ग्रन्तरक)

 श्री रमेश कुमार पुत्र श्री खिलन्दा राम गान्धी निवासी मकान नं XVIII-38, चार चमन, करनाल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य वाकित द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पढटी कर गः → - इतमें प्रपुक्त जर्क्यों प्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही ग्रथीं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति दुकान नं० सी-967, पुरानी मंडी, करनाल तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण क्रमांक 7517 दिनांक 27-3-1980 तथा 437 दिनांक 25-4-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सन्नम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीज: 14-11-1980

प्ररूप माई॰ टो॰ एन॰ एत॰------आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज बंगलोर

बंगलीर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 282/80-81—यतः मुझे, श्रार० थोथाद्री आयकर पिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नम्बर 1512 है, जो माहित गली श्रीर देशपांडे गली, बेलगाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, बेलगाम श्रंडर डाकुमेंट नम्बर 2481 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित को गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पिन्द्रह श्रितका अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भोर धन्तिरती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीव कर से ते तथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से]हुई कि नी पाय की बायत उक्त अधिनियम के सम्रीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे अपने में सुविका के लिए। ऑर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अग्य अतस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तिरती ंद्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसूरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

(1) श्री रामचद्र श्रीपाद मनोलिकर, मकान नं० 1512, मारुति गली, बेलगाम।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री प्रदीप जयराम उडांसू
 - (2) श्री मुनील जयराम उडांसू मकान नं० 2930, खड़ेबजार, बेलगाम।

(श्रन्तरक)

- (3) (1) डाक्टर बी० पी० नायकमल्लली, देशपांडे गली, बेलगाम।
 - (2) श्री जी० एच० वाझे, मारुति गली, बेलगाम (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कासवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तस्तं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्स्ताभरी के पास लिखित में किए ना सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उबत घिविनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है

धनुसूची

जगह ग्रीर विल्डिंग जिसका सी० टी० एस० नंबर 1512 है ग्रीर जो मारुति गली ग्रीर देशपांडे गली, बेलगाम में स्थित है।

> श्रार० थोथाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख: 25-7-1980

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (T) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कर्म्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगसूद

बेंगलूर, दिनांक 25 श्रगस्त 1980

निर्देश स० 286/80-81//यतः, मुझे, श्रार० थोथाद्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके परवान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- स्थये से प्रधिक है श्रीर जिसकी स० मी० टी० एस० नवर 3493/1 (भागांश) है, जो कालेज रोड, बेलगाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेलगाम (श्रंडर डाकुमेंट नम्बर 2808) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-3-1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किजी प्राप्त की बाबज उक्ज अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुबिधा के लिए;

द्मतः, श्रव, उन्त श्रविनियम की घारा 269-म के धन्-सरण मे, में, उन्त श्रविनियम की बारा 269-म की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,वर्षातः

- (1) श्री सार्रेश्वर विटल केलकर
 - (2) श्रीधर विटल केलकर, नम्बर 8, रिववारपेट तिलकवाडी, बेलगाम

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री देवीदास साधस पै
 - (2) श्री सुरेश देवीदास पै
 - (3) श्री सतीम देवीदास पै
 - (4) श्री श्रोनिषास देवीदास पै बंगलो नंबर 155, क्यांय, बेलगामु।

(भ्रन्तरिती)

- (3) (1) श्री एन० वी० केलकर
 - (2) डाक्टर एस० वी० मेटगुड
 - (3) सदोबा फठागाले

बंगली नम्बर 155, क्यांय, बेलगाम।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क्रे लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

ष्ठकत सम्पत्ति के प्रजैन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज स० 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सर्केंगे।

स्पध्दीक्ररण: --इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो उक्त मधि-तिरम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालेज रोड, बेलगाम में स्थित इमारत सहित 520.86 सक्येर मीटर खुली जगह, जिसका सी० टी० एस० नम्बर 2493/1 है।

> ग्रार० योथाप्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ज, गलोर

तारीख: 25-8-1980

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्ट्रका (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगलोर का कार्यालय

बेंगलोर, दिनांक 25 ग्रगस्त, 1980

निर्देश स० 289/80-81—यतः मुझे श्रार० थोथात्री आयुक्य प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-स के प्रधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० म्यनिसिपल नम्बर $\frac{278}{262}$ 292

 $2417\sqrt{\frac{5}{95\text{-alo}}}$ 13 है, जो III कास रोड, जयनगर बढाव, शिमोगा में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णू रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिमोगा (श्रंडर डाकुमेंट नंबर 3306) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या घन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जामा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भूधीन निम्नि खित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (1) श्री पी० केशवाचार के पुत्र पी० नरसिंह श्रय्यंगार
- (2) पी० नरसिंह श्रय्यंगार के पुत्र एन० सत्थयन नम्बर 1086, 35-डी, कास रोड, टी० ब्लोक, जयनगर, शिमोगा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवराम मंजा के पुत्र के० श्रीनिवासमूर्ति मुख्तारनामा धारक शिवराम मंजा III क्रास रोड, जयनगर, शिमोगा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क निए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की घवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के मीतर उनत स्मावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोर्स्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेगें।

हिमक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त ्रजाधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

III कास रोड, जयनगर, बढाब, शिमोगा में स्थित जगह बिल्डिंग सहित जिसका म्युनिसिपल नम्बर है $\frac{278}{262}$ $\frac{292}{2417} = \frac{5}{95} = \frac{131}{262}$

म्रार० थोथाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 25-8-1980

प्रइप माई∘ टी• एत• एस•----

आयकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 2 सितम्बर 1980

निर्देण सं० 290/80-81—यतः, मुझे, श्रार० घोषाद्री आयकर सिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

(स्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत स्रीर जिसकी सं म्युनिसिपल खाना नं 13/2, 12/2 950/2 है, जो पंचवटी उपनिवेणन, शिमोगा में स्थित है (स्रीर इसमें उपावद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रिधकारी के कार्यालय, शिमोगा (संडर डाकुमेंट नंबर 344) में भारतीय रजिट्रीकरण श्रिधिनिरम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 14-3-1980 एविन बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से भिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत अद्देश से उन्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त खिन नियम, के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किशी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या धन-कर अधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः मब, उनत अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-न की छलधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत् :—

(1) श्री चलुबय्यंगारका पुत्र ए० श्रीनिवास श्रय्ये पंचवटी, उपनिवेशन, शिमोगा।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री महम्मद बेग के पुत्र सत्तार बेग
 - (2) ग्रब्दुल सुबान पुत्र पी० मुहम्मद दस्तगीर
 - (3) गफरश्वान के पुत्र जि॰ अञ्चुल बिशीर
 - (4) रहमान बेग के पुन्न ग्रार० गीस बेग
 - (5) मुहम्मद सलार के पुत्र ए० ग्रहमद जान ्रं (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रोल्ड मोटर पार्टस डीलर इन्डस्ट्रियल को-ग्रापरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, ग्रो० टी० रोड, शिमोगा। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस पूचना के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 45 दित का जाजिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की प्रश्वि, जो भी भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजरत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरों के पास लिखित में कि रूजा नहेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रक्षितियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्वंहो॥ जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजबनी, उपनिवेशन शिमोगा में स्थित 102 87' खुत्री जगह जिसका म्युनिसिपल खाना नंबर है 13/2, 12/2, 950/2।

> ग्रार० योथाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 2-9-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/26437/79-80/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे, भ्रार० थोथान्नी,

सायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रांर जिसकी मं० 27 है, तथा जो पहला मैन रोड, केंग्रीडज लेंऔट, सोमेश्वरपुरम ग्रलयर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बेंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-3-1980

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थों का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रनिशन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गदा प्रतिकृत निम्निविधा उद्देश्य स उन्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तिओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिगाने में मुविधा के लिए;

- (1) (1) हीरा बाई
 - (2) प्रमिला बासुदेव
 - (3) महेण बासुदेव
 - (4) सवीता बासुदेव
 - (5) सूरज वास्रदेव

सं० 257. ग्रास्टीन टाउन. बेगलूर-47 के **रहवासी** हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० बी० जान, सं० 27/4, दामोधर मुद लियार स्ट्रीट, श्रलसूर, बेंगलूर-8 के रहवासी है।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पुत्रींका सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्वत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन स्वता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूत्रता के राजात में प्रकाशन को नारी व से 45 दिन के भीतर उनन स्यावर सम्पति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्वोक्तरण:---इसनें प्रवृक्त शक्ष्यों और पद्में का, जो उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्सुची

(दस्तावेज नं० 3852/79~80 तारीख 6-3-1980) जगह जिसका सं० 315, नया सं० 27 है, तथा जो पहला मैन रोड, कैंब्रीडज लेऔट, मोमेश्वरपुरम, श्रलसूर. बेंगल्र-8 में स्थित है।

मेजरिंग 404.10 चादर मीटर। चकबंदी:---उत्तर में पहला मैंन रोड। दक्षिण में प्राइवेट संपत्ति। पूर्व में प्राइवेट संपत्ति।

पश्चिम में प्राइवेट संपत्ति। ग्रार० थोथास्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुद्ध (दिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 30-9-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलोर, दिनांक 30 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार०-62/26575/79-80/ए० सी० कर्रू०/बी०-- यतः मुझे, योगात्री प्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिने इसमें इसके पश्चात् 'छक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं 0 128 या सं 0 115 है, तथा जो सातवां मेन चारवां

विस्तासण 128या स्व 115 ह, तथा जा सातवा मन चारवा व्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11 में रिथत हैं (ग्रीर इस से उपाद श्रमुमूची में ग्रीर पूर्ण के से विणत हैं), रिएर्ट्रवित श्रिधकारी के कार्यालय, जयनगर बेंगलूर-11 में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन तारी उ

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐते दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि। छोश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ध्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री डी० वी० कांतामनी वेंकटमुख्बन, सं० 277, सातवां क्र.स, पहला ब्लाक, जयनगर, वेंगलूर-11 के रहवासी हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एस० दीपक, श्री ए० डी० शिवरागया के पुत्र, श्रशोक नगर, मंडसा रहवासी है। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबत किसी अन्य व्यक्ति बारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

साध्यो हरगः -- -इसमें प्रयुक्त गम्दों और पदों का, जो उक्त शिष्ट नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज नं० 4914/79-80 तारीख 3-3-1980) जगह संगति जिसका सं० 128, नया सं० 115, तथा जो सातवा मोन रोड, चारवा ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है।

क्षोत्तफल 376.26 वर्ग मीटर। चकबंदी:——

उत्तर: में जगह सं० 127 दक्षिण: में जगह सं० 129 पूर्व: में सत्तवां मैन रोड। पश्चिम: में जगह नं. 153।

> श्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 30-8-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलोर

बंगतोर, दिनांक 7 प्रक्तूबर 1980

निर्हेंग नं० 293/80-81--प्रतः मझे, आए० थोयाद्वी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है,

ग्रीर जिनहों पं० प्लाट नं० 978-वी ग्रीर चलता नंबर 63 है, जा पाइना बड़ो, बैना, बास्को-ड-गामा, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध प्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मार्मुगोदा (ग्रंडर इंक्ट्रॉकरण ग्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 29-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए ग्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वाक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिशत प्रविकत है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमालिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिव हम से स्थित गई किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो आय की बाबत, खक्त ग्रिधिनियम, के श्रश्रीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त्र में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसो धन या ग्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति:—— (1) श्री माधव राघवेन्द्र चिताल उर्फ मादेवा राघवेन्द्र चिताल उर्फ माधव राघवेन्द्र चिताल, वैना, वास्को-इ-गामा, गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन रामनाथ चित्तःल के श्रिभिभवत कुटुंब, प्रतिनिधि करता श्री कुणेवा रामनाथ चिताल उर्फ श्री मोहन रामनाथ चिताल, प्याट्रोग बहुो, बैना, वास्को-ड-गामा, गोवा।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी खाझेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त ग्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिप्राधित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्याद्रोंग बहुो, बैना, बास्को-ड-गामा में रिथत खुला उनह ग्रोर बिल्डिंग 'प्लोट' नंबर 978-बी, ग्रौर जिसका चलता नंबर 66 है।

> न्नार० थोथाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुवत (निरक्षिण) मर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 7-10**-**1980 ।

मो{र:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज बंगलीर बंगलोर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 295/80-81—यतः मुझे, श्रार० थोथाद्री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलोर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारा की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उविज बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सी० टी० एस० नंबर 3454 श्रीर 3462 है, जो वार्ड नंबर I, कोलिपेट, हुवली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हुबली (अण्डर डाक्युमैंट नम्बर 9) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-4-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त तम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ताना बत छड्ड के उपन अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथात नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से दुई िहता आध को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

त्रतः अबः जबत अधिनियम की घारा 289-ग के मनुसरण में। में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री यकाराम भीसराव माने
 - (2) श्री विष्णु भीमराव माने नाली जिन रोड, हुबली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री जयंतीलाल नेमीचन्द जैन
 - (2) श्री सुरेशकुमार नेमीचन्द जैन
 - (3) श्री प्रवीणकुमार नेमीचन्द जैन नंबर एक श्रीर दो के प्रतिनिधि श्रन्थवय संरक्षक श्रीमती सुहासबाई नेमिचंद जैन, पान बाजार, ब्रुवली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, औं भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (था) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य स्थवित द्वारा, ग्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वड़ा प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड नंबर I, कोलिपेट, फोर्ट, हुबली में स्थित खुर जगह बिल्डिंग सहित जिसका मी० टी० एस० नंबर है 345 श्रीर 3462 है।

> ्रधार० थोथाई सक्षम प्राधिका सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगलोर

ता**रीख**: 10-11-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एप० --

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी घारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालन, सहायक त्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजीन रेज, बंगलीर

वंगलोर, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर०-62/26485/79-80/अर्जन/बी०--यतः मुझे, आर० थांथाद्वी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिक्षित्रम' हहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसको सं० 6 है, सथा जो मेन रोड, बैस्ट फील्ड बंगलोर में स्थित है (प्रीर इतने उनाबद्ध स्नृत्यूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने बॉगा है), रिल्ट्रोक्त श्रिधकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण सानुक ने रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशंन सारीख 25-3-1980

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बागर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बागर मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत है श्वीर अन्तरकों और अन्तरकों अनेर अन्तरकों (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से जिंदी निया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आप की बाबत, उमत श्रिवित्रण के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किमी करते या उत्तर बचने में तृतिशा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किनी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

जब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत:-- (1) श्री ग्रलेक्जेंडर बेन्जामिन वाकर सं० 6, मेन रोड, वैट फोल्ड, अंगलोर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परल हयासिन्थ मेथीरस, सं० 7, मेन रोड वैट फील्ड, बंगलोर।

(भ्रन्गरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के <mark>ध्रजंन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन की प्रविध या तरपम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्यब्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूबी

(दस्तावेज सं० 7755, दिनांक 25-3-1980।) रहने का घर ग्रौर संपत्ति जिसका सं० 6 है, मेन रोड वैट फील्ड, बंगलोर।

क्षेत्रफल-2100 वर्ग फुट।

श्रार० थोथाद्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगल**र**

तारीख: 4-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

द्यायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलोर

बंगलोर, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार०-62/26487/79-80/ग्रर्जुन/ बी० यतः मुझे ग्रार० तोताली

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी ग० 7 है, तथा जो मैंन रोड, बैंट फील्ड, बंगलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वंगलोर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिगवम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-3-1980- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत उक्त ब्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी धन या अन्य ग्रास्तिया को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

धतः म्रव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के स्नृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती परल हुयासित मे पीलेस, सं० 7, मेन रोड, में वैस्ट फील्ड, बेंगलोर।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री राबर्ट बिलियम फिलिप्स, स० 68, मेन रोड, वेस्ट फील्ड, बेंगलीर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7917 तारीख 28-3-1980) घर सम्पत्ति जिसका सं० 7 है, मेन रोड, वैस्ट फील्ड, बेंगलोर।

प्लिन्त एरियाः 2977 स्केर फुट।

आर० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीखः मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

प्राय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जुन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० अ/र०-62/26770/80-81/ग्रर्जन/बी० यतः मुझ, आर० थोथान्नी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीत तक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्यों से श्रिधिक है

और जिसकी सं० एम० स० 4507 श्रीर 4508 है, तथा जो श्रतंरसन हुल्ली, हुमकुर (सर्वे स० 89/2, 89-1ए, 90-2 और 99/5 है, तथा जो अंतरसन हुश्ली, तुमकुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्रीवर्ता शिधवारी के कार्यालय, तुमकुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 कार्यालय, तुमकुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 16-4-1980 को पृथींकत सम्मित्त के उचित बाजार मृहय में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकन सम्मित्त का उचिन वाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्दह प्रतिगन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण संदुई किसी पाप की बाबत, उक्त धांध-नियम के अधीन कर देने के प्रश्नरक के दायिस्व में कनी करने या उत्तसे बचने में मृतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रना आस्ति में को, जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या खिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त पश्चिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, में उक्त पश्चिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) (1) कें विकाणा मुझी
 - (2) के० परमाणिवय्या
 - (3) टी० के० वीरभद्रैय्या
 - (4) टी० के० बालशंकर
 - (5) टी० के० नागराज और
 - (6) टी० के० कुमारस्वामी सब जी० एस० कन्नस्या के बेटे,
 - (7) अक्कथ्यम्मा जी रास कन्नस्या की पत्नी
 - (8) टी० के० आरदम्मा
 - (9) टी० के० राजम्मा
 - (10) टी० के० सुमंगला
 - (11) पारवतम्मा
 - (12) शान्ता

8-12 जी० एस० कन्नय्या की बेटियाँ चिकपेट, तुमकुर।

(अन्तरक)

(1) श्री जी० सी० राजशेखर
(2) श्री जी० सी० जगदीश
पुत्र श्री जी० सी० चिदानन्द
तेल वर्तक, मंडी पेटे, तूमकुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

साब्दी करणः चन्द्रतमे प्रयुक्त जब्दों घोर पदों का, जो उक्त श्रधि-तिरात के अध्याय 20- व में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

(दस्तावेज सं० 308, तारीख 16-4-1980।) घर सपत्ति जिसका सं० है एम० सं० 4507 श्रीर 4508 श्रीर सर्वे सं० 89/2, 89-1ए, 90-2, 89/5 अंतर सनहल्ली, तुमकुर।

भ्रार० थोतात्नी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 4-11-1980

भारत सरकार

कार्यान्त्र सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जून रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 14 नवम्बर 1981

निर्देश सं० नोटिस नं० 300/80-81—यतः मुझे, श्रार० योगात्री

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुएए मे अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ता० 31-3-1980 के सेल डीड के विभाग III, श्रोड्यूल IV में दिखाया हुन्ना संपत्ति है, तथा जो में 11 दी ए० सी० सी० विकर्स वाबकाक लिमिटेड शाहबाद वर्क ह पी० श्रो० शाहबाद, ए० सी० सी० गुलबर्गा जिला में स्थित है (श्रीर इससे उगाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा अधिनिय,० रजिस्दीकरण 1908 तारिख 31-3-80 अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रंतरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाषा गपा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियन के अजीन कर देने के भग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त धिवित्यम की धारा 269-म के धनुसरण म, भैं, छन्त धिधिवियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्ति :—— (1) मैं० दी एसोसिएरेड सिमेंट कंपनीस लिमिटेड शाहबाद सीमेंट वर्कस पी० श्रो० शाहबाद ए० सी० सी० 585229, जिला गुलबर्गा (कर्नाटक राज्य)।

(अग्तरक)

(2) मैं दी ए ए सी सिं विकर्स बावकांक लिमिटेड, शाहाबाद वर्षस पी अो शाहाबाद ए सी सिं 585229 जिला गुलवर्गा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी स से 45 दिन की अबधि ए। तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन ा प्रविध, जो भी अबधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजगढ़ में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उन्ह सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 246/79 80 तारीख 31-3-1980) संपत्ति तथा सिविल वर्क्स् प्लांट श्रौर मशीनरी जिसका पूणं विवरण सेल डीड के IV शेड्यूल के भाग III में दिया गया है जिसका रिजस्ट्री जिला जस्ट्रार गुलगर्गा आफीस में तारीख 31-3-1980 में दाखिल हुग्ना है श्रौर तथा जो मै० ए० सी० सी० विकर्स बाबकाक लिभिडेड, शाहबाद के काम्पस में स्थित है।

श्रार० थोथाती मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 14-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1980

फा० सं० नि० स० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/148/80-81--यतः मुझे ए० एम० खेर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 460/0+1, डिवीजन नं० 4 है तथा जो सराफा श्रोली इतकारी नागपुर में स्थित है, (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-3-1980

को पूर्वांक्षत संपरित के उसित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल मिम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यसने में स्विधा के लिए; जीस्/मा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में; में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की छपन्नारा (1) के बतीन निम्मलिखित व्यक्तिवों, कर्यात् ।—— 16—366GI/80 (1) श्री श्रीपद रामचन्द्र बांगरे, श्री बालकृष्ण रामचन्द्र बांगरे, लकड़ी पुल, ग्रायाचीत मंदिर के पीछे, वार्ड नं० 19, नागपुर-2।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्स कोठीराम एन्ड कंपनी (आर० जी०) पार्टनर्स.
 - ं(1) श्री कोठीराम मारोतराव हटेवार,
 - (2) श्री शंकर रात्र काशीनाथ हारके, दोनों रहने वाले चिटनबिस पार्थ, रुढकर रोड, नागपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्यव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 460/0+1, डिबीजन नं० 4, इतवारी सराफा श्रोली, सर्कल नं० 8/13, नागपुर।

ए० एम० खेर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 30-9-1980

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & AR) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st November 1980

No. A-19013/1/80-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. Mahender Reddy, IPS (AP: 1953) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police. Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12th November, 1980 until further orders.

O. L. GROVER, Administrative Officer (E) C.B.I.

(DIRECTORATE GENERAL: CRP FORCE)

New Delhi, the November 1980

No. O.1-1485/80-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vijay Bahadur as General Duty Officer Grade II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Comdr) in the CRP Force in the temporary capacity w.e.f. 3-11-80 (F.N.) subject to his being Medically fit.

No. O.II-1486/80-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint Dr. Anil Kumar as General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy. Comdt) in the CRPF in the temporary capacity wef. 4-11-80 (FN) subject to his being medically fit.

A. K. SURI, for Deputy Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 15th November 1980

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On repatriation to State Cadre Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT:69) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, HFC Durgapur wef the afternoon of 10th October 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Ranchi Shril S. N. Ganju assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. (JAO), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the forenoon of 3rd November 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Sriharikota, Shri R. Jankiraman assumed the charge of Asstt. Comdt. (JAO) in Southern Zone HQrs, CISF, Madras wef the foremon of 16th Oct 1980.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Simla-171004, the 10th December 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for industrial workers on base: 1960=100 increased by four points to reach 406 (Four Hundred and Six) during the month of October, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of October, 1980 works out to 493 (Four Hundred and Ninety Three).

A. S. BHARADWAJ

Joint Director

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF E. A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 21st November 1980

No. 1575/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri H. K. Sharma Section Officer (Commercial) office of the Accountant General H. P. & Chandigarh, Simla as Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, w.b.f.

the afternoon of the 15th November 1980 for a period of one year in the first instance.

P. S. SHIVARAM, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR

GENERAL OF INDIA

New Dehi-110 002, the 18th November 1980

No. CA.I/26-70.—On his attaining the age of superannuation Shri Prasanta Kumar Sinha, Audit Officer (Comml.) serving in office of the Member, Audit Board & Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta retired from service with effect from 31-10-1980 (AN).

R. K. MEHRA, Astt. Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 24th November 1980

No. Admn.I/O.O.No.346.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri N. N. Majumdar a permanent (Audit Officer) & Officiating Welfare Officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-10-1980.

Sd./- ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th November 1980

No. Admn.I/8-132/80-81/2074.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Narayana Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-10-80 F/N until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/80-81/2074.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. Satyanarayana Murthy Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 14-10-80 F/N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/80-81/273.—Shri R. Gopinathan, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-10-80 A/N.

R. HARIHARAN Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum-695 001, the 12th November 1980

No. Estt.A/VII/9-86/Vol. II/161.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers (Audit & Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officer's grade of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each:—

- 1. Shri C. K. Vasappan.—1-11-1979.
- 2 Shri S. Chellappan.—12-11-1979.

D. STVARAMAKRISHNAN, Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

Trivandrum, the 12th November 1980

No. Estt/Entt/VI/10-3/128.—Shri S. Srinivasan, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation on the A.N. of 31st October 1980.

Sd/~ ILLEGIBLE Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 14th November 1980

No. Admn.I/Genl/31.Vol.III/CI(1)/13.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint, Kum. P. R. Palekar Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-11-80 F/N until further orders.

S. R. MUKHERJEE, Sr. Dy. Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERALI, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 4th November 1980

No. Admn./11-144/Notification/302.—The Accountant General-I, U.P., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders with effect from the dates noted against each:

S/Shri

1.	Shishir Kumar Bhattachary	a			2-5-1980 (FN)
2.	Darshan Lal Arora				5-5-1980 (FN)
3,	Tribeni Sahai Sriyastava				31-5-1980 (AN)
4,	Ram Swaroop Rastogi				31-5-1980 (AN)
5.	Udai Bhan Singh-I				31-5-1980 (AN)
6.	Kalyan Kumar Chatterjee				6-10-1980 (FN)
7.	Salil Kumar Choudhary				6-10-1980 (FN)
		e	т	Q	A EST TISSAT TA

S. J. S. AHLUWALIA, Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, WESTERN RAILWAY

Bombay, the 14th November 1980

No. SA/HQ/Admn/IX/1/5649.—Director of Audit is pleased to appoint Shri M. N. Bansal, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity to the Audit Officers Grade in this office in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-2-1980.

The 15th November 1980

No. SA/HQ/Admn/PC/MGB/5665.—Shri M. G. Bhatia, officiating Audit Officer, has retired voluntarily from Govt. Service on 6-8-80 (F/N).

S. P. BHOBE, Audit Officer (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th November 1980

No. 3554/A.Admn/130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri J. L. Guha Thakurta, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Service, rtired from services with effect from 31st October 1980 (A.N.).

K. B. DAS BHOWMIK, Joint Director of Audit, Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 17th November 1980

No. 6873/AN-I.—The President is pleased to appoint Smi R. Venkataraman, an officer of the Level-I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 17th November 1980, until further orders.

No. 18418/AN-I.—On his selection for appointment to the Indian Administrative Service, Shri Rajendia Prasad Jam, IDAS, Assistant Controller of Defence Accounts has been struck off the strength of the Department with effect from 12th September 1980 (A/N).

C. V. NAGENDRA, Addl. Controller General of Defence Accounts (Adma.).

OFFICE OF THE C. D. A. WESTERN COMMAND

Meerut-250001, the 18th November 1980

No. AN/A/Pt.Disp-Jag.—Whereas, in consideration of the record of disciplinary proceedings instituted against Snri Jagdish, Q. Pt. Peon serving in this organisation and of the individual not having made any representation in reply to the charge-sheet and notices calling upon him to appear before the Inquiry, Officer, I, R. B. Kapoor, C.D.A. Western Command, Meerut Cantt. am satisfied that good and sufficient reasons exist for imposing upon him the penalty of removal from service.

Now, therefore, the said Shri Jagdish, QPt. Peon is hereby removed from service with effect from 6-11-1980.

R. B. KAPOGR, Controller of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 27th October 1980

No. A-12025(ii)/1/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 4th August, 1980 and until further orders Shri Mahadev Prasad, Instructor-cum-Demonstrator as Junior Lecturer (Textiles) in the Indian Institute of Handloom Technology, Varannsi.

The 10th November 1980

No. A-12025(i)/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th July, 1980 and until further orders Shri H. Sanjeeva Setty, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Indore.

The 14th November 1980

No. A-32013/7/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 4th October, 80 and until further orders Shri D. M. Shah, Technical Assistant (Dycing) as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Bombay.

P. SHANKAR.

Joint Development Commissioner for Handlooms

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th November 1980

No. 8529B/A-19012(3-SB)/80-19B.—Shrimati Sumitra Bauerjee, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6-10-80 until further orders.

No. 8539B/A-32013(AO)/78-19A.—The followinng Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No. Name Date of Appointment

- 1. Shri T. K. Majumdar.—25-9-1980 (F.N.),
- 2. Shri K. M. Banerjee. 29-9-1980 (F.N.).

The 11th November 1980

No. 8614B/A-19012(3-AB)/80-19B,—Shri Abhan Beeu, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is apponited on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-10-80, until further orders.

The 17th November 1980

No. 8879B/A-19011(1-RVN)/79-19A.—On reversion from deputation with the Department of Geology and Mining, Government of Nagaland, Dr. R. V. G. Nair, Assistant Geologist, Geological Survey of India has taken over charge of the post of Assistant Geologist w.e.f. 10-9-1980 (F.N.).

V. S. KRISHNASWAMY Director General.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 18th November 1980

No. 4(67)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. S. Sivaprasad as Programme Executive All India Radio, Visakhapatnam in a temporary capacity with effect from 19-9-80 and until further orders.

The 21st November 1980

No. 10/3/80-SIII.—The Director General All India Radio is pleased to appoint Shri S. P. Prabhakar, Sr. Engineering Assistant to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at H.P.T., All India Radio, Kingsway with effect from forenoon of 24-9-80, until further orders.

No. 10/10/80-SIII.—The Director General is pleased to appoint Shri K. Rajagopalan, Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Bhopal with effect from the forenoon of 8th Oct., 1980, until further orders.

No. 10/13/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. M. Somnath, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the grade of Asstt. Engineer in All India Radio and post him at T.V. Relay Centre, Pune with effect from the forenoon of 27-9-80 until further orders.

The 24th November 1980

No. 10/19/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Thaga Ram Rabha, Senior

Engineering Assistant, All India Radio to officiate in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio and post him at All India Radio, Gauhati w.e.f. the forenoon of 4-10-80, until further orders.

No. 4(22)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Shankar Prasad as Programme Executive All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from 25-8-80 and until further orders.

H. C. Jayal, Dy. Director of Administration. for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th November 1980

No. A.12025/28/78(SJH)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Kailash Chandra Nigam to the post of Pharmaceutical Chemist at the Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of the 3rd October, 1980, on temporary basis and until further orders.

No. A.12026/6/80-Admn, I.—The President is pleased to appoint Miss J. Haider Ali, Deputy Nursing Superintendent, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, to the post of Nursing Superintendent at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 21st September, 1980, on an adhoc basis and until further orders.

No. A₄19020/7/78(RHTC)/Admn.I.—Consequent upon his selection to the post of State-Co-ordinator (Ophthalmology), Office of the Regional Director, Health and Family Welfare, Bhopal, Shri S. P. Misra relinquished charge of the post of Senior Training Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, New Delhi, with effect from the afternoon of 30th September, 1980.

No. A.19020/12/78(SJH)/Admn.I.—Consequent on his resignation Shri Satyendra Kumar relinquished charge of the post of Speech Therapist at the Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of the 8th October, 1980.

The 6th November 1980

No. A.35021/2/80(RHTC)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Satish Chander Sharma, Assistant of the C.S.S. belonging to the cadre of the Ministry of Commerce to the post of Administrative Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 16th October, 1980, and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Administration (O & M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, 12th November 1980

No. A.19025/62/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mukkamala Ratnakar has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Bombay with effect from 2-10-80 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 22nd November 1980

No. 602/32/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Group ('B') (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, is pleased to appoint Shri S. G. Chaphalkar to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in CW&PRS, Pune, in an officiating capacity on regular basis in the scale of pay of Rd. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 16th October, 1980.

Shri S. G. Chaphalkar will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) CW&PRS, Pune, for a period of two years with effect from 16-10-1980.

M. R. GIDWANI, Administrative Officer for Director

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 17th November 1980

No. DPS/23/4/79/Est.-Adv./East./19810.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. M. Parelkar Purchase Asstt. of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 8-9-1980 (FN) to 5-11-1980 (AN) vice Shri V. Boothalinagam Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

er

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th November 1980

No. A.32014/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. N. Sumbaly, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis, in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, Netaji Nagar, New Delhi, for a period of 6 months with effect from the forenoon of the 1st November 1980.

No. A.32016/6/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. B. Shaha, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis, for a period of 45 days, in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras with effect from the forenoon of the 22nd September, 1980.

The 21st November 1980

No. A. 32013/2/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bajwa, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Ahmedabad to the grade of Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from 29-9-1980 (FN) and upto 30-9-1980 and to post him at Aeronautical Communication Station, Jaipur.

R. N. DAS Assistant Director of Adm.

New Delhi, the 16th October 1980

No. A.19011/114/80-E.A.—Shri L. P. Arora, Senior Aircraft Inspector at Headquarters, expired on the 26th September, 1980.

The 22nd October 1980

No. A. 32013/14/80.-E1—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. W. H. Jafri, to the post

of Chief Librarian, a General Central Service. Group 'B' Gazetted post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on regular basis, with effect from the 4th October, 1980 and until further orders.

C, K, VATSA Officer on Special Duty (E)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th November 1980

No. 1/62/80-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri T. A. Headmaster, officiating Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, on ad hoc basis, in the same office, with effect from the 3rd November 1980, and until further orders.

No. 1/126/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Krishnamoorthy, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Madras Branch with effect from the forenoon of the 13th October, 1980 and until further orders.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 15th November 1980

No. 20/80.—Consequent upon their promotion as Super tendent Central Excise, Group 'B' the following Inspectors Central Excise (S. G.) have assumed their charges as Super tendent of Central Excise Group 'B' with effect from the dat as shown against their names:

SI. No.	Name of Officer Place of posting		Date of assumption of charge.	
1	2	3	4	
S/\$	Shri	····		
1. K	. C. Tripathi	Supdt. C. Ex. Range III, Sagar.	16-10-80 AN	
2. R.	B. Saxona	Supdt. Central Ex. Range I, Jabalpur	31-10-80 FN	
3. T	N. Parate	Supdt. Central Ex. (Audit) Hqrs. office, Indore.	27-10-80 FN	
4. S	R. Deodhar	Supdt, Central Ex. (Tech.) Hqrs. office, Indore.	27-10-80 FN	

S. K. DHAR Collector.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th November 1980

No. 31/80.—Shri K. V. Kunhikrishnan, Appraiser of Madras Custom House, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Central Board of Excise & Customs Order F. No. A 12034/6/80-Ad.II(A)(ii) dated 25-10-1980, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 28-10-80 (Forenoon).

CENTRAL WATER COMMISSION New Delhi-110022, the 15th November 1980

No. A-32014/1/80-Adm. v.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following efficers to efficiate in the grade of Extra Assistant Director/Assit. Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from a c dates noted against their names;

SI. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
S/	Shri	
1.	Yogendra Prasad Singh, Design Asstt.	30-9-1980 (FN)
2,	S. D. Khatri, Supervisor	21-10-1980 (FN)
3,	Bal Krishan, Supervisor	16-10-1980 (FN)
4.	Rajeshwar Prasad, Supervisor	21-10-1980 (FN)
5.	Pasupati Das, Supervisor	27-10-1980 (FN)
6.	R. C. Malhotra, Supervisor	25-9-1980 (FN)
7.	R. K. Pal, Supervisor	10-10-1980 (FN)
8,	S. L. Kewalramani, Supervisor	31-10-1980 (FN)
9.	Kirti P. Desai, Design Assistant	4-11-1980 (FN)
10.	S. D. Gupta, Supervisor	31-10-1980 (FN)

K. L. BHANDULA Under Secretary

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 20th November 1980

No. 16-102/80-Engg.Estt.—S/Shri Gurdev Singh and D. N. Upadhyaya are appointed substantively to the permanent post of Driller in the C.G.W.B. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-8-1972 and 1-3-1980 respectively.

No. 16-114-/80-Engg. Estt.—Shri J. R. L. Gupta is appointed substantively to the permanent post of Assistant Engineer in the C.G.W.B. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18-9-1980.

H. M. KAUL, Chief Engineer (CC)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

(COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited.

Jaipur, the 15th November 1980

No. STAT/1084/10340.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vijay Laxmi Company Private Limited, Jaipur

Jaipur, the 21st November 1980

No. STAT/595.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Vijay Laxmi Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kisan Mentha Distilleries Private Limited

Jaipur, the 21st November 1980

No. STAT/1607.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kisan Mentha Distilleries Private Limited., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Meta Krafts Engineering Private Limited, Jaipur

Jaipur, the 21st October 1980

No. STAT/1610.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Meta Krafts Engineering Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. C. GUPTA Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of BAREILLY BANK LIMITED

Kanpur, the 17th November 1980

No. 12106/571/LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the BAREILLY BANK Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA, Registrar of Companies, U.P. Kanpur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Mysore Agro Chemicals Company Private Ltd.

Bangalore-9, the 20th November 1980

No. 2942/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Mysore Agro Chemicals Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX, DELHI-V

New Delhi, the 23rd October 1980 INCOME-TAX

No. CIT-V/JUR/80-81/26094.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. II(4). New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt, II(5), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-V, also authorises the IAC Range-V-A. New Delhi to pass such orders as contemplated in subsection 2 of Section 124 of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take ffect from 16-10-1980,

No. JUR-DLI/V/80-81/26295.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification No. CIT-V/Jur/80-81/12699 dated 5-8-80 be treated as cancelled w.e.f. 16-10-1980.

R. D. SAXENA, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 11th November 1980

Ref. No. CA5/SR Thane/ May'80/490/80-81.—Whereas, I A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS Nos. 63/1, 63/2 of Tika No. 5, Plot No. 2 situated at Thane City Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thane on 15th May, 1980

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandrakant Shantaram Kharkar. 5, Saroj Apartments, 2nd floor, Ghantali, Thane.

(2) Dr. (Mrs.) A. S. Chitnis & Shri S R. Chitnis, Kharkar Ali, Thane.

(Transferce)

(3) 1, Shri P. B. Chitnis, Ground Floor,

 Shri Vijay Karkhanis, Ground Floor,
 Dr. (Mrs.) A. S. Chitnis & Shri S. R. Chitnis,
 1st & 2nd Floor, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing C.T.S. Nos. 63/1, 63/2 of Tika No. 5, Plot No. 2 of Thane City, Tal. & Dist. Thane. Admn. 183.95 sq. mts.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 315 on May, 1980 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

> A. C. CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 11-11-1980

FORM ITNS----

(1) Kristina Sflicate & Glass Works Ltd., Radha Bazar Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Glass Pvt, Ltd., 23, Yusuf Building. Veer Nariman Road, Bombay-400023.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pura, the 20th November, 1980

Ref. No. CA5/SR Bom/491/Mav '80/80-81,—Whereas, I A. C. CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding S. No. 154 (Pt) & 414 (pt), Hissa No. 1 situated at Majivade, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Bombay on 6-65-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—366GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Majivade, Village, Taluka, District and Sub-Dist. Thane, S. No. 154 (Part) and 414 (part), Hissa No. 1, admn. 2800 sq. vds. i.e. 2341.16 sq. mts.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1383, dt. 6-5-80 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 20-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st November 1980

Ref. No. CA/9/SR Karvir/July '80/492/80-81.—Whereas, I, A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 416 A, Ward B, situated at Karvir, Dist. Kolhapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Karvir on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit Alis Pandit Maharaj, and
 - 2. Shri Ramchandra Harihar Pandit Alis Ram Maharaj, 93/3 Erandavana, Pune-4.

(Transferor)

- Shri Ashok Kumar Babhutmal Oswal, At 526 C, Kolhapur.
 Shri Vijaykumar Jawanmal Oswal, 206C, Bhende Gelli, Kolhapur.
- (Transferee) (3) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit, 3/2 Hissa. 2. Shri Ramchandra Harihar Pandit, 1/4 Hissa. (Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in the jurisdiction of S.R. Karvir, C.S. No. 416A, Ward B, Admn. 336.2 sq. mts., Dist. Kolhapur.
(Property as described in the sale-deed registered under document No. 2262, dt. July, 1980 in the office of the Sub-

Registrar, Kurvir.)

A. C. CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-11-1980

Scal:

(1) Smt. Vishva Nootan Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Rizvi Estates and Hotels Private Limited.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 23rd October 1980

Ref. No. AR-II/2959-10/Mar '80.---Whereas, I A. H.

TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N.A. No. 46, C.T.S. Nos. 178 to 190, N.A. No. 52, C.T.S. Nos. 197, 198 & 199 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 24-3-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1307/79 and registered on 24-3-1980 with the Joint Sub-registrar, Bandra (Bombay).

A. H. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 23-10-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Glory Hope D'Penha.

(2) Smt. Meena Akhtar Rizvi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 23rd October 1980

Ref. No. AR-II/2960-11/Mar '80.—Whereas, I A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 283, H. No. 10, City S. No. B/1020 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 24-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 725/1979 and registered on 24/3/1980 with the joint sub-registrar, Bandra, Bombay.

A. H. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 23-10-1980

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1980

Ref. No. AR-III/AP-352/80-81.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 1000 (pt) Plot No. 832, 833 New C.S. Nos. 877 & 77 (1 of 17) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay no 27-3-1980 Doc. No. 2158/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Sonabai S. Parmar.
- (Transferor)
- (2) Smt. Indumati M. Doshi.

(Transferce)

- (3) 1. Navinchandra Premji Gohil
 - Chandrakant Gopal
 Babulal Veloi
 Kalyanji Shamji
 Harichand Jadayii

 - Shantilal Naranji
 - Dhanji Ghelabhai

 - . Liladhar Lulji Mohanlal Raghvji Sineta
 - 10. Hiralal Jasraj Shah
 - Dineshchandra Pranlal
 Devshanker K. Joshi

 - Odhavji Karshandas
 Jamnadas Arjan Kataria
 Manjulabai Shankerlal
 - 16. Raghavii Hirachand
 - 17. Dalpatram Kashiram Pandya,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S/2159/ 78 with the Sub-Registrar, Bombay on 27-3-1980.

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1980

Ref. No. AR-1/4379-5/Mar.---Whereas, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 117 in Block No. V of Backbay Reclamation Estate, C.S. No. 622 of Colaba Divn. situated at Cuffe Parade (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Bhagwandas Sewaram Raheja,
 - 2. Smt. Kamla Beharilal Raheja,
 - 3. Shri Vijaykumar Bhagwandas Raheja,
 - 5. Smt. Savitre Parshottam Bajaj.

(Transferor)

(2) Jai Kiran C.H.S. Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Rajan Raheja
 - 2. Smt. Ramdevi Sabraj
 - 3. Shri Deepak Raheja
 - 4. Shri K. C. Bhavnani
 - 5. Shri P. N. Umrigar
 - 6. Smt. B. P. Umrigar
 - 7. Shri Bali M, Gidwani
 - 8. Dr. P. L. Tiwari
 - 9. Shri Vishwanath Hiremath
 - 10. Shri N. L. Samath/C. L. Samath
 - 11. Shri P. K. Basu
 - 12. Smt. Pravin A. Lilamwala
 - 13. Shri G. L. Samath
 - 14. Shri B. L. Samath
 - 15. Smt. Sundri B, Lulla
 - 16. Smt. T. P. Barucha
 - 17, Kum. B. P. Barucha
 - 18. Kum. F. P. Barucha
 - 19. Shri S. K. Valecha & Shri C. K. Valecha
 - 20. Kum. Poonam B. Bhatia
 - 21. Shri Surenderpal H. Sachdev
 - 22. Shri Anil Hariram Sahani
 - 23. Shri Fakirchand Tejpal
 - 24. Shri G. M. Gidwani
 - 25. Shri Kanilal Mulchand
 - 26. Smt. Devi B. Lungani
 - 27. Shri Rajkumar Mehra
 - Shri Ashok K, Bhavnani & Smt, Ranjana K. Bhavnani
 - Shri Hiranand Chandumal & Smt. Pushpa Hiranand
 - 30. Shri Preshant Asher
 - 31. Shri Chunilal R. Talreja
 - 32. Shri Dewramchand Jasuja
 - 33. Shri Kishin D. Jeswani

- 34. M/s. Parry's Bearings Ltd.
- 35. Shri G. M. Rajadyaksha
- 36. Shri T. D. Soneji & Shri D. G. Soneji
- 37. Shri Sunder J., Advani
- 38. Smt. Parvati J. Rajani
- 39. Shri K. D. Jeswani
- 40. Shri Vashumal G. Raheja
- 41. Smt. Urmila sial & Shri C. M. Goyal
- 42. Smt. Ruki S. Advani
- 43. Shri Rajendranath Kumar
- 44. Shri Lachmandas Kalvani
- 45. Shri Dwarkadas Popli & Smt. Kaimal Kanta Popli
- 46. Shri Vasant D. Gadgil
- 47. Smt. Sita Punjabi
- 48. Smt. Sati B. Bhojwani
- 49, Smt. Kamla H. Lund & Shri Prem I. Chainani & Others
- 50. Smt. Ratna K. Nagrani
- 51. Smt. Kunj C. Kirpalani & Smt. Mohini C. Harjani
- 52. Shri Gordhandas Govindram
- 53 Shri Sashi Kumar D. Popli
- 54. Mrs. M. Corcra
- 55. Shri Bahadue Singh Teigsingh Lame.
- 56. Smt. Leelabai G. Manhandani
- 57. Shrl S. G. Irani
- 58. Smt. Leelabai G. Machandani
- 59. Smt. Shanta R. Nagrani & Smt. Shoba R. Nagrani
- 60. Shri N. B. Rupani, D. B. Rupani & R. B. Rupani
- 61 Shri Gangumal Madhavdas
- 62 Shri M. M. Gupta
- 63. Shri Mangatrai B. Soni
- 64. Smt Delphine Mendonca
- 65, Shri Laxman T. Sabbechandani
- 66. Smt. Badia Gamil
- 67. Shri Pessumal R. Daswani
- 68. Shri Arjandas G. Punjabi
- 69. Shri Shamsunder G. Punjabi
- 70. Kum. Brinda Gambers
- 71. Shri Mitthoo Sadarangani
- 72. Shri Chaturbhuj G. Lulla & Shri Shamlal M. Sachdev
- 73. Smt. Brijrani Madanlal Poli
- 74. Shri Bahadur R. Dastoor

- 75. Shri Shamsunder A. Sahani
- 76. Shri Havikrishna A. Sahani
- 77. Shri C. B. Wadhwa
- 78. Miss Shoba C. Wadwa
- 79. Smt. Meenabai V. Bajaj
- 80. Shri Rajan & Vijay Raheja
- 81. M/s. Tolani Bros.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. Bom/2107/72 with the Sub-registrar, Bombay, on 10-3-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th November 1980

Ref. No. AR-LI0982-8/Mar/80.---Whereas, I, SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 & 8, C.S. No. 2/656, 656 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Tardeo

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-3-80 Document No. Bom/75/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Hormasji Naoroji Contractor (2) Ratanshaw Nowroji Contractor (3) Ratanbai Navroji Contractor.

(Transferor)

(2) Bolton Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on tht respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/75/80 with the Sub-registrar, Bombay, on 24-3-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-11-1980,

Scal:

FORM ITNS-- -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 11th November 1980

Ref. No. AR-1/4390-6/Mar/80.—Whereas 1, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1537 of Girgam Divn. situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-3-1980 Document No. 1319/77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-366GI/80

 Dr. Ibrahim M. Ravji & Shri Mohamedhhai Alibhai Bhanii.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar S. Agarwal.

(Transferce)

(3) Tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/1319/77 with the Sub-registrar, Bombay, on 10-3-1980.

SUDHAKAR VARMA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BI OCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATF, NEW DELHI-110002.

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6308.—Whereas I, MRS. BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/31, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saiad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roop Chand Gupta S/o Perma Nand Aggarwal R/o 1/31, Roop Nagar, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi W/o Manghool Singh Gupta G-12, Kamla Nagar, Delhi.
 (Transferce)
- (3) Shri Manphool Singh, Hanuman Mandir, Shakti Nagar, Delhi.(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of property No. 1/31, measuring 104.7 sq. yds. situated at Roop Nagar Delhi bounded as under:—
North Road 15 feet,
South Remaining land of plot No. 1/31,
East Road.
West Plot No. 1/32.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquistion Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-11-1980.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-80/6364.—Wheeras, 1, MRS. BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, situated at Deepak Mahal Bldg., Bhagirath Palace, Ilaqa No. 2, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Pawan Kumar, (2) Satish Kumar, (3) Sudhir Kumar, (4) Virender Kumar, (5) Anil Kumar, (6) Sunil Kumar, (7) Arun Kumar, (8) Kaushalya Devi, (9) Ashok Kumar, (10) Vijay Kumar, (11) Surender Kumar, (12) Deepak Kumar, (13) Narender Kumar, (14) Raj Kumar, (15) Rakesh Kumar, (16) Suresh Kumar, (17) Dinesh Kumar all R/O Rosban Mahal, Mohalla Sarptuwalan, Panipat Distt. Karnal (Haryana).

(Transferor

(2) M/s Associated Agencies, Shop No. 8, Deepak Mahal Building, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi through Sh. Joginder Kumar Jain S/o Munshi Lal Jain R/o No. 6, Park Area Karol Bagh, New Delhi-5

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop, private No. 8, measuring 29 sq. yds. of the ground floor, out of property No. 1555 known as Deepak Mahal Bullding, situated at Bhagirath Colony (Bhagirath Palace) Ward No. II Chandni Chowk Delhi bounded as under:—

North: Common wall which shall remain common of shop No. 8 and the property of the owner of Prem Building and Prem Building.

South: Common wall which shall remain common of the shop No. 8 and Shop No. 7 and shop No. 7 of the property of vendors.

East: Open courtyard and gate of the shop.

West: Common wall which shall remain common of the shop No. 8 and shop No. 1 and Shop No. 1 of property of the vendors.

MRS. BALIEET MATTY AND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II.

Delhi/New Delhi.

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. 1AC/Acg-II/SR-I/3-80/6277.—Whereas IBALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Λ-2/33 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kaushalya Wanti W/o Sh. Hardit Singh R/o A-2/33, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Januk Raj Khanna, S/o B. C. Khanna 16/114, Gita Colony, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-2/33, Rajouri Garden, New Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date: 17-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BI.OCK VJKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3248.---Whereas I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 23 bigha 9 biswas agrl. land situated at village Kamalpur Mazra Burari Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 7-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nanak Chand S/o Chander Mal & Hari Bhushan S/o Nanak Chand R/o Vill. Burari Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh, Bhagwant Singh and Vijay Singh sons of Lekh Ram R/o House No. 100 village Dhaka, Kingsway Camp, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 23 bigha 9 biswas bearing khasra Nos. 16/1, 16/2, 16/3, 16/4 situated in village Kamaipur, Mazra Burari, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-11,
Delhi/New Deihi.

Date: 17-11-1980.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi ,the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/3-80/6320.—Whereas, I, BALJHET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Cottage No. 6, situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri N. K. Madan S/o D. N. Madan 48/3, East Patel Nagar, New Delhi as C.A. of Sh. Sat Sarup Mahant.

(Transferor)

(2) Shri Harinder Pal Singh Anand, Satpal Singh Anand Jatinder Pal Singh Anand & Ajit Singh Anand R/o C/o F-8, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 6, West Patel Nagar, New Delhi with the leasehold rights of the land measuring 350 sq. yds. under the said cottage.

MRS. BALJEET MATTYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-11

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-II/3-80/3474.—Whereas I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. J-3/27 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 25-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi Malhotra W/o Guljari Lal R/o J-2/5, Gobind Colony, Rajpura.

(Transferory

(2) Shri H. L. Sethi S/o Ram Lal Sethi R/o J-3/27, Rajouri Garden, New Delhi. Manager Board & Secretarial Deptt. of Punjab National Bank at Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house, single storeyed, built on freehold plot of land bearing Plot No. 27 in Block J-3, measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of viliage Tatarpur Delhi State, Delhi, bounded as under:—

North House on plot No. J-3/26. South Road East Service Lanc West Service Land/Road

> MRS. BALJEFT MATIYANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6377.—Whereas I, BALJEFT MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exaceding Rs. 25,000/- and bearing

value execeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 16 situated at Alipur Road, Civil Lines, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 28-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shakuntla Devi A-16, Green Park, Smt. Usha Narain W/o Raj Narain, A-17, Green Park, Rajashwar Pershad S/o Suraj Persad, A-5, Hauz Khas, Vijay Prakash S/o Roop Narain, Λ-16, Green Park, Mahesh Chand S/o Suraj Prasad, A-5, Hauz Khas, N. Delhi, Suresh Chand and Mahesh Chand sons of Padam Chand, H-7, Hauz Khas and Ram Dulari W/o Jagdish Persad A-6, Hauz Khas, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Jain S/o Inder Sain Jain & Smt. Saroj Bala Jain W/o Inder Sain Jain R/o 3625, Netaji Subhash Marg, Daiyaganj, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land situated and lying at 16 Alipur Road, Delhi admeasuring about 11427 sq. yds. bounded as under:—

Fast By Alipur Road
West By 6 Underhill Land & 2 Underhill I ane (Grand Hotel)

North By Underhill Road South By 14 Alipur Road.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6363.---Whereas I, BALJEET MATTYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 6 situated at Deepak Mahal Building, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or now moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pawan Kumar, (2) Satish Kumar, (3) Sudhir Kumar, (4) Virender Kumar, (5) Anil Kumar, (6) Sunil Kumar, (7) Arun Kumar, (8) Smt. Kaushilaya Devi, (9) Ashok Kumar, (10) Vijay Kumar, (11) Surender Kumar, (12) Deepak Kumar, (13) Suresh Kumar, (14) Rakesh Kumar (15) Dinesh Kumar all R/o Roshan Mahal Mohalla Sapttuwalan Panipat Distt. Karnal, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Chander Sabharawal S/o Sohan Lal Sabharwal R/o D-1/13A, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop private No. 6, admeasuring 29 sq. yds. of the ground floor out of property No. 1555 to 1558 known as Deepak Mahal Building situated at Bhagirath colony (Bhagirath Palace) Ward No. II, Chandni Chowk, Delhi bounded as under:—

North Common wall which shall remain common of shop No. 3 and shop No. 7, and shop No. 7 of the vendors.

South Common wall which shall remain common of shop No. 6 and shop No. 5 and property of shop No. 5 of the vendor.

East Open courtyard and gate of the shop.

West Common wall which shall remain common of shop No. 6 and shop No. 3 and property No. 3 of the vendors.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax. Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date: 17-11-1980

Scal:

19-366GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATF, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6340.--Whereas IBALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5/36, situated at Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

- (1) Shri Om Parkash S/o Attar Chapd R/o E-30, Rajouri Garden, New Delhi & Suraj Prakash S/o Attar Chand R/o e837, Ahata Kedara Bara Hindu Rao, Delha. (Transferors)
- (2) Shri Lalit Kumar Handa S/o Chuni Lal Handa 3A/78 WEA Karol Bugh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette c, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Property No. 5/36, situated in the abadi of Industrial area on Najafgarh Road, New Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-11-1980.

Scal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-6006, the 1st September 1980

Ref. No. 24/MARCH, 80.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 159 A-I (R.S. 596) shuated at Kanyakumari Village, Agasteeswaram Taluk, Kanyakumari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

SRO Nagergoil (Doz. No. 1002 '80) on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri G. A. Srinivasan,
 S/o Shri Laic Azhagappa Marthanda Nadar,
 Valia Veedu', Agasteeswaram,
 Kanyakumari Dt.
 Minor Shyama (minor)
 Sister of No. (1),
 Guardian by Shri G. A. Srinivasan.

(Transferor)

(2) Shri N. Velayudhan, C/o Paramount Tourist Home, 28/1108, 'Money Mount', Kunnampuram, Triyandrum-14.

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1002/80 S.R.O. Nargercoll
House site in S. No. 159-A-I (R.S. 596) 2 acres 40 cents—
Kanyakumari Village, Agasteeswaran Taluk, Kanyakumari Dt.

O. ANANDARAM Competent Autority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 1-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD,

MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 3rd September 1980

Ref. No. 101/MARCH/80.-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19, 20 and 21, situated at Filterbed Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Vellore (Doc. No. 1042/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. Shanthilal, Door No. 16, 17 and 18, Filter Bed Road, Old Town, Vellore.

(Transferor)

(2) Miner P. Sankar, By Guardian and Father Shri P. Nagalinga Nadar, No. 53/5, Utharamadha Koil Street, Old Town. Vellorc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1042/80 JSRO II. Vellore
Land and Building at Door No. 19, 20 and 21, Filterbed Road, Vellore.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR. 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

> > Madras, the 8th October 1980

Ref. No. 39/MAR/80.-Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

35, situated at Malayaperumal Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Sowearpet, Madras (Doc. No. 135/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afoersaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under ib-section (1) of Section 269D of the said Act, to the llowing persons, namely :---

(1) Smt. T. R. Rajalakshmi, 266, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri Premchand Jain, No. 7, Rangapillai Garden Road. Madras-1.

Smt. Prem Bai,
 Ramanuja Kutam Street, Madvas-3.

3. Smt. Susila Mehta, 9, Flowers Road, Madras-10.

4. Smt. Ratan Kawar, 104, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 135/80 S.R.O. Sowearpet, Madrus.

Land and Building at Door No. 35, Malayaperumal Street. Madras-1.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Autority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 8-10-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th October 1980

Ref. No. 86/MAR/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New Door No. 75, situated at Jermiah Road, Vepery, Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO Madras North (Doc. No. 1252/80) (1252/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Madrasa-E-Bakiyathus Salihath Arabic College, Vellore, North Arcot Dt. Reseasted by Shri S. M. Abdul Jamal, General Secre.ary and Managing Trustee. (Transferor)
- Smt. A. Naseem Banu,
 Smt. A. Shameem Banu,
 Mr. K. Iqbal Ahmed.
 Mr. A. Imtiaz Ahmed,
 Shri Janab K. Hajee Imadudden Sahib,
 No. 45, Ritherdon Road, Vepery,
 Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1252/80 JSRO, Madras North Land and Buildings at New Door No. 75,, Jermiah Road Vepery, Madras-7.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 00:

Date: 27-10-1980

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION PANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT RCAD, MADPAS-600 006

Madras-600006, the 28th October 1980

Ref. No. 10/MAR/80.—Whereas, I, T.E.S.R, LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 1959 and Door Nos.

situated at 2, 3, 4 & 5, Main Road, Periakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Periakulam (Doc. No. 278/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Rev. father D. Arokiyam, Procurator. Jesuit Madurai Province, Dindigul.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. S. Natarajan, Main Road, Batlagundu. 2. Smt. N. Rajamani W/o Sri K. S. R. Natarajan, Batlagundu.
3. Shri K. Jayaraman,
No. 6-1-37, Main Road, Batlagundu.
4. Sri M. Vaiyapuri Pillai,
Kattur, Mayanur P.O. Kulitalai Taluk.
5. Sri P. S. Ramakrishnan, Avvampalavam, 7. Sri R. Shankar, 5. New Aoraharam, Dindigul. 7. Sri S. Krishnakumar,

54 New Agraharam, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 278/80 S.R.O. Periakulam
Wet lands 11 acres and .04 cents in T.S. No. 1959 and
Buildings in Door No. 2, 3, 4 and 5, Main Road, Peria-

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority Inspecting Assistat Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 28-10-1980

FORM NO. LT.N.S .-

 Shri C. S. C. Alagappa Chettiar, No. 41, Perumal Koil Sannathi Street, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri S. Chandramohan, S/o Shri N. Subburaj Nadar, No. 20, First Line Beach Road, Nagapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 30th October 1980

Ref. No. 19/MAR/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

5-A, situated at P.T. Rajan Road, B.B. Kulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Thallakulam Madurai (Doc. No. 1332/80) on March 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1332/80 S.R.O. Thallakulam, Madurai Land and Buildings at Door No. 5-A, P.T. Rajan Road, B.B. Kulam, Madurai.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS 600 006.

Madras-600006, the 3rd November 1980

Ref. No. 1/MARCH/80.—Whereas, J. T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S.C. No. 121 (New) (Door No. 5/227) situated at Vellagoundeppalayam Kasba, Dharmapuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Dharmapuri (Doc. No. 699/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:-20-366GI/80

- (1) 1. Shri S. Subramaniam Shri S. Kadirvel 3. Minor S. Kumudha, 4. Minor S. Bharathi, Bazaar Street Minor S. Sivakumar Dharmanuri Minor S. Karthikeyan 7. Minor S. Vettrivel
- (Transferor) (2) Shri S. N. Marugappan, S/o Shri S. Nachiappa Chettiar, No. 142, Bazaar Street, Dharmapuri-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 689/80 S.R.O. Dharmapuri
Land and Buildings in S.C. No. 121—Door No. 5/227,
Vellagounenpalayam Kasba, Dharmapuri.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range I, Madras 600 006

Date : 3-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 3rd November 1980

Ref. No. 56/MARCH/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10, situated at Sripuram, Tirunelveli-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO III Tirunclveli (Doc. No. 542/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) 1. Shri A. K. Lakshminarayanan,
 No. 15/91, Baveshwar Vijay Co-op,
 Society, Ltd., Wadnla, Bombay-31.
 2. Smt. Kanthimathi Srinivasan,
 3. Shri S. Venkataraman
 4. Shri S. Padmanabhan

 Avenue,
- 4. Shri S. Padmanabhan
 5. Smt. Sudha Venugopal

 (2) Shri V. Sankaranarayanan,

 Shri V. Sankaranarayanan, S/o Shri S. Venku Iyer, No. 39, Venkatesan Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 542/80 ISRO III, Tirunelveli Land and Buildings at Door No. 10, Sripuram, Tirunelvell.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 3rd November 1980

Ref. No. 22/MAR/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 6177/6, 6271, situated at

Kothanallur (Velimalai)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO Nagercoil (Doc. No. 1104/80)

in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Dr. Henry Demetrius Messiadhas, No. 2722-'Y', Block, 7th Street, Anna Nagar, West Madras.
 - Mrs. Agnes Moses
 W Jo Dr. S. H. Moses,
 Central Street, Kilpauk Garden Colony,
 Madras-10.

 Shri J. T. P. Messiadhas, Plot No. 5, Anna Nagar, Nallathambi Road, Pammal, Madras-75.

- Mrs. Florence Balasingh, No. 28, Selvammal Street, Shenoy Nagar, Madras.
- Mrs. Doris Lamech, No. 213, 'Z' Block, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. Annamma Thomas, W/o Shri Thomas, Vezhayilpuraikkal, Veliyanad Musi, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1104/80 JSRO, Nagercoil
Estate lands—S. No. 6177/6—5 acres 26 cents.
Estate lands—S. No. 6271—3 acres 90 cents.
in Kothanallur (Velimalai).

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING, LIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd November 1980

Ref. No. 23/MAR/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 6272-A and 6273 situated at Kothanallur (Velimalai)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO Nagercoil (Doc. No. 1104/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Henry Demetrius Messiadhas, No. 2722-'Y', Block, 7th Street, Anna Nagar, West Madras.
 - Mrs. Agnes Moses
 W/o Dr. S. H. Moses,
 Central Street, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

3. Shri J. T. P. Messiadhas, Plot No. 5, Anna Nagar, Nallathambi Road, Pammal, Madras-75.

 Mrs. Florence Balasingh, No. 28, Selvammal Street, Shonoy Nagar, Madras.

 Mrs. Doris Lamech, No. 213, 'Z' Block, Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

 Mrs. Mariamma Abraham, W/o Shri Abraham, Veliyanadu Musi, Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1105/80 JSRO, Nagercoil
Estate lands—S. No. 6272-A—10 acres 72 cents.
Estate lands—S. No. 6273—3 acres 90 cents.
Kothanallur (Velimalai).

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN
Competent Autority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD,
MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 4th November 1980

Ref. No. 46/MARCH/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 57B (New No. 45) situated at Pulla Reddy Avenue, Shenoynagar, Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Periamet, Madras (Doc. No. 332/80) on March 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Cherubal Pathayapura Bhargavi Amma, W/o late Shri V. Sankara Menon Old No. 57-B, New No. 45, Pulla Reddy Avenue, Shenoynagar, Madras-30.

(Transferor)

(1) 1. Smt. S. Alagammai 2. Shri S. Peria Karuppan

> Shri S. Kumarappan
> No. 43, 1 Main Road, East Shenoynagar, Madras-30.

> > (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 332/80 S.R.O. Periamet, Madras Land and Buildings at Door No. (Old) 57-B, (New No. 45), Pulla Reddy Avenue, Shenoynagar, Madras-30.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN
Competent Autority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th November 1980

Ref. No. 23/APRIL/80.—Whereas, I, T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3, situated at Devaraja Mudali Street, Park Town, Madras-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO-I Madras North (Doc. No. 1559/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri C. Naraindas, No. 765, Triplicane High Road, Madras-5. (Transferor)
- (2) (1) Shri S. I. Aboobucker.
 - (2) Smt. B. Nafeesa Beevi.

(3) S. A. Heicesa Beevi.
(4) S. I. Zaimab Nachi.
(5) S. I. Mohd. Mariyam.
No. 95, New Bazaar Road, Kayalpattinam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1559/80 JSRO I, Madras North, Land and Buildings at Door No. 3, Devaraja Mudali Street, Park Town, Madras-3.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Date: 4-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th November 1980

Ref. No. 76/MARCH/80.-Whereas I, T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-A, situated at Jadamuni Koil Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

JSRO II Madurai (Doc. No. 1239/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri P. Murugesan.

2. Shri P. Subramaniam, No. 2. Mariappan Chettiar Lane, Semmakal, Madras-1.

3. Shri P. Mareesan. 4. Minor Elango @ Raman s/o No. 3,

 Shri M. Ganesan,
 Shrl M. Shanmugam,
 A. Mariappan Chettiar Lane, Semmakal, Madurai-1.

(Transferors)

(2) Shri A. Mohamed Sheriff, S/o Shri Amir Basha, r/o Varpatti Village, Pudukottai Taluk, now at Shop No. 65, Market, Vandipriyar, Kerala State.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1239/80 ISRO II, Madurai Land & Buildings at Door No. 16-A, Jadamuni Koil Street, Madurai-1.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 15-11-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th November 1980

Ref. No. 77/MARCH/80.—Whereas I, T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16A, situated at Jadamuni Koil Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II Madurai (Doc. No. 1232/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri P. Murugesan,
 Shri P. Subramaniam,
 No. 2, Mariappan Chettiar Lane,
 Semmakal, Madurai-1.

 - Shri P. Marcesan,
 Minor Elango @ Raman s/o No. 3,
 - Shri M. Ganesan,
 Shri M. Shagmugam, 2A, Mariappan Chettiar Lane, Semmakal, Madurai-1.

(Transferors)

(2) Shri A. Mohamed Sheriff, S/o Shri Amar Basha, r/o Varpatti Village, Pudukottai Taluk, now at Shop No. 65, Market, Vandipriyar, Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are deflend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE Document No. 1232/80 JSRO II Madurai.

Land & Buildings at Door No. 16-A, Jadamuni Koil Street, Madurai,

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 15-11-1980

Seal •

(1) Victor Olan Fernandes, Mundakkal, Ward, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Deenadayalvel, 86, Chidambaram Mudaliar St., Panrufti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th November 1980

Ref. No. 8948.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Panrutti, situated at Kadambuliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kadambuliyur

(Doc. 375/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 21—366GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Panrutti. (Doc. 375/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 15-11-1980

Seal;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th November 1980

Ref. No. 8956.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS. No. 4559, 4560, 4561,

situated at Mannargudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. 374/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. M. S. M. Haji Mohammed Abdul Kader, s/o Mohd. Ismail, Koradacheri.

(Transferors)

(2) K. Sheik Dawood, K. Noor Mohammed, K. Mohd. Ali, K. Asal Ali s/o K. Kader Mohideen, Arichara St., Karur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 4559, 4560, 4561, Mannargudi.

(Doc. 374/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 15-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Nava Bharat Engineering Industries, 39, Thiruvotriyur High Road, Madras-19.

(Transferor)

(2) Chitraj Engineering Co. Ltd. 86, Pantheon Road, Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 8969.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 60/2 B-2, situated at Thiruvotriyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thiruvotriyur (Doc. 661/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have raeson to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have raeson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Sacritating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 60/2B-2, Thiruvotriyur High Road, Madras. (Doc. 661/80)

RADHA BALAKRISHINAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incomedaa
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 15204.—Whereas I. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36, Car St., situated at Madras-5

(and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1122/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Rajamani Kyamma, 47, Barnaby Road, Madras-10.

Madras.

(2) V. A. S. Krishnaswamy Nadar, 42, Langs Garden Road, Pudupet,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 36, Car St., Madras-5. (Doc. 1122/80)

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1980

Ref. No. 15207.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

191, R. M. Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 505/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. N. M. Rahamath Unnissa, w.o A. V. M. Jalabuddin, 13, Anwaria St., Koothanallur, Tanjore Dt.

(Transferors)

(2) O.R.M.M.SP.SV.P. Sambandam, s/o Panchavatham Chettiar, Sivan Koil North St., Devakottai, Ramnad Dt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 191, Royapettah High Road, Madra-4. (Doc. 505/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-11-1980

Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 15209.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the IncomeTax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7. Norton St., situated at Mandavelipakkam, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore (Doc. 427/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. S. Vanchiswar, 23, 4th Trust Cross St., Madras-28.

(Transferor)

(2) G. Pasupathy, 36, 11th Trust Cross St., Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Norton St., Madras-28, (Doc. 427/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-11-1980

(1) P. R. Srinivas, 38, Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. R. Shanmuhgam, 10, Leith Castle St., Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 15210.-Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 3672/16, situated at Prithvi Avenue, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc 426/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

phject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Prithvi Avenue, Madras-18, (Doc. 426/80).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 15211.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

17, I St., Abhiramapuram, situated at Madras-18 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 425/80) on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. Ramasubramanian, 17, First S., Abhiramapuram, Madras-18.

(Transferor)

 R. Parvathavarthani, R. Ramanathan, R. Rajagopalan,
 Ram Colony, West Mambalam, Madras-33.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17, First St., Abhiramapuram, Madras-18.
(Doc. 425/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-11-1980

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th October 1980

Ref. No. 15216.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

54, Arudale Nagar, situated at Madras-96 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 757/80) on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

22—366GI/80

 K. R. Menon, Smt. Rukmani Menon, 54, Arudalenagar, Madras-96.

(Transferor)

V. V. Ranga Rao,
 Shanthi Colony, Λnna Nagar,
 Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 54, Arudale Nagar, Madros-96, (Doc. 757/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Swarna Kumari,
 Balaji Avenue II St.,
 Nagar,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) P. Kalyanasundaram, 32, Bagirathi Ammal St., Madras-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 15217.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS. No. 8205/12, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar on March 1980

(Doc. 391/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 8205/12, Madras. (Doc. 391/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11

Madras-600 006, the 14th November 1980

Ref. No. 10728.—Wheras, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3D, 3D1, Kandaswamy, situated at Chettiar St., Tiruppur, situated at Village Katt Sub. Teh. Banga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Tiruppur (Doc. 40/80) in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hie acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri N. Ramaswamy, Salammal, R. Selvaraj C/O.
 N. Ramaswamy, Pethuchettipuram III St., Thiruppur.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Balasubramaniam, 251, Vittaldas Sait St., Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3D, 3D1, Kandaswamy Chettiar St., Tiruppur. (Doc. 40/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 30th October 1980

Ref. No. 10730.-Wherass, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/27, Sowripalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1477/80) in March 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afosesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri V. C. Venkatachalam, 51, Erode Road, Perundurai, Coimbatore Dt.

(Transferor

(2) Shri S. Selvaraj, S. Rajendran, S/o A. Sama Naidu, Bharathi Nagar, Peelamedu, Coimbatore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6/27, Sowripalayam, Coimbatore. (Doc. 1477/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 30-10-1980

Scal:

(1) Shri R. Ramachandran, Rangaswamy Naidu Thottam, Maddampalayam, Coimbatore. (Transferor)

(2) Shri K. Ramukutty, 29, Main Road, Mettupalayam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 30th October 1980

Ref. No. 10733.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. GS. No. 540, 588, 589, situated at Billichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at P. Palayam (Doc. 586/80) in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Billichi. (Doc. 586/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 31st October 1980

Ref. No. 10735.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11/25, Sengupta Road, situated at Ramnagar, Coimba-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 1851/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Chinnaswamy Naidu, 25, Sengupta St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) Shri K. Dhanalakshmi 96, Uppara St., Coimbatore-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11/25, Sengupta St., Ramnagar. Coimbatore-9.

(Doc. 1851/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 31-10-1980.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 31st October 1980

Ref. No. 10741.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mackynnickenpatti situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. 649/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Subramania Iyer, D. Sankaran No. 1, Gopalapuram St., Pollachi.
 (Transferor)
- (2) Shri P. Soundararajan, 4, Elagappa Layout, Venkatesa Colony, Pollachi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at Mackynaickenpatti, Pollachi. (Doc. 649/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 31-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Rani Lakshmi Ginning & Spinning Mills, Tirunagar, Madurai.

(Tran feron)

(2) K. Narayanaswamy, K. Balasundaram K. Venkatadhri Rep. G. Kandaswamy Naidu G. K. Steel Industries, Bharathi Road, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 15th November 1980

Ref. No. 10747.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196I) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 6/1377. Race Course situated at Puliakulam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 1537/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS No. 6/1377, Race Course, Puliakulam Colmbatore.

(Doc. 1537/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 15-11-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Madras-00 006, the 31st October 1980

Ref. No. 10764.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Kurishi situated at Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1900/80) in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—366GI/80

(1) Mrs. Neelambal, Subadra Rajasekaran Bama Koteeswaran, No. 3, 6th Main 16th Cross Malleswaram, Bangalore-55.

(Transferor)

(2) Y. Jagannathan, Y. Niranjan Kumar, Y. Anandakumar, 3. Pycrofts Garden Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/237B, Kurichi, Coimbatore (Doc 1900/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authori¹¹
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 31-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th November 1980

Ref. No. 8949.—Wheras I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12, Lakshmi Narayanpuram situated at New St., Kumbakonam.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kumbakonam (Doc. 323/80) in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Dr. R. Narasimhachari N. Rajagopalan, N. Krishnan, N. Mukundan, N. Thiagarajan, 12, T.H.S. North St., Kumbakonam.

(Transferor)

(2) P. R. Varadarajulu Raja S/o Rangaswamy Raja 77, Old Aranmanai Kallarai St., Kumbakonam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Lakshmi Narayanpuram New St., Kumbakonam.

(Doc. 323/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 14th November 1980

Ref. No. 15203.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing

No. 51, III Main Road, situated at R.A. Puram, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Madras South (Doc. 592/80) in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Nagarajan, 51, III Main Road, R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

(2- Dr. E. Meenakshisundaram M. Anandam, 66, Peters Road, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 51, III Main Road, RA Puram, Madras-28.

(Doc. 592/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 14-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 10757.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

S. No. 81, Ramnagar, Sengupta St., situated at D. No. 78A, Coimbatore Anupperpalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1647/80) in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Govinda Rao S/o Ramachandra Rao, 78A, Sengupta St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) Dr. K. A. Rajan S/o P. Appukuttan 13, Nagappa Chettiar Road Kattur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 78A, Sengupta St., Ramnagar, Anupperpalayam, Coimbatore.
(Doc. 1647/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 20-11-1980

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 10760.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agarahara Samapulam, at Perianaickenpalayam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Perianackenpalayam (Doc. 495/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri A. Ramachandran, S/o Pothullar M. K. Appanaicker, Agrahara Samakulam, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) A. Thirumalaiswamy S/o Pothullar M. K. Appanaicker Agrahara Samakulam, Coimbatore Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Agraharasamakulam, Perianaickenpalayam, (Doc. 495/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 10760.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agraharasamakulam, situated at Perianaickenpalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. 600/80) in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Thurayan, Minor Maheswari, S/D/O Krishnaswamy Naidu, 7/8, A.T.T. Colony, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramachandran S/o Pothullar M. K. Appanaicker Agraharasamakulam, Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Agraharasamakulam Perianaicken palayam in Coimbatore Tk.

(Doc. 600/80).

RADHA BAI AKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 10768.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Vellakoil, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kangeyam (Doc. 494/80) on March 1980,

for an apparent consideration with is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Chidambaram S/o Sundarappa Gounder Veerakumara Valasu, Vellakoil Dharapuram Tk.

(Transferor)

(2) Shri K. Chenniappa Gounder S/o Karuppana Gr. Kaspa Vellakoil, Dharapuram Tk.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, Machinery in the Rice Mill (Half share) at Vellakoil.

(Doc. 494/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 20-11-1980

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 8960.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 47, 4th St., situated at Brindavan, Pondicherry-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pondicherry (Doc. 382/80) in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anandakrishna Rao, 47, 4th St., Brindavan, Pondicherry-11.

(Transferor)

(2) P. V. Narayanaswamy, Minor V. Periaswamy, Rep. by Parvathi Ammal 47, 4th St., Brindavan, Pondicherry-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 47, 4th St., Brindavan, Pondicherry. (Doc. 382/80)

RÁDHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II, Madras-600006

Date: 20-11-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th November 1980

Ref. No. 10788.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. land and building

situated at Kanackampalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at

Udumalpet (Doc. 485/80) in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. Chinnaswamy Naidu,
 Elayamuthur Road, Udumalpet.

(Transferor)

 Kongarur Spinners Ltd., 112, Bagyodaya, Dhali Road, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at Kanackampalayam, Udumalpet. (Doc. 485/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—366GI/80

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1765.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Bunglow No. 113-114 situated at Anoop Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mansoor Rangnath S/o Shri Late Vishveshwar Aya (Shri M. V. Rangnath), 34, Housing Society, South Extension-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Navratanmal S/o Shri Late Radhakishan Mumdada 27-28, Manoramaganj, Main Road, Indore. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 113-114 situated at Anoop Nagar Colony, Indore. Total measurement 6036 Sq. ft. and double storeyed house at Sadar plot-measurement 1620 Sq. ft.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-11-1980

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1766.—Whereas i, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House i.e., plot No. 24 situated at Sitabagh Colony, Indore (Mecra Path Colony)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhimdevra S/o Martand Rao Bhagwat
 Smt. Kumudin, W/o Bhimevrao Bhagwat,
 R/o 25, Sitabag Colony, Indore.

(Transferors)

 M/s. Sangam Apartments, 135, Devi Ahilya Marg, Indore—Through partners—(1) Shyamsunder S/o Kishan (2) Satishchandra (3) Ravindrakumar S/o Shyamsunder (4) Nandlal (5) Ganeshkumar S/o Khemchand.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House i.e. plot No. 24, situated at Sitabugh Colony, Indorc. (Meera Path Colony)

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-11-1980

(1) Shri Vimalchand S/o Shri Ganeshilal, 28, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rajlaxmi Through Shri Badrichand Jain, 146-Kanchanbagh, Indore.

(Transfereo)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1767.—Whereas I, VIJAY

Bhopal, the 12th November 1980

MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House at plot No. 274 situated at Sakath Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built at plot No. 274 situated at Sakath Nagar. Colony, Indore.

> VIJAY MATHUR Competent Authority, aspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1980

(1) Shri Ghasiram S/o Shri Muraji, 21-Teli Bakhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/I1768.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House at Plot No. 87 situated at Triveni Colony, Indore (and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 3-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Parmanand S/o Shri Radhakishan Das, 87, Triveni Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house built at plot No. 87, situated at Triveni Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1769.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House constructed on plot No. 12 situated at Lajpatkunj, Jabajpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khushiram S/o Hiranand, Contractor R/o Katni.

(Transferor)

(2) Shri Savandas S/o Devram, Bharat Medical Stores, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 12, situated at Lajpat Kunj, Napier Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kalyandas/Kalyanmal S/o Shri Ramchand Lalwani, 37, Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Dayaram S/o Shri Hiranandji, 154, New Sindhi Collony, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1770.—Wheren I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Portion of House No. 76 situated at Regiment Road, Shajahanabad, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Portion of double storied house No. 76, situated at Regiment Road, Shajahanabad, Bhopal.

VIJAY MATHUR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bhopal

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1771.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Part of House No. 76 situated at Shajahanabad, Regiment Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respec of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalyandas/Kalyanmal S/o Shri Ramchand Lalwani, 37, Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Hiranandji S/o Kodamalji, 154, New Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of double storied house No. 76 (East portion) situated at Shajahanabad, Regiment Road, Bhopal.

VIIAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1772.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 359 situated at Kududand, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 7-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons namely:-

25-366GI/80

Shri Dinakar Rao Kosta, Advocate (1)Tilak Nagar, Bilaspur.

(Transferor)

(2) (1) Ratanlal Gupta,
(2) Smt. Ganga Bai W/o |Chedilal Khandelwal
(3) Smt. Munni Bai W/o Babulal Soni

(4) Gayatri Devi Minor daughter of Shri Ratanlal Gupta, Kududand, Bilaspur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 359, area 2 acres situated at Kududand, Behind Nehru Colony, Bilaspur.

VIJAY MATHUR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-11-1980

FORM NO. 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1773.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Belha, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur on 19-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shivaji Rao Salka S/o Ramchand Rao Salke, Vill: Masan Ganj, Bilaspur.

(Transferor)

 Smt. Sushila Devi W/o Sadanlal Kesharwani, Vill: Surajpur, Sarguja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 763/5, Area—1.32 acres which is situated at Belha, Bilaspur.

VHAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/j1793.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 10 situated at Prens Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 14-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Surjit Singh S/o Sunder Singh, R/o Mandeleshwar, Khargone.

(Transferor)

(2) Sardar Harminder Singh S/o Karamsingh, 31, Pratap Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 situated at Prem Nagar Colony, Indore—educasuring 4750 Sq. ft.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Inclome-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 12-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1794.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Land Survey No. 263/4 situated at Gram: Sejvaya, Distt: Dhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 27-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Chhoti Bai W/o Latif Khan R/o Village: Sejvaya, Distt: Dhar.

(Transferor)

(2) M/s G. M. Mittal Stainless Steels P. Ltd., M.D. Shri Rameshchandra S/o Rampal, 1/2, Shivaji Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 263/4, situated at Village: Sejvaya, Distt: Dhar. (Rekba 1.672 Hector-4.12 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Chhoti Bai W/o Latif Khan R/o Village: Sejvaya, Distt: Dhar.

(2) M/s G. M. Mittal Stainless Steels P. Ltd., M.D. Shri Rameshchandra S/o Rampal, 1/2, Shivaji Nagar, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1975,-Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Survey No. 26373 situated at Vill: Sejvaya, Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dhar on 27-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village: Sejvaya Survey No. 263/3-Rakba 1,463 Hector i.e. 3.61 acre.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

(1) Seth Murtza S/o Seth Mustafa R/o Jangipura, Budhwara, Bhopal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shamim Rashid Chisti W/o Shri Shamim Hussain Chisti R/o Quarter No. 91/51, 1250, T. T. Nagar, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1787.—Whereas I, VJJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Civil Lines, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bhopal on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wasth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 4558 Sq. ft. situated within the premises of Indra Bhayan, Civil Lines, 4, Bungalow, Bhopal,

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Nirmal Kumar Jain S/o Bhawarlalji Jain, Hanumanganj, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shivnarain Khera S/o Shri V. M. Khera, E-4/318, Mahavir Nagar, Arera Colony, Bhopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1788.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring No.

Plot No. 318 and single storeyed house therein situated at Arera Colony, Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 27-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 318 and single-storeyed building constructed on the plot.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-11-80

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1789.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of plot No. 34 situated at Idgarh Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. K. Saxena S/o Shri P. C. Saxena, & Others R/o 33 Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) (1) Laxmandas

(2) Kanhaiyalal S/o Shri Varandmal R/o Tilak Colony, Near Tolwali Maszid, Budhwara, Bhopal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd portion of plot No. 34, measuring 5,400 Sq. ft. situated at Idgah Hills, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1790.—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Vill. Raintapura Gwalior and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 22-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—6—366G1/80

- (1) Shri Keshrisingh S/o Thakur Tejsingh, R/o Chana Kothar, Kampoo, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) (1) Anita D/o Baboolal Garg, Sbivpuri
 - (2) G.P. Garg S/o Baboolal Garg, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior,
 - (3) Smt. Narmada Bai W/o Matadin Garg, Shivpuri.

(Trasferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuirng 0.334 Hectare situated in between "Ashok Vihar & Saket Nagar", Vill; Ramtapura, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/80-81/1791.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village: Jora Khurd, Morena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Morena on 6-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gyasia S/o Panna Kumhar Jora Khurd Vill, on AB Road, Morena.

(Transferor)

Gurunanak Singh Sabha Gurudwara,
 AB Road, Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 368 situated at Jora Khrud-Vill., Morena.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1792.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Khasra No. 440/1 situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 27-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri (1) Nandram (2) Ishwardas (3) Ochimal, (4) Jethanand Jhamandas, (5) Arjundas S/o Ishwardas (6) Kanahiyalal s/o Nevendram Sindhi R/o Sindhi Colony, Khandwa.

(Transferors)

(2) Shri Rameshkumar President Vidhyudith Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Khandwa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 440/1 situated at Khandwa.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1776.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House & Land Kh. No. 250 & No. 166 situated at Vill: Badwan, Mandsaur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 27-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagirath S/o Bagdi Ram Caste--Dhakad R/o Badwan, Distt: Mandseur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Bai D/o Bhagirath W/o Ramsukh Caste—Dhakad, R/o Badwan Distt; Mandsaur

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 250—9.354 Hector & Khasra No. 166 1.145 Hector and 3 Katcha Houses situated at Village: Badwan, Mandsaur,

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1774.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 9911 situated at Vill. Raygarh Teh. Ratlam (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 14-3-80

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Santok S/o Ramchhodji

(2) Smt, Sita Bai W/o Ranchhodji Maheshwari R/o Dhanmandi, Ratlam,

(Transferors)

(2) (1) Shir Mangilat S/o Motilaiji Vyas R/o Dhanmandi, Ratlam.
 (2) Devram S/o Toli Ramji Brahman,

2) Devrem S/o Toli Ramji Brahman, R/o Ratlam Mohalla Brash Manoka Bas.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 9911—Khasra No. 98, situated at Vill: Rajgarh, Teh: Ratlam, measuring 0.690 Hector.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1775.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land Kh. No. 27, Survey No. 60 situated at Vill. Rupala, Teh: Barwah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwah on 21-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Pratapji S/o Ramratanji
 - (2) Shri Amba Ram S/o Onkarji
 - (3) Smt. Radha Bai W/o Tulsiram Caste-Jat Vill: Rupala, Teh: Barwah, Distt: West Nimar.

(Transferors)

(2) Shri Bhagirath S/o Vishanji Caste—Jat Vill: Rupala, Teh: Barwah, West Nimar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 27, Survey No. 60, situated at Vill: Rupala, Tah: Barwah.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

FORM ITNS----

(1) Shri Sita Ram S/o Lahanu. R/o Khrati Bazar, Burhanpur.

R/o Budhwara, Burhanpur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1777.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 21/1, situated at Vill: Ukadgain, Teh: Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 19-3-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Budhilal S/o Shri Ganapat Das Sarode,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 21/1, situated at Vill: Ukadgain, Tch: Burhanpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

(1) Smt. Indra Eai W/o Ram Rao Yabele, R/o 97, A.B. Road, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Prabhakar S/o Trimbak Kibe R/o Dewas-97, A, B. Road, Dewas.

(2) Shri Shivkumar Choube,

(3 Shri Ashok Chithle

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1778.—Whereas I, VIJAY MATTIUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 97 situated at A. B. Road, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reistering Officer at Dewas on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

97, Bombay-Agra Road, Dewas.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 97 situated at A.B. Road, Dewas.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 17-11-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1779.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 27, Survey No. 145, 146 & 147 situated at Vill: Rupala, Teh: Barwah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Barwah on 20-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
27—366GI/80

1. (1) Shri Pratapji S/o Ramratanji (2) Shri Amba Ram S/o Onkarji

(3) Smt. Radha Bai W/o Tulsiram- Cast-Jat, Vill. Rupala, Teh: Barwah, West Nimar.

(Transferor)

2. (1) Shri Omprakash

(2) Shri Jaiprakush S/o Kaluji—Cast-Jat.
Vill: Rupala, Teh: Barwah-Dist: West Nimar
Khargone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Rupala Village of Tehsil Barwah-Kh No. 27, Survey No. 145, 146 & 147.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shrimant His Highness Maharajadhiraja Malvendra Shri Lokendrasinghii S/o Late Shrimant Maharaja Saheb Shri Sajjansinghi Saheb, Ratlam,

(Transferor)

 Smt. Kusum Devi D/o Shri Shantinalji Jain, Dhan Mandi, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IΛC/ΛCQ/BPL/80-81/1780.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 1-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana, Ratlam (1282,25 Sq. ft).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-80 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 17th Novmeber 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1781.—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Sec-

tion 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana situated at Rallam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ratlam on 1-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

- (1) (1) Shriman His Highness Maharajadhiraja Malyendra.
 - (2) Shri Lokendrasinghji S/o Late Shrimant,
 - (3) Maharaja Saheb Shri Sajjansinghi Saheb, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Manikanta W/o Shri Ashok Kumarji Jain, R/o Kharakua, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana (1282,25 sq. ft.), Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-1980

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 17th November 1980

Ref. No. IAC/OCQ/BOLP/80-81/1782.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Ragghikhana situated at Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 1-3-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shrimant His Highness Maharajadhiraja Malvendra,
 - (2) Shri Lokendrasinghji S/o Late Shrimant,
 (3) Maharaja Saheb Shri Sajjansinghji Saheb, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Motichandji Nemichand, Shri Polia Darrwaja, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana (1710.6 sq. ft.), Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-1980

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1783.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 1-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shrimant His Highness Maharajadhiraja Malvendra,

Shri Lokendrasinghji S/o Late Shrimant, Maharaja Saheb Shri Sajjansinghji Saheb,

Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Devi D/o Shri Munnalalji, (R/o New Road, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana Ratlam (1324 sq. ft).

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 17th November 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1784.—Whereas, 1, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana situated at Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 1-3-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shrimant High Highness Maharajadhiraja Malvendra,
 - (2) Shri Lokendrasinghji S/o Late Shrimant,
 (3) Maharaja Saheb Shri Sajjansinhji Saheb,
 Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Bharatnatnji S/o Shri Khemchandji, R/o Ghatla Yard, Ratlam.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective ptrsons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of Ranjit Vilas Palace called as Bagghikhana Ratiam, (1115 sq. ft.).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-11-1980

(1) Shri Fatchchand S/o Shri Jhamklal Monnat, R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahavir Plastic Industries, Mhow-Neemuch Road, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1785.—Whereas, J, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot Survey No. 1103/2 situated at Mhow-Neemuch Road, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Survey No. 1103/2, situated at Mhow-Neemuch Road, Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-11-1980

Sen1:

(1) Indore Land and Finance Pvt. Ltd., 11, Tukoganj, Main Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Quyamuddin S/o Shri Abdul Hasan.
 Bobvi Bazar, Indore.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1786.—Whereas, J, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop Nos. 40-41 and 42 situated at Kalani Market,

Alanker Talkies, Dewas

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas on 11-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 40, 41 and 42 situated at Kalani Market, Alanker Talkies. Dewas.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Rohtak, the 5th September 1980

Ref. No. JDR/26/79-80.--Whereas I. G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Factory building on plot No. 115, Gandhi Dham situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kartarpur in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

28-366GI/80

(1) 1. Shri Fateh Chand s/o Sh. Hukam Chand,
2. Shri Vinod Kumar s/o Sh. Darshan 1.al.
3. Shri Mukesh Kumar s/o Sh. Jai Parkash,

r/o Jagadhari.

 1. Sh. Raj Kumar s/o Shri Ravel Chand,
 2. Smt. Sudesh Kumari w/o Sh. Raj Kumar,
 r/o 670, Rajan Gali, Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building, situated on plot No. 115 Gandhi Dham Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5683 dated 14-3-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-9-1980

FORM ITNS ---

(1) Shri Harnam Singh s/o Shri Mian Singh, r/o Kunipura.

(Transferor)

→ ==== .→

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aggarwal Rice Mills, Necsang, Teh. Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1980

Ref. No. KNL/62/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kunjpura

situated at Tch. Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer

at Karnal in March 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said projections be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land, situated at Village Kunjpura, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed reistered at No. 7593 dated 28-3-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 30-10-1980

(1) Shri Hari Kishan Dass, Alias Shri Hari Kishan s/o Sh. Ram Narain, r/o House No. 1928, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Som Devi w/o Sh. Som Raj Bhatia, r/o Hanuman Gali, Karnal, now, House No. XII-599 Jundla Gate, Karnal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Rohtak, the 30th October 1980

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

Ref. No. KNL/58/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

> shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. XII-599, situated at Jundla Gate, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Karnal in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House No. XII-599, situated at Jundla Gate, Karnal and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 7177 dated 5-3-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :—

Date: 30-10-1980

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1980

Ref. No. KNL/60/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. C-997.

situated at Purani Mandi, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in March 1980.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Rukmani Devi Wd/o Sh. Kedar Nath Aggarwal R/o Roop Colony, Karnal.
 (Transferot)
- (2) 1. Sh. Trilok Nath Khurana S/o Sh. Narain Dass Khurana R/o 18 Jairnally Colony, Karnal.
 - Smt. Kamla Rani W/o Shri Dharampal Kapoor, R/o A-311, Gandhi Chowk, Karnal. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. C-997 situated at Purani Mandi Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 7453 dated 25-3-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date 30-10-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

контак

Rohtak, the 14th November 1980

Ref. No. SPT/25/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House

situated at Prem Nagar Sonepat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent, consideration and that

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daya Nand S/o Sh. Khushi Ram, 3-B, Prem Nagar, Sonepat.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/o Shri Ram Narain, 175-R, Model Town, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated at Prem Nagar, Sonepat and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 5433 dated 25-3-1980 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-11-1980

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the November 1980

Ref. No. AMB/15/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kothi No. 345, situated at Model Town, Ambala City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambala in June, 1980

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and f have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obiect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Lt. Col. Bhupinder Singh Sobti Room No. 27, Royal Hotel, Meerut Cantt.
- Smt. Sushila Devi Tandon W/o Sh. Arun Kumar Tandon

(Transferor)

- (i) Smt. Sushila Devi Tandon W/o Sh. Arun Kumar Tandon.
- Sh. Ramesh Kumar Tandon.
- (iii) Sh. Ravinder Kumar Tandon.
 (iv) Sh. Rakesh Kumar Tandon.
 (v) Sh. Abnash Kumar Tandon.
 R/O Kothi No. 345, Model Town, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 345 (New No. 366), Model Town, Ambala City and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 3042 dated 20-6-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1980

Ref. No. AMB/38/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 8, situated at Model Town, Ambala City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambala in March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Bansi Lal Barmani S/o Shri Tala Ram, R/o B-149, East of Kailash, New Delhi . (Transferor)
 - (2) Shri Gulshan Lal Sethi S/o Shri Nand Lal Sethi, R/o 4, Amrit Nagar, Model Town, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being House No. 8, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at 5710 dated 26-3-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Rohtak

Date: 14-11-1980

Scal:

(1) Shri Prem Chand Goel S/o Shri Hukam Chand Goel, R/o 1F/33. B.P., NIT Faridabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Bhartiya Enterprises, Plot No. 337, Sector No. 24, Faridabad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1980

Ref. No. BGR/3/80-81.—Whereas 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 336, Sector 24, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 336 measuring 1288 sq. yds situated at Industrial Sector No. 24, Urban Estate, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1168 dated 2-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak the 14th November 1980

Ref. No. BGR/5/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Industrial plot 75/25

situated at Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ballabgarh in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29 -366GIe80

(1) M/s Jyoti Private Ltd., 3, Nayayn Marg, Chankypuri, New Dclhi.

(Transferce)

(2) M/s Haryana Roller Floor Mills (P), Ltd.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 75/25 situated at Industrial Estate, Faridabad and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 1423 dated 12-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabatta.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 14-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 14th November 1980

Ref. No. KNL/61/79-80.--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. C-967, situated at Purani Mandi, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), har_been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in March, 880 & April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Jeewan Dass S/o Shri Cheela Ram Kathuria, Mohalla Dayalpura, Karnal.
 - (2) Shri Ramesh Kumar S/o Sh. Khilanda Ram Gandbi,

(Transferor) R/o House No. XVIII-356.

Char Chaman, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. C-967 situated at Purani Mandi, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at Mos. 7517 dated 27-3-80 and No. 437.dated 25-4-1980 with the Sub Degistrar, Karnal.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BANGALORE-56001,

Bangalore, the 25th July 1980

Notice No. 282/80-81.—Whereas I, A. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. CTS. No. 1512 situated at Marutigalli and Deshpande galli, Belgaum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Belgaum under document number 2841 on 3-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri. Ramachandra Shreepad Manolikar, House No. 1512, Marutigalli, Belgaum, (Transferor)

 Shri Pradeep Jayaram Undale,
 Shri G. H. Waze Marutigalli, Belgaum. Khadebazar, Belgaum.

(Transferce)

(3) 1. Dr. V. P. Naikmallali, Deshpandegalli, Belgaum,

(2) Shri G. H. Waze Marutigalli, Belgaum. (person (s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2841 dated 3-3-1980) Land and Building in C.T.S. No. 1512 situated at Marungalli and Deshpandegalli, Belgaum.

> R. THOTHATHRU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th August 1980

Notice No. 286/80-81.—Whereas I, R. THOTHATHRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS No. 3493/1 (Part),

situated at College Road, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2808 on 3-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Sareshwar Vithal Kelkar 2. Shri Shridhar Vithal Kelkar, Both r/o No. 8, Raviwarpeth, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Devidas Madhav Pai
 2. Shri Suresh Devidas Pai
 3. Shri Satish Devidas Pai

 - 4. Shri Shriniyas Devidas Pai All r/o Bungalow No. 155, Camp, Belgaum.

(Transferee)

- (3) 1. Shri N. V. Kelkar 2. Dr. S. V. Metagud

3. Shri Sadoba Khandagale, All r/o Bungalow No. 155, Camp, Belgaum.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2808

Dated 3-3-1980]

Land measuring an area of 520.86 sqm. and buildings thereon bearing CTS No. 3493/1, situated at College Road, Belgaum.

> R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th August 1980

Notice No. 289/80-81.—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatiter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 278/292/2417/5/13 262 95B

situated at 3rd Cross Road, Jayanagar Extension, Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document number 3305 on 26-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri P. Narasimha lyengar, s/o Shri P. Keshavachar,
 Shri N. Satyan s/o Shri P. Narasimha Iyengar, No. 1086, 35-D Cross Road, T. Block, layanagar, Shimoga.
- (2) Shri K. Srinivasmurthy
 s/o Shri Shivaram Manja,
 P. A. Holder Shri Shivaram Manja,
 3rd Cross Road, Jayanagar,
 Shimora.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

| Registered Document No. 3306 | Dated 26-3-1980 |
| Land and building bearing Municipal Number 278/292/2417/5/13, 262 | 95B |
| situated at 3rd Cross Road, Janayanagar Extension Shimoga

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-8-1980

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1980

Notice No. 290/80-81.—Whereas I. R. THOTHATHRI. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mun. Khata No. 13/2, 12/2, 950/2, situated at Panchavati Colony, Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document number 344 on 14-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

(1) Shri A. Sreenivasa Iyengar s/o Chaluvaivengar. Panchavati Colony, Shimoga.

(Transferor)

(2) 1. Sattar Beig s/o Mohamad Beig,
2. P. Mohamad Dastagir s/o Abdul Subban,
3. G. Abdul Basheer s/o Gaffar Khan,
4. R. Ghouse Beig s/o Rehaman Beig,
5. S. Ahamadjan S/o Mohamad Salar,

Old Motor Parts Dealiers Industri Society Ltd., O.T. Road, Shimoga. Industrial Co-op.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 344

Dated 14-3-1980]

Open plot measuring 102:×87: bearing Municipal Khata No. 13/2, 12/2, 950/2, situated at Panchavati Colony, Shimoga.

> R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1980

CR. No. 62/26437/79-80/Acq/B.—Whereas I, R. THO-THATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

27, situated at 1st Main Road, Cambridge Layout, Someshwarapuram, Ulsoor, Bangalore-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at

Shivajinagar, Bangalore, DOC. No. 3852/79-80 on 6-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :---

- (1) 1. Shrimati Heera Bai 2. Pramila Vasudev 3. Mahesh Vasudev 4. Sabitha Vasudev

 - 5. Suraj Vasudev, residing at No. 257, Austin Town, Bangalore-17.

(Transferors)

(2) Mr. V. V. John, No. 27/4, Damodara Mudaliai Street, Ulsoor, Bangalore 8.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3852/79-80] dated 6-3-1980] Site bearing No. 315, New No. 27, 1st Main Road, Cambridge Layout, Someshwarapuram, Ulsoor, Bangalore-8. Measuring 404.10 Sq. Mtrs.

Bounded on-North by 1st Main Road, South by Private Property East by Private Property West by Private Property

> R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-9-1980

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1980

C.R. No. 62/26575/79-80/ACQ/B.—Whereas I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

128, New No. 115

situated at 7th Main, IV-Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 4914/79-80 cm 3-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimathi D. V. Kanthamani Venkatasubban No. 277, 7th cross, I Block, Jayanagar Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Deepak, s/o Sr. A. D. Shivaramaiah Ashoknagar, Mandya.

(Transferees,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 4914/79-80 Dated 3-3-1980]
Site bearing No. 128, New No. 115, situated at 7th Main Road, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11 measuring 376.26

Sq. Mtrs.

Bounded on—

No.th by Site No. 127

South by Site No. 129

East by 7th Main Road

West by Site No. 133

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date · 30-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th October 1980

Notice No. 293/80-81.—Whereas I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Lote No. 978-B Chalta No. 66, situated at Patrong Waddo, Baina, Vasco-da-Gama, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mormugao under document number 138 on 29-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhava Raghavendra Chital alias Madeva Ragavendra Chital alias Madhav Raghavendra Chital, Vasco-da-Gama.

(Transferors)

(2) Shri Mohan Ramnath Chittal HUF, represented by its Karta, Shri Ouexova Ramanata Chital also known as Shri Mohan Ramanata Chittal, Patrong Waddo, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.

Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 138 Dated 29-3-1980]
Plot of land known as Lote No. 978B and Chalta No. 66, and building thereon, situated at Patrong Waddo, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-10-1980

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 10th November 1980

Notice No. 295/80-81.—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 3454 and 3462, situated at Ward No. I, Kolipeth, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 9 on 3-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the

instrument of transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Tukaram Bhimarao Mane,
 Shri Vishnu Bhimarao Mane, Nceli Gin Road, Hubli.

(Transferors)

(2) 1. Shri Jayantilal Nemichand Jain.
2. Shri Suresh Kumar Nemichand Jain.
3. Shri Praveen Kumar Nemichand Jain.
Sl. No. 3 & 2 represented by minor guardian Smt. Suhasbai W/o Nemichand Jain, Pan Bazar, Hubli. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 9 Dated 3-4-1980]

Land and building bearing CTS, No. 3454 & 3462, situated at Ward No. I, Kolipeth, Fort, Hubli.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 10-11-1980

Forms ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th November 1980

C.R. No. 62/26485/79-80/ACQ/B.—Whereas, I R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 situated at Main Road White field Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South (Tq) on 25-3-80 Document No. 7755 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Alexander Benjamin Walker No. 6, Main Road, White Field, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Pearl Hyacinth Meyors No. 7, Main Road, White Field, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7755 Dated 25-3-80) Dwelling house, Cottage and compound walls on all sides situated at No. 6, Main Road, White Field, Bangalore, Plinth area 2100 Sq. ft.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th November 1980

CR. No. 62/26487/79-80/Acq/B.—Whereas, J. R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Income-tax, Acquisition Range, Bangalore Commissioner being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Main Road, Whitefield, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bangalore South (Tq) Document No. 7917 on 28-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Pearl Hyacinth Meyers, No. 7, Main Road, Whitefield, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Robert William Phillips, No. 68, Moin Road, White field, Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7917 Dated 28-3-80)
Land with dwelling house—out Buildings and constructions situated at No. 7, Main Road, Whitefiled, Bangalore.
Plinth area—2977 sq. ft.

R. THOTHATHRI
Completent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-11-1980

Forms ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th November 1980

C.R. No. 62/26770/80-81/ACQ/B.—Whereas, I R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 4507 & 4508, Survey No. 89/2, 89-1A, 90-2 & 89/5, situated at Antharasanahally, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 308 on 16-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) (1) Shri K. Dakshinamurthy.

 - (2) Shri K. Paramashiyalah (3) Shri T. K. Veerabadralah (4) Shri T. K. Balashankar (5) Shri T. K. Nagaraj and (6) Shri T. K. Kumaraswamy,
 - All sons of G. S. Kannaiah. Smt, Akkayyamma w/o G. S. Kannaiah,
 - (8) T. K. Sharadamma (9) T. K. Rajamma (10) T. K. Sumangala

 - (11) Parvathamma (12) Shantha 8 to 12 are daughters of G. S. Kannaiah All residing at Chikkapet, Tumkur.

(Transferor)

(2) (1) Shri G. C. Rajeshakhar
 (2) Shri G. C. Jagadish S/o Shri G. B. Chidananda
 Oil Merchants, Mandipet, Tumkur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 308 Dated 16-4-1980) All that property (Land and Building) bearing M. No. 4507 & 4508 and Survey No. 89/2, 89-1A, 90-2 & 89/5 Situated at Antharasanahally, Tumkur.

> R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 14th November 1980

Notice No. 300/80-81.—Whereas, I. R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As detailed in Part III of IVth Schedule of the Sale Deed dated 31-3-1980 situated at M/s. The A. C. C. Vickers Bobcock Ltd., Shahabad Works P.O. Shahabad ACC. Gulbara District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga Doc. No. 246/79-80 on 31-3-1980 District

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. The Associated Cement Companies Ltd., Shahabad Cement Works P.O. Shahabad ACC. 585229, District Gulbarga (Karnataka State), (Transferor)
- (2) M/s. The A.C.C. Vickers Bobcock Ltd., Shabad Works P.O. Shahabad ACC. 585229 District Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 246/79-80 Dated 31-3-1980)

Property consisting of Civil Works, Plant and Machinery, as fully described in part 111 of IVth Schedule of Sale Deed registered at District Registrar's office on 31-3-1980 and situated within the campus of M/s. A.C.C. Vickers Bobcock Ltd., Shahabad.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 30th September 1980

No. IAC/ACQ/148/80-81.—Whereas, I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 460/01, Itwari Sarafa Oil, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shripad Ramchandra Bangre, Shri Balkrushna Ramchandra Bangre, both r/o Lkdi pool, Ayachit Mandir back side Circ. No. 9, Word No. 19, Nagpur-2.

(Transferor)

M/s. Kothiram & Co. R. G. Through Partners,
 Shri K. M. Hatewar & Shri S. K. Harke,
 r/o Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

THE SCHEDULE

Corporation House 460/0-1 Division No. 4, Itwari Saref Oli, Circle No. 8/13, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-9-80

Scal: